मौसम		
शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.6	27.2
जमशेदपुर	33.8	26.2
डालटनगंज	35.2	26.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, मंगलवार 23 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 2 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 105 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

नियुक्तियों का बढ़ता कारवां...

सहायक नगर निवेशक/कनीय अभियंता/स्ट्रीट लाईट इंस्पेक्टर/पाइपलाइन इंस्पेक्टर/खान निरीक्षक/मोटरयान निरीक्षक

का नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री चम्पाई सोरेन
मा0 मंत्री, जल संसाधन विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

डॉ. रामेश्वर उरांव
मा0 मंत्री, वित्त, योजना एवं विकास, वाणिज्य-कर एवं संसदीय कार्य विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री सत्यानंद भोक्ता
मा0 मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास, उद्योग विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री मिथिलेश कुमार ठाकुर
मा0 मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री हफीजुल हसन
मा0 मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, निबंधन विभाग, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री दीपक बिरुआ
मा0 मंत्री, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण (अल्पसंख्यक कल्याण को छोड़कर), परिवहन विभाग, झारखण्ड सरकार

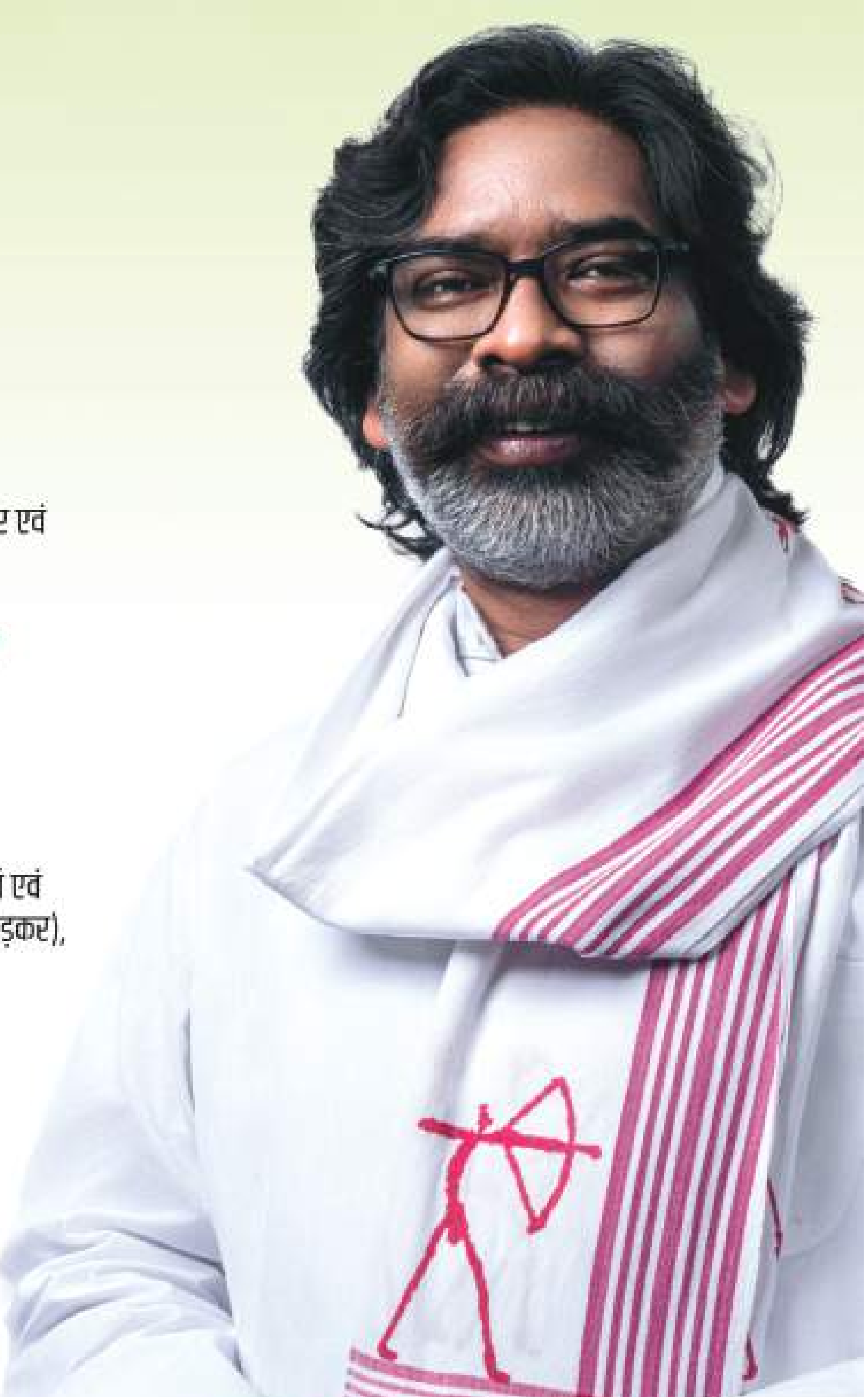

इस अवसर पर आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

23 जुलाई, 2024 | अपराह्न 2:00 बजे
प्रोजेक्ट भवन सभागार, धुर्वा, रांची

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

अनुमंडल अस्पताल पहुंचे सीएम, दिए निर्देश

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने राजमहल दौरे के क्रम में अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल का औचक निरीक्षण किया. इस मौके पर उन्होंने ओपीडी, वार्ड, दवाई, चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों की उपलब्धता और उपस्थिति के अलावा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया. मुख्यमंत्री ने यहां इलाज करा रहे मरीजों से भी बात कर अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली. मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकार अस्पतालों की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी चिकित्सा संसाधन उपलब्ध करा रही है. मरीजों को इसका सुगमता से पूरा लाभ मिले, यह अस्पताल प्रशासन सुनिश्चित करें. उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ सफाई एवं स्वच्छता का पूरा ख्याल रखने का निर्देश दिया.

ब्रीफ खबरें

इंजीनियर इन चीफ का पद 22 दिनों से खाली है

रांची। पथ निर्माण विभाग के इंजीनियर इन चीफ का पद पिछले 22 दिनों से खाली पड़ा है. इससे पहले 30 जून को इंजीनियर इन चीफ पद से उमेश कुमार रिटायर हुए थे. वहीं नेशनल हाइवे विंग में भी चीफ इंजीनियर का पद रिक्त है. यह पद भी 30 जून से खाली पड़ा है. इन दोनों पदों के खाली होने से टेंडर प्रक्रिया में देरी भी हो रही है.

32 जनजातियों के वाद्य यंत्र भी रहेंगे रैली में

रांची। केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस नौ अगस्त को धूमधाम से मनाया जाएगा. समिति के लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे. इस बार रैली में 32 जनजातियों का वाद्ययंत्रों को शामिल किया जाएगा. सोमवार को हेसल सामुदायिक भवन पिस्का मोड़ में बैठक के दौरान कहा.उन्होने कहा कि आदिवासी दिवस में मांदर के थाप पर थिरकते हुए लोग नजर आएंगे. दिन के 12 बजे रैली पिस्का मोड़ सत्यारी सरना स्थल से प्रस्थान करेगी, जो अल्बर्ट एक्का चौक तक जाएगी. अनिता उरांव, संगीता गाड़ी, सती तिर्की, पार्वती उरांव, शोभा तिर्की, रीता खलखो, कुलदीप उरांव, गुड्डू उरांव, नीलम उरांव, नूरी तिर्की, सुनीता कुजूर, वृद्धि उरांव, पिंकी कुजूर समेत अन्य शामिल थे.

दो दिवसीय दौरे पर आज आएंगे मीर

रांची। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस भी रेस होगी. अपने दो दिवसीय दौरे पर प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर 23 जुलाई को रांची पहुंच रहे हैं. मीर एयरपोर्ट से सीधे रामगढ़ जाएंगे, जहां रजरप्पा प्रोजेक्ट मनोरंजन गृह में 2.30 बजे से आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे. इसके बाद चितरपुर में कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगे. गुलाम अहमद मीर 24 जुलाई को रांची में प्रेस क्लब में पिछड़ा वर्ग समुदाय के प्रबुद्धजनों एवं अनुसूचित जाति के प्रबुद्धजनों से संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे. दोपहर में जिला प्रभारी एवं जिला अध्यक्षों संग बैठक करेंगे.

कोकिंग कोल का उपयोग अधिक से अधिक ऊर्जा उत्पादन और गर्मी पैदा करने के लिए किया जाता है

झारखंड में 5313.06 मिलियन टन है प्राइम कोकिंग कोल का भंडार

रवि भारती। रांची

झारखंड में प्राइम कोकिंग कोयले का भंडार 5313.06 मिलियन टन है. इसमें 4614.35 मिलिटन टन का भंडार साबित हो चुका है. इसलके अलावा 698.71 मिलियन टन का पता लगाया गया. कोकिंग कोल का उपयोग अधिक से अधिक ऊर्जा उत्पादन और गर्मी पैदा करने के लिए किया जाता है. खास कर इसका उपयोग थर्मल कोल के रूप में किया जाता है. सीमेंट, खाद, कांच, सिरेमिक, कागज, रसायन और ईंट निर्माण के लिए भी कोकिंग कोल का इस्तेमाल किया जाता है.

- 50336.11 मिलियन टन है नॉनकोकिंग कोयला रिजर्व
- इंडियन ब्यूरो ऑफ माइंस की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

मध्यम कोकिंग कोयला है 24303.38 मिलियन टन : झारखंड में मध्यम कोकिंग का भंडार 24303.38 मिलियन टन है. इसमें 12364.21 मिलियन टन का भंडाल सत्यापित कर लिया गया है. 10332.53 मिलियन टन का पता लगाया जा चुका है. इसके अलावा 1606.64 मिलियन टन मध्यम कोकिंग कोल के भंडार होने का आंकलन किया गया है. वहीं सेमी कोकिंग कोल का भंडार 748.34 मिलियन टन है. इसमें 233.34 मिलियन टन भंडार को सत्यापित कर लिया गया है. 471.55 मिलियन टन सेमी कोकिंग कोल के भंडार का पता लगाया जा चुका है. 53.45 मिलियन टन सेमी कोकिंग कोल भंडार होने का आंकलन किया गया है.

नॉन कोकिंग कोल है 50336.11 मिलियन टन

राज्य में नॉन कोकिंग कोयले का भंडार 50336.11 मिलियन टन का है. इसमें 23953.46 मिलियन टन नॉनकोकिंग कोल का भंडार सत्यापित है. 21483.57 मिलियन टन नॉनकोकिंग कोल के भंडार का पता चल चुका है. इसके अलावा 4899.39 मिलियन टन अतिरिक्त भंडार होने का आंकलन किया गया है.

किस कोयला क्षेत्र में कितना मौजूद है कोयला

कोयला क्षेत्र	उपलब्धता	कोयला क्षेत्र	उपलब्धता
रानीगंज	2036.30	साउथ कर्णपुरा	6571.09
झरिया	19430.06	औरंगा	2997.11
ईस्ट बोकारो	8144.76	हुटार	249.92
वेस्ट बोकारो	5063.26	डालटनगंज	143.96
रामगढ़	1263.04	देवघर	399.84
नॉर्थ कर्णपुरा	18278.99	राजमहल	16122.06

खास बातें

- सेमी कोकिंग कोल का भंडार 748.34 मिलियन टन है
- मध्यम कोकिंग कोल का भंडार 24303.38 मिलियन टन है

गंभीर आरोप : आदिवासी समुदाय के लिए कोई प्रोत्साहन नीति नहीं बनी

आदिवासी युवा व उद्यमियों की हो रही उपेक्षा : टिक्की

विशेष संवाददाता। रांची

ट्राइबल इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (टिक्की) झारखंड चैप्टर ने झारखंड सरकार पर आदिवासी युवा एवं उद्यमियों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है. टिक्की के प्रदेश अध्यक्ष बैद्यनाथ मांडी ने कहा कि मौजूदा सरकार ने आदिवासी युवा एवं उद्यमियों की भावनाओं को आहत किया है. उन्हें दिग्भ्रमित करने का काम किया है. उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के चार वर्ष बीतने और राज्य के मुखिया के खुद आदिवासी होने के बावजूद आज आदिवासी युवा एवं आदिवासी उद्यमी दोनों उपेक्षित हैं. राज्य सरकार 23 वर्ष बाद भी उद्योग - व्यापार में आदिवासी समुदाय के लिए कोई प्रोत्साहन नीति नहीं बना पायी है. बल्कि, पूर्व की सरकार द्वारा बनाए गए प्रावधानों को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया है. इससे प्रतीत होता है कि मौजूदा सरकार आदिवासी समुदाय को उद्योग-व्यापार के क्षेत्र में नहीं आने देना चाहती है. मांडी सोमवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे. मौके पर टिक्की के राष्ट्रीय महासचिव बसंत तिर्की, राज मार्शल मार्डी, रंजन मार्डी, रॉकी मुंडा, बिजेंद्र उरांव आदि उपस्थित थे.

झारखंड प्रोक्योरमेंट पॉलिसी में एसटी-एससी के प्रवाधानों का पालन नहीं करा पाई सरकार : उन्होंने कहा कि टिक्की द्वारा वर्षों से आदिवासी उद्यमिता बोर्ड के गठन की मांग की जा रही है. लेकिन इस पर सरकार ने कभी ध्यान हीं नहीं दिया और न मौजूदा नीति में कोई विशेष प्रावधान दिया है. सरकार ने आदिवासी युवा एवं उद्यमियों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है. मांडी ने बताया कि 2014 से लागू झारखंड प्रोक्योरमेंट पॉलिसी में एसटी- एससी प्रावधानों का सरकार अपने विभागों में पालन नहीं करा पाई है. आदिवासी बहुल राज्य होने के बावजूद आदिवासी समुदाय को उद्योग-धंधों से दूर रखा जा रहा है. आदिवासी युवाओं को उद्योग-धंधे के लिए किसी तरह की कोई सुविधा नहीं दी जा रही है. राज्य में एमएसएमई नीति में भी एसटी- एससी के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं बनाया गया है. कई राज्यों में अलग से एसटी - एससी के लिए आदिवासी औद्योगिक नीति बनाई गई है.

प्रेस वार्ता में समस्याएं बताते टिक्की के प्रतिनिधिगण.

सरकार ने कई घोषणाएं कीं, पर अमल नहीं हुआ

मांडी बताया कि 2019 में आदिवासियों को आधी कीमत पर जमीन उपलब्ध कराने, 25 करोड़ तक की निविदा में प्राथमिकता देने की घोषणा हुई थी, लेकिन सभी घोषणाएं सभी ठंडे बस्ते में चली गयी हैं. वर्तमान में केंद्र सरकार द्वारा सीजीटीएमएसई की सीमा दो करोड़ से बढ़ाकर पांच करोड़ कर दी गयी है.10 लाख तक का ऋण आसानी से उपलब्ध हो सकता है. इसके बावजूद इस पर कोई गंभीर नहीं है. मांडी बताया कि झारखंड में स्थित भारत सरकार के उपक्रम भी मनमानी कर रहे हैं. केंद्र सरकार की नीति के बावजूद भारत सरकार के ये उपक्रम गंभीर नहीं हैं. सरकार को इस पर भी अंकुश लगाना चाहिए.

खास बातें

- आदिवासी बहुल राज्य में भी उद्योग-धंधों से दूर हैं ट्राइबल
- झारखंड प्रोक्योरमेंट पॉलिसी पर उठाए कई सवाल

आदिवासियों को उद्योग-धंधे से नहीं जोड़ना चाहती सरकार

मांडी ने कहा कि राज्य सरकार भले ही वर्तमान बजट में औद्योगिक निवेश से एक लाख नौकरियां प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से चाहती है, लेकिन आदिवासियों को उद्योग –धंधों से नहीं जोड़ना चाहती है. टिक्की द्वारा राज्य सरकार से 200 करोड़ से आदिवासी उद्यमिता बोर्ड का गठन की मांग की जाती रही है. बोर्ड का गठन होने से राज्य में सूक्ष्म ईकाइयां तेजी से बढ़ेंगी और महिला उद्यमिता के भी रास्ते खुल जाएंगे. इस प्रावधान और नीति बनाने से झारखंड के तकरीबन 30 लाख आदिवासी युवाओं को सीधे तौर पर फायदा मिलेगा और बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन भी होगा.

कोर्ट की खबरें

एक्टिंग चीफ जस्टिस का हाईकोर्ट में स्वागत

संवाददाता। रांची

जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस के रूप में योगदान दे रहे हैं. एक्टिंग चीफ जस्टिस के रूप में न्यायालय में सुनवाई से पूर्व हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन ने उनका स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. दरअसल शनिवार को जस्टिस विद्युत रंजन सारंगी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के पद से रिटायर हो गए, जिसके बाद जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद को हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया है. सोमवार को एक्टिंग चीफ जस्टिस के रूप में जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद का पहला कार्यदिवस है.

दहेज प्रताड़ना केस में कोर्ट ने न साल की सजा सुनाई

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने दहेज के लिए अपनी पत्नी को प्रताड़ित करने वाले पति को तीन वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही अदालत ने दोषी पर 15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है. रांची सिविल कोर्ट के ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट सार्थक शर्मा की कोर्ट ने सुधीर कुमार को सजा सुनाई है. वहीं इस केस के अन्य अभियुक्तों को कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है.

निकाय व नगर निगम चुनाव की याचिका पर सुनवाई

रांची। झारखंड में नगर निगम और नगर निकाय चुनाव कराने को लेकर निवर्तमान पार्षद रोशनी खलखो द्वारा दाखिल अवमानना याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सोमवार की सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार के अधिवक्ता को याचिका में डिफेक्ट दूर करने का निर्देश देते हुए कहा कि अएक सप्ताह में डिफेक्ट दूर नहीं किया गया तो सरकार की याचिका स्वयं खारिज हो जाएगी.

सीएम हेमंत के खिलाफ कंप्लेन केस में ईडी ने जवाब दाखिल किया

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ऊपर ईडी द्वारा दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) में व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए दायर याचिका पर रांची सिविल कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से अदालत में जवाब दाखिल कर दिया गया है. जिसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई के लिए तिथि निर्धारित की है. फिलहाल इस केस की सुनवाई एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट में चल रही है. अब तक हुई सुनवाई में कोर्ट ने प्रथम दृष्टया (प्राइमा फेसी) यह माना है कि हेमंत सोरेन ने ईडी के समन का उल्लंघन किया है. दरअसल जमीन घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने हेमंत सोरेन को अलग-अलग तारीखों में 10 बार समन जारी किया था. लेकिन हेमंत सोरेन सिर्फ दो समन पर पेश हुए थे. आठ समन पर वह एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए थे. जिसे समन की अवहेलना माना गया है. इस मामले में हेमंत सोरेन ने हाईकोर्ट का भी रुख कर चुके हैं.

हेमंत की बेल के खिलाफ ईडी की याचिका सुप्रीम कोर्ट में हुई सूचीबद्ध

रांची/नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से मिली बेल को रद्द करने की मांग वाली ईडी की याचिका पर 26 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो सकती है. सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के मुताबिक 26 जुलाई को यह मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हो सकती है. दरअसल सुप्रीम कोर्ट में झारखंड हाईकोर्ट के 28 जून के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें हेमंत सोरेन को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी गयी थी.

युद्ध की सर्वोच्च कला: बिना लड़े दुश्मन को पराजित करना: मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बड़े तार्किक अपनी बातें कही हैं. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि सुंत्जु की आर्ट ऑफ़ वॉर में यह सलाह दी गई है कि सर्वोत्तम रणनीति यह है कि लड़ाई से बचा जाए और बिना लड़े ही दुश्मन को पराजित किया जाए. चीन की कम्युनिस्ट सरकार इस विचार का अनुसरण करती है और अपने दुश्मनों को कमजोर करने के लिए सीधी लड़ाई के बजाय अन्य तरीकों का उपयोग करती है. अब यह स्पष्ट हो गया है कि चीन बांग्लादेश में अस्थिरता पैदा करने के लिए नागरिक और सशस्त्र संघर्ष को बढ़ावा दे रहा है. लेकिन उनकी योजना इससे भी व्यापक है. चीन का उद्देश्य शेख हसीना सरकार को हटाकर कट्टरपंथी मुस्लिम समूहों, जैसे मुस्लिम ब्रदरहुड, द्वारा नियंत्रित एक कठपुतली सरकार स्थापित करना है. यह नयी सरकार भविष्य में भारत को रणनीतिक रूप से घेरने में चीन का समर्थन करेगी.

भारत में लाखों अवैध शरणार्थियों को है भेजना : ट्वीट में आगे लिखा है कि इस रणनीति का दूसरा पहलू भारत में लाखों अवैध शरणार्थियों को भेजना है, विशेषकर पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में. जबकि असम में हिमंता बिस्वा सरमा का मजबूत नेतृत्व इस स्थिति को नियंत्रित करने में मदद कर रहा है, यह चिंता का विषय है कि ममता बनर्जी खुलेआम अवैध प्रवासियों को पश्चिम बंगाल में आमंत्रित कर रही हैं.

यह चीन की हाइब्रिड युद्ध की रणनीति है

यह सिर्फ एक श्रृंखला की घटनाएं नहीं हैं बल्कि चीन द्वारा सुनियोजित हाइब्रिड युद्ध की रणनीति है. जब एक भारतीय राज्य का मुख्यमंत्री इन कार्यों का समर्थन करता हुआ दिखाई देता है, तो यह और भी चिंताजनक हो जाता है. मेरे राज्य झारखंड में, इस रणनीति का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है. यहां कई अवैध बांग्लादेशी प्रवासी बस चुके हैं, जिससे राज्य की जनसांख्यिकी बदल रही है और आदिवासी लोग अपने ही क्षेत्र में अल्पसंख्यक बनते जा रहे हैं. मुझे डर है कि यदि यह योजना इसी प्रकार चलती रही, तो अगले दस वर्षों में झारखंड की जनसांख्यिकी पूरी तरह बदल जाएगी. हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार न केवल इस मुद्दे पर मौन है, बल्कि राजनीतिक लाभ के लिए इन अवैध प्रवासियों को बसाने में भी शामिल दिखाई देती है.

अच्छी खबर सहायक पुलिसकर्मियों के साथ छह विधायकों ने की बैठक

आंदोलन हो सकता है खत्म, पांच बिंदुओं पर सहमति

संवाददाता। रांची

मोरहाबादी मैदान में अपनी मांगों को लेकर जमे सहायक पुलिसकर्मियों का आंदोलन बीस दिन बाद सोमवार को खत्म हो सकता है. सहायक पुलिसकर्मियों का बीते दो जुलाई से आंदोलन शुरू हुआ था. सोमवार को सर्किट हाऊस में छह विधायकों ने सहायक पुलिसकर्मियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और उनकी मांगों को सुना. इस दौरान पांच मुख्य बिंदुओ पर सहमति बनने के सहायक पुलिसकर्मियों ने आंदोलन खत्म कर सकते हैं. हालांकि कुछ मांग के पूरा नहीं होने को लेकर सहायक पुलिसकर्मियों के द्वारा इसपर विचार किया जा रहा है. जिन विधायक ने सहायक पुलिसकर्मियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की उसमें मथुरा प्रसाद महतो, नमन विक्सल कोंगाडी, राजेश कश्यप, सुदिव्य कुमार सोनू, विनोद सिंह और सुखराम उरांव शामिल थे.

झारखंड पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था : झारखंड पुलिस में समायोजन की मांग को लेकर मोरहाबादी मैदान में धरना दे रहे सहायक पुलिसकर्मी 19 जुलाई को सीएम आवास का घेराव करने निकले थे. इस दौरान उनपर झारखंड पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था. सहायक पुलिसकर्मियों की बहाली दस हजार रुपये के मानदेय पर राज्य के 12 जिला गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, दुमका व गिरिडीह के लिए हुआ था.

सहायक पुलिसकर्मियों संग बातचीत करते विधायक.

इन पांच मुख्य बिंदुओं पर बनी है सहमति

- मानदेय में 30 फ़ीसदी तक की बढ़ोतरी पर बनी सहमति
- एक साल के सेवा अवधि विस्तार पर बनी सहमति
- होमगार्ड और वन आरक्षी की बहाली में आरक्षण की सुविधा देने पर सहमति बनी
- सिपाही की तरह सहायक सिपाहियों को मिलेगी छुट्टी
- सिपाहू की तरह ही सालाना 4 हजार रुपये भत्ता मिलेगा

क्लासिफाइड

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.6	27.2
जमशेदपुर	33.8	14.4
डालटनगंज	35.2	26.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, मंगलवार 23 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 105 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सरकार ने मोनोपोली बनने दी इसलिए कमड़तोड़ महंगाई

सुरजीत सिंह

देश का बड़ा तबका कमड़तोड़ महंगाई से परेशान है. अमीरों को फर्क नहीं पड़ता, लेकिन मिडिल क्लास व गरीब तबके के लोगों की जिंदगी महंगाई के कारण मुश्किल से कट रहा है. बाजार से कुछ भी खरीदें, उसकी कीमत पिछले दस सालों में दो से तीन गुणी बढ़ गई है. इसकी तुलना में कमाई बिल्कुल ही नहीं बढ़ी. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने भी अपनी हालिया रिपोर्ट में महंगाई को लेकर गहरी चिंता जाहिर की है. इस महंगाई की सबसे बड़ी वजह बाजार के उत्पाद विक्रेताओं में कंपनियो की मोनोपोली है. हमारी सरकार ने कंपनियों की मोनोपोली बनने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया. उल्टे ऐसे-ऐसे काम किये, जिनसे कुछ कंपनियों को मोनोपोली बनाने में मदद ही मिली. उदाहरण के रूप में टेलिकॉम कंपनियों को ले लें. बीएसएनएल-एमटीएनएल जैसी दूसरी प्रतिद्वंदी कंपनियां बाजार में कमजोर पड़ती चली गई. आज की तारीख में इस सेक्टर में दो कंपनियों की हिस्सेदारी 71.9 प्रतिशत है. जबकि 10 साल पहले यह हिस्सेदारी 46.5 प्रतिशत थी. इसे आप हाल ही में हुई मोबाईल टैरिफ में 15-25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के तौर पर देख सकते हैं. ग्राहकों को पास अब कोई विकल्प नहीं है.

हरफिंडा एचआई नामक कंपनी दुनिया भर में कंपनियों की मोनोपोली को लेकर रिपोर्ट तैयार की है. भारत को लेकर तैयार रिपोर्ट के मुताबिक हर तरह के उत्पाद में एक या दो कंपनियों की मोनोपोली है. कई उत्पादों के मामलों में तो बाजार में कंपनियों की हिस्सेदारी 100 प्रतिशत तक है. सीमेंट सेक्टर में 10 साल पहले एक-दो कंपनियों की हिस्सेदारी 53 प्रतिशत थी, वह बढ़ कर 96.6 प्रतिशत तक पहुंच गई है. यही हाल एयरलाइन कंपनियों की है. 10 साल पहले दो कंपनियों की हिस्सेदारी 48.9 प्रतिशत थी, जो अब 55 प्रतिशत हो गई. बाजार में उपलब्ध दूसरी सेवाओं का भी यही हाल है. बच्चों के लिए फुड बनाने वाली कंपनी नेस्ले का बाजार में 100 प्रतिशत कब्जा है. इनके उत्पादों की कीमत में बढ़ोतरी को आप भी महसूस कर सकते हैं. इसी तरह फुटवियर बनाने वाली कंपनी बाटा व रिलैक्सो का बाजार के बड़े हिस्से पर कब्जा है.

एक बार जब किसी एक-दो कंपनी की बाजार में मोनोपोली स्थापित हो जाती है, तो वह मनमाने तरीके से सेवाओं या उत्पाद की कीमतें बढ़ा देती है. हवाई जहाज की टिकटों की ही ले लीजिए. दस साल पहले कई कंपनियां बाजार में थी. गो एयरवेज, स्पाइस, जेट एयरवेज जैसी कंपनियां या तो बंद हो गई या बंद होने वाली है. बाजार में इंडिगो और एयर एशिया, विस्तारा (दोनों टाटा समूह की) और इंडियन एयरलाइंस की मोनोपोली है. कंपनियां जब और जैसे चाहती है, टिकटों की कीमत बढ़ा देती हैं. सॉफ्ट ड्रिंक्स के बाजार पर दो कंपनियों पेप्सी व कोको कोला का कब्जा है.

दुनिया के कई देशों, खास कर अमेरिका में ऐसे कानून बने हुए हैं, जिसके तहत सरकारें मोनोपोली के खिलाफ कार्रवाई करती है. अमेजन, फेसबुक, गुगल, माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों के खिलाफ अदालत में मुकदमा चल रहा है. लेकिन हमारे यहां की सरकारें कार्रवाई करने के बजाय, ऐसे हालात पैदा करने व माहौल बनाने में लग जाती है, जिसका फायदा कंपनियों को मोनोपोली बनाने में मिलता है. और फिर सराकारें कहतीं हैं, महंगाई रोक नहीं पा रहें हैं. जबकि मोनोपोली की स्थिति बेरोजगारी की समस्या को भी बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाती हैं.

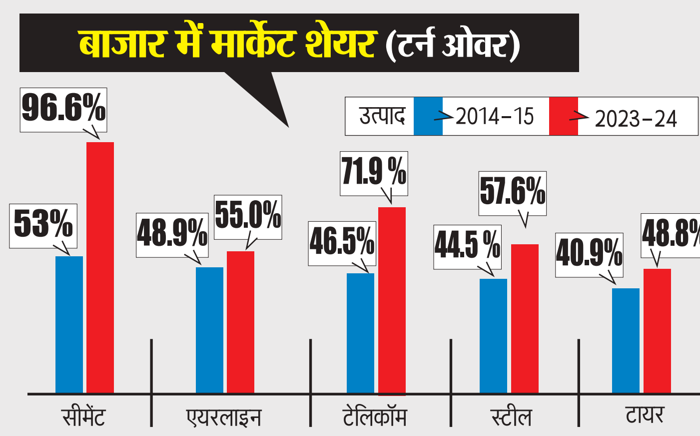

बड़ी कंपनियों का मार्केट शेयर

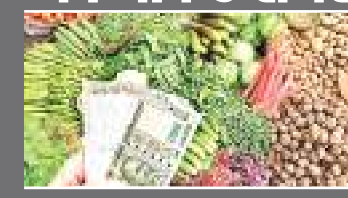

उत्पाद	कंपनी	शेयर
रेल टिकट	आइआरसीटीसी	100%
डिफेंस	एचएएल	100%
इंस्टेंट फूड	नेस्ले	100%
सिगरेट	आईटीसी	77%
कफ सिरप	डिविस	70%
दवाईयां	सिप्ला	95%
मिड सेग्मेंट बाईक	आयशर	95%
ऑयल प्रोडक्ट	मारिको	73%

इन एक-दो कंपनियों की मोनोपोली

सॉफ्ट ड्रिंक	पेप्सी-कोको कोला
टैक्सी	ओला-उबर
स्टॉक एक्सचेंज	एनएसई-बीएसई
पेमेंट नेटवर्क	मास्टर कार्ड-विजा
सिमकार्ड	जिओ-एयरटेल
डिपोजिटर	एनएसडीएल-सीडीएसएल
बैट्री	एक्साईड-अमारिया राजा
फुट वियर	रिलैक्सो-बाटा
रसोई में	प्रेस्टिज व हॉकिन्स
कोयला	सीसील-बीसीसीएल
बंदरगाह	अडानी
चॉकलेट	नेस्ले
घड़ियां	टाटा

वित्त मंत्री ने संसद में रखी आर्थिक समीक्षा 2023-24, जताया अनुमान

जीडीपी 6.5-7% रहेगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय वर्ष 2023-24 का आर्थिक सर्वे सोमवार को सदन में पेश किया. इस आर्थिक सर्वे में सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान देश की वास्तविक जीडीपी या वृद्धि दर 6.5-7% रहने का अनुमान जताया है. आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि पूंजीगत व्यय पर सरकार के जोर और निजी निवेश में निरंतर गति से पूंजी निर्माण वृद्धि को बढ़ावा मिला है. सकल स्थाई पूंजी निर्माण में 2023-24 में वास्तविक रूप से 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई.

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार देश का राजकोषीय घाटा (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में) पिछले वर्ष की तुलना में 2023 में 1.6 प्रतिशत अंक बढ़ा. आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने कहा है कि सेवा क्षेत्र एक प्रमुख रोजगार प्रदाता बना हुआ है वहीं निर्माण क्षेत्र भी हाल ही में प्रमुखता से बढ़ रहा है, जो बुनियादी ढांचे के लिए सरकार की ओर की गई पहल नतीजा है। सर्वे के अनुसार खराब ऋणों की विरासत के कारण पिछले एक दशक में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन कम हुआ पर 2021-22 की तुलना में इसमें सुधार हुआ है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को बहुप्रतीक्षित केंद्रीय बजट 2024-25 के अनावरण से ठीक पहले सोमवार को आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया.

कृषि बनेगा इंजन... जॉब के लिए ये रोडमैप ड्रोन हब बनेगा भारत

आम बजट आज

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को आम बजट पेश करेंगी. यह बजट सत्ता में तीसरी बार आई भाजपा नेतृत्व वाली गठबंधन की सरकार का पहला बजट होगा. कुछ दिन पहले पीएम मोदी ने कहा था, यह गर्व की बात है कि 60 साल बाद कोई सरकार तीसरी बार सत्ता में आई है और तीसरी बार पहला बजट पेश करेगी... मैं देश के लोगों को गारंटी देता रहा हूं और हमारा मिशन इसे जमीन पर उतारना है. यह बजट अमृत काल का महत्वपूर्ण बजट है. बजट हमारे कार्यकाल के अगले 5 साल की दिशा तय करेगा. यह बजट हमारे विकसित भारत'' के सपने का मजबूत आधार भी बनेगा. वित्त मंत्री मंगलवार सुबह 11 बजे लोकसभा में बजट पेश करेंगी. यह वित्त मंत्री सीतारमण का सातवां बजट भाषण होगा.

आर्थिक सर्वेक्षण 10 प्रमुख बातें

1. एग्रीकल्चर सेक्टर पर फोकस : सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के मुताबिक, देश की प्रगति को और रफ्तार देने के लिए कृषि क्षेत्र इंजन का काम करेगा और सर्वे में एग्रीकल्चर सेक्टर पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर जोर दिया गया है. इसके अलावा सरकार के आर्थिक सर्वे का देश में रोजगार के अवसर बढ़ाने पर भी जोर है. इसके साथ ही भारत को ड्रोन हब बनाने पर भी सरकार का फोकस रहेगा.

2. बेरोजगारी घटी अब रोजगार पर जोर : आर्थिक सर्वे में कहा गया है कि नॉन एग्रीकल्चर सेक्टर में साल 2030 तक औसतन सालाना करीब 78.5 लाख रोजगार के अवसर पैदा करने की जरूरत है. हालांकि, इसमें साफ किया गया है कि देश में बेरोजगारी दर में गिरावट आई है और कोविड -19 महामारी के बाद से इसमें गिरावट आ रही है. 15 साल से ज्यादा की उम्र वाले लोगों के लिए शहरी बेरोजगारी दर 6.8% से घटकर मार्च 2024 तक 6.7% पर आ गई है.

3. महिला स्वरोजगार में तेजी : इकोनॉमिक सर्वे में कहा गया है कि महिला सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट में तेजी आई है और सरकार के प्रयासों के चलते भारत की 57.3% वर्कफोर्स सेल्फ-एम्प्लॉयड है और इसमें महिलाओं की भागीदारी उत्साह पैदा करने वाली है, जिसमें महिला सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट में जबर्दस्त बदलाव देखने को मिला है.

4. निजी निवेश की रफ्तार तेज : सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय पर जोर दिए जाने और प्राइवेट इन्वेस्टमेंट में लगातार आ रही तेजी के कारण ग्रास पॉक्स्ड कैपिटल फार्मेशन को बढ़ावा मिला है. इकोनॉमिक सर्वे के मुताबिक, 2023-24 में इसमें 9 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

5. जीडीपी ग्रोथ का ये अनुमान : मोदी 3.0 द्वारा पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण एफवाई25 में भारत की जीडीपी को लेकर जिक्र किया गया. इस रिपोर्ट में देश की फाइनेंशियल हेल्थ का लेखा-जोखा पेश करते हुए कहा है कि देश की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5 से 7 फीसदी तक है.

6. बैंकों की बैलेंस शीट दुरुस्त : इकोनॉमिक सर्वे में कंपनियों और बैंकों की बैलेंस शीट मजबूत होने का दावा किया गया है. इसके साथ ही कहा गया है कि प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को और भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है.

7. विदेशी भारतीयों ने जमकर भेजा पैसा : सर्वे में ये भी जिक्र किया गया है कि जो भारतीय मूल के लोग दुनिया के तमाम देशों में रह रहे हैं, उन्होंने अपने परिजनों को जो पैसा भेजा है, उसका आंकड़ा लगातार बढ़ा है. डेटा के मुताबिक, विदेश में बसे भारतीयों ने 2024 के दौरान देश में 124 अरब डॉलर का रेमिटेंस भेजे हैं. साल 2025 में इसके 129 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है. -शेष पेज 11 पर

हर दो से में एक युवा के पास रोजगार के लिए जरूरी योग्यता नहीं

आर्थिक सर्वे के अनुसार भारत की तेजी से बढ़ती जनसंख्या का 65 प्रतिशत 35 वर्ष से कम उम्र का है, लेकिन उमें से कई लोगों के पास आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है. अनुमान बताते हैं कि लगभग 51.25 प्रतिशत युवा रोजगार के योग्य माने जाते हैं. दूसरे शब्दों में इसका मतलब है कि सीधे कॉलेज से बाहर आने वाले लगभग दो में से एक युवा अब भी आसानी से रोजगार के योग्य नहीं है. हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पिछले दशक में स्किल्ड युवाओं का प्रतिशत लगभग 34 प्रतिशत से बढ़कर 51.3 प्रतिशत हो गया है. कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने बताया कि भारत में शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण की स्थिति पर एनएसएसओ, 2011-12 (68वें दौर) की रिपोर्ट के अनुसार, 15-59 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में लगभग 2.2 प्रतिशत ने औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है. वहीं, 8.6 प्रतिशत ने गैर-औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है.

ग्रिड-सबस्टेशन उद्घाटन के दौरान सीएम ने किया भाजपा पर तीखा प्रहार

हिंदू-मुस्लिम करते रहें, झंडा ढोने वाला भी नहीं मिलेगा : हेमंत सोरेन

कौशल आनंद। रांची/साहिबगंज

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को पूरे तेवर में दिखे. उन्होंने भाजपा पर जोरदार प्रहार किया. मुख्यमंत्री ने साहिबगंज के बरहेट में ग्रिड सबस्टेशन उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमने काम करना शुरू नहीं किया कि फिर से विपक्ष ने हमें परेशान करने और टांग खींचने का काम शुरू कर दिया है. उसे हमें बिना प्रमाण के पांच महीने जेल में डालने के बाद भी शांति नहीं मिली है.

दरअसल भाजपा चाहती है ही नहीं कि हम जनता का काम करें. अभी फिर से शपथ लिए एक महीने भी नहीं बीते कि विपक्ष ने उछल-कूद शुरू कर दिया है. एक फिर से विपक्ष हिंदू मुस्लिम करना शुरू कर दिया है. इसलिए वे हिंदू-मुस्लिम करते रहें. लोकसभा चुनाव में इनके दो-चार दांत झड़े हैं. अगर आगे भी यही करते रहे, तो विधानसभा में भी कोई झंडा ढोने वाला नहीं मिलेगा.

दो दिन में मीटर और अधिक बिल आने की समस्या का कर देंगे समाधान

मुख्यमंत्री ने ग्रिड सबस्टेशन का उद्घाटन करते हुए कहा कि हम बरहेट को रौशन करने आएं हैं. यह शिकायत रहती थी कि शहर में ही बिजली रहती है, गांव में नहीं रहती .वर्षों से जो बिजली की समस्या का दंश आप झेल रहे थे, वह खत्म होने जा रहा है. सिर्फ बिजली ग्रिड का ही उद्घाटन नहीं किया. बल्कि राज्य के गरीब गुरबा, गांव, देहात के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए भी बड़ी सौगात लेकर आए हैं. राज्य सरकार 200 यूनिट बिजली फ्री देगी. कई जगहों से यह शिकायत आती है कि बिजली का मीटर लगाया की नहीं और उनका उसका बिल आ रहा है. इसका भी समाधान हमलोग दो दिन में कर देंगे. 24 तारीख की कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया जाएगा कि इस समस्या से आपको कैसे निदान दिलाया जाए. -शेष पेज 11 पर

बिहार को नहीं मिलेगा विशेष राज्य का दर्जा

नयी दिल्ली/पटना । बिहार के लोगों का सपना टूट गया है. सीएम नीतीश कुमार, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव समेत राज्य के तमाम दलों के नेता बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की डिमांड करते रहे हैं.

सोमवार को संसद के मॉनसून सत्र की कार्यवाही के दौरान वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने स्पष्ट कह दिया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया जा सकता. एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि विशेष श्रेणी का दर्जा राष्ट्रीय विकास परिषद की ओर से दिया जाता है. इस पर कुछ पैमाने हैं, जिस पर बिहार कहीं से भी खरा नहीं उतरता है. एनडीसी डिमांड पर विचार के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि मानदंडों के आधार पर, बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे का मामला नहीं बनता है.

नीट पेपरलीक पर लोकसभा में जोरदार हंगामा

एजेंसी। नयी दिल्ली

सोमवार को बजट सत्र शुरू होते ही नीट पेपरलीक मामले में लोकसभा में विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया. नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने अपने सवालों से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को घेर लिया. राहुल गांधी ने पूरी परीक्षा प्रणाली को फ्रॉड करार दिया, तो अखिलेश यादव ने कहा, ये सरकार कोई सरकार रिकार्ड बनाए या न बनाए, लेकिन पेपर लीक का रिकार्ड बना लिया है. हंगामे के बीच जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले सात साल में पेपरलीक को लेकर कोई सबूत नहीं हैं. यह केस पहले ही सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है. चीफ जस्टिस इस पर सुनवाई कर रहे हैं. इसके बाद सदन में जोरदार हंगामा शुरू हो गया.

परीक्षा प्रणाली में बहुत खामियां हैं: राहुल : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में कथित अनियमितता के विषय को लेकर दावा किया कि देश के करोड़ों छात्रों एवं देशवासियों को इस बात का यकीन हो गया है कि भारतीय परीक्षा प्रणाली एक फ्रॉड (धोखा) है तथा जिसके पास पैसा है, वह इस पूरी प्रणाली को खरीद सकता है. सदन में प्रश्नकाल के दौरान नीट के विषय पर पूरक प्रश्न पूछते हुए राहुल गांधी ने कहा, परीक्षा प्रणाली में बहुत खामियां हैं. मंत्री ने अपने आपको छोड़ कर, सबको जिम्मेदार ठहराया है...मुझे नहीं लगता कि जो चल रहा है, उसकी बुनियादी जानकरी भी उन्हें है. उन्होंने दावा किया कि करोड़ों छात्र आज चिंतित हैं तथा उन्हें इस बात का यकीन हो गया है कि भारतीय परीक्षा प्रणाली एक फ्रॉड है. कांग्रेस नेता ने कहा, करोड़ों लोगों का मानना है कि अगर आपके पास पैसा है, आप अमीर हैं तो आप भारतीय परीक्षा प्रणाली को खरीद सकते हैं. यही भावना विपक्ष की भी है. उन्होंने सवाल किया कि सरकार व्यवस्थागत स्तर पर चीजों को दुरुस्त करने के लिए क्या कर रही है? - शेष पेज 11 पर

राहुल ने परीक्षा प्रणाली को 'फ्रॉड' बताया, शिक्षा मंत्री ने किया पलटवार

आपके रहते बच्चों को न्याय नहीं मिलेगा: अखिलेश यादव

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया कि धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री रहते बच्चों को न्याय नहीं मिलेगा. यह सरकार पेपर लीक का रिकॉर्ड बनाएगी. क्या उन छात्रों की सूची जारी करेंगे, जिनके सबसे ज्यादा नंबर आएं हैं. कुछ परीक्षा केंद्रों पर दो हजार से ज्यादा बच्चे पास हो गए हैं. ये मंत्री जी रहेंगे तो बच्चों को न्याय नहीं मिलेगा.

कांवड़ यात्रा सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, भोजनालयों के मालिकों के नाम लिखने के निर्देश पर अंतरिम रोक, कहा

किसी को नाम बताने की जरूरत नहीं, शाकाहारी या मांसाहारी बताएं

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को कावड़ यात्रा-नेमप्लेट विवाद मामले में सुनवाई हुई. इस दौरान कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के उस फैसले पर पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें कावड़ रूट पर दुकानदारों को अपनी पहचान बताने को कहा गया था. अदालत ने कहा है कि दुकानदारों को अपना नाम या पहचान उजागर करने की जरूरत नहीं है. कोर्ट ने कहा कि दुकानदारों को बस खाने का प्रकार बताना होगा. दुकानदार दुकान पर शाकाहारी या फिर मांसाहारी, किस प्रकार का खाना बेच रहे हैं, बस यह बताना होगा. इस संबंध में कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है. साथ ही अदालत ने ये भी कहा है कि अगर याचिकाकर्ता अन्य राज्यों को भी इसमें शामिल करना चाहते हैं तो उन राज्यों को भी नोटिस जारी किया जाएगा. इस मामले में अगली सुनवाई 26 जुलाई को होगी.

सुनवाई के दौरान क्या-क्या दलीलें दी गई? : एनजीओ एसोसिएशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स ने उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी. सोमवार को जस्टिस हृषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने इस पर सुनवाई की. मामले पर सुनवाई के दौरान एनजीओ की ओर से पेश वकील सीयू सिंह ने कहा कि यूपी सरकार के इस फैसले का कोई वैधानिक अधिकार नहीं है. ऐसा पहले कभी नहीं हुआ. कोई भी कानून पुलिस कमिश्नर को इस तरह की शक्तियां नहीं देता. सड़क किनारे चाय की दुकान या ठेला लगाने वाले दुकानदार की ओर से इस तरह की नेमप्लेट लगाने के आदेश देने से कुछ फायदा नहीं होगा. वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह छद्म आदेश है. सिंघवी ने कहा कि कावड़ यात्रा दशकों से हो रही है. सभी धर्मों के लोग मुस्लिम, ईसाई और बौद्ध कावड़ियों की मदद करते हैं. कावड़ियों को मांसाहार खिलाने को लेकर सख्त कानून पहले से बने हैं.

कांवड़ यात्रा रूट पर दुकानों के नाम लगाने का आदेश हुआ था जारी

कोर्ट ने यूपी, एमपी, उत्तराखंड सरकार से शुक्रवार तक मांगा जवाब

क्यों मुस्लिम रेस्टोरेंट पर जाते थे जज साहब

जस्टिस भट्टी ने कहा, केरल के एक शहर में दो प्रसिद्ध शाकाहारी रेस्टोरेंट हैं. एक हिंदू का और एक मुस्लिम का. मैं व्यक्तिगत रूप से मुस्लिम के रेस्टोरेंट में जाना पसंद करता था, क्योंकि वहां सफाई अधिक नजर आती थी. उधर, सुनवाई के दौरान जस्टिस ऋषिकेश राय ने कहा, क्या कांवड़िया इस बात की भी अपेक्षा कर सकते हैं कि खाना किसी विशेष समुदाय के दुकानदार का हो, अनाज किसी विशेष समुदाय का ही उपजाया हुआ हो? इस पर अभिषेक सिंघवी ने कहा, यही हमारी दलील है. याचिकाकर्ता महुआ मोइत्रा की तरफ से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, दुकानदार और स्टाफ का नाम लिखना जरूरी किया गया है. यह बेहद भेदभाव वाला मामला है. नाम न लिखो तो व्यापार बंद, लिख दो तो बिक्री खत्म. इस पर जस्टिस भट्टी ने कहा, बात को बढ़ा-चढ़ा कर नहीं रखनी चाहिए. आदेश से पहले यात्रियों की सुरक्षा को भी देखा गया होगा. इस पर सिंघवी ने कहा, ये फैसला आर्थिक बहिष्कार की कोशिश है. इससे छुआछूत को भी बढ़ावा दिया जा रहा है. -शेष पेज 11 पर

सावन की पहली सोमवारी पर शिवालयों में जलाभिषेक के लिये सुबह से उमड़ी भक्तों की भीड़

हर हर महादेव और बोल बम की गूंज से शिवमय हुआ वातावरण

शुभम संदेश टीम

सावन की पहली सोमवारी को जमशेदपुर, घाटशिला, बहरागोड़ा, आदित्यपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में हर हर महादेव और बोलबम के नारे से पूरा वातावरण शिवमय हो गया. इस पावन अवसर पर विभिन्न शिवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है. कई स्थानों पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया. सुबह से ही मंदिरों में भीड़ उमड़नी शुरू हो गई. श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान के साथ शिव लिंग पर जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की.

बहरागोड़ा प्रखंड के चित्रेश्वर धाम पौराणिक शिव मंदिर में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी. तीन राज्यों से कांवरिया जलाभिषेक करने के लिए यहां पहुंचे हैं. घाटशिला अनुमंडल के विभिन्न प्रखंडों, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के अनेक कांवरिया बोल बम का नारा लगाते हुए मंदिर पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक किया. मंदिर के मुख्य पुजारी दीपक कुमार सतपति, सहायक पुजारी दीपंकर सतपति,

आदित्यपुर में खरकई नदी से जल भरकर महिलाओं व पुरुषों ने किया भगवान शिव का जलाभिषेक

स्वपन सतपति, जानकी नाथ दुबे ने विधि विधान के अनुसार श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना कराई. मंदिर कमेटी के सचिव खगेंद्र नाथ सतपति, कोषाध्यक्ष शशांक शेखर लेंका, सदस्य शक्ति पद बारिक, कृष्णा रंजन साव, अमरेश रथ, अर्धन्दू पहराज, सत्येन साव, दिलीप भुईयां आदि तत्पर रहे. सुरक्षा के मद्देनजर बरसोल थाना की ओर से चौकीदारों के तैनात किया गया है.

घाटशिला और इसके आसपास के क्षेत्रों में मऊभंडार शिव मंदिर, प्रखंड मुख्यालय शिव मंदिर, गोपालपुर,

बहरागोड़ा के चित्रेश्वर धाम में झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से जल लेकर पहुंचे कांवरिया

राजस्टेट समेत विभिन्न शिवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और कई स्थानों पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया है. श्रद्धालुओं की सबसे ज्यादा भीड़ सिद्धेश्वर-चापड़ी, मऊभंडार शिव मंदिर, काशीडांगा, गोपालपुर शिव मंदिर समेत कई अन्य स्थानों पर देखने को मिली. मऊभंडार शिव मंदिर में अहले सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी. मऊभंडार शिव मंदिर के महासचिव नवल सिंह ने कहा कि प्रत्येक सोमवार को मंदिर परिसर में संध्या साढ़े सात बजे आरती

घाटशिला प्रखंड कार्यालय शिव मंदिर में शिव चर्चा और प्रसाद वितरण हुआ, कांवरियों ने लगाये जयकारे

का आयोजन होगा. आरती के पश्चात प्रसाद का वितरण भी किया जाएगा. प्रखंड कार्यालय शिव मंदिर में शिव चर्चा एवं प्रसाद का वितरण हुआ.

आदित्यपुर में शिव मंदिर पान दुकान से सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने कांवर यात्रा निकाल राधा स्वामी घाट खरकई नदी से जलभरी कर मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक किया. वहीं आदित्यपुर के सबसे प्राचीन मंदिर दिंदली शिव मंदिर में भक्तों ने कतारबद्ध होकर बाबा भोलेनाथ पर जल चढ़ाया और हरहर शंभू के नारे लगाए. बता दें कि यह शिव मंदिर तकरीबन 200 वर्ष पूर्व स्थापित की गई थी. यहां के बूढ़े बुजुर्गों का मानना है कि उस समय बस्ती में अकाल के साथ बीमारी फैली थी, तब उनके पूर्वजों ने बनारस से शिवलिंग लाकर विधिवत स्थापित किया और पूजा अर्चना की थी.

जमशेदपुर में कई क्षेत्र में लोग टोली बनाकर नदी से जल लेकर कांवर यात्रा करते हुए मंदिर पहुंचे और जलाभिषेक किया. श्रद्धालुओं ने बाबा को भांग, धतूरा भी चढ़ाया. टेल्को के भुवनेश्वरी मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालु पहुंचने लगे. वहां जलाभिषेक करने के लिए लोगों की लंबी कतार लगी रही. पूरा मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव के नारे से गूंजता रहा. साकची स्थित मनकामेश्वर मंदिर में भी सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी. सिदगोड़ा सूर्य मंदिर में भी सुबह से श्रद्धालु पहुंचने लगे थे और दूध, जल से अभिषेक करते रहे. यहां मंदिर के बाहर पूजा सामग्री और फूलों की दुकानें भी लगाई गई थी. कदमा रंकिनी मंदिर में भी लोग काफी संख्या में पहुंचे और बाबा भोलेनाथ को दूध, गन्ने के रस से अभिषेक किया.

ब्रीफ खबरें

आजाद समाज पार्टी में कई लोग हुए शामिल

जमशेदपुर | आज़ाद समाज पार्टी (का०) की ओर से सोमवार को गोलमुरी में सदस्यता ग्रहण समारोह आयोजित किया गया. जिसमें दर्जनों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा उपस्थित थे. काशिफ रजा ने मीडिया को बताया कि सांसद एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आज़ाद के कुशल नेतृत्व को देखते हुए आज बड़ी संख्या में लोग आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं.

हाथीबिन्धा में 24 जुलाई को स्वास्थ्य जांच शिविर

जादूगोड़ा | हाथीबिन्धा पंचायत भवन में 24 जुलाई बुधवार को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जमशेदपुर एवं यूसिल नरवापहाड़. प्रबंधन की ओर से संयुक्त रूप से एक दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य समेत नेत्र जांच शिविर आयोजित किया जाएगा. उक्त जानकारी कंपनी प्रतिनिधि गाजिया हासदा ने दी.उन्होंने बताया की इस शिविर में आने वाले मरीजों को साधारण स्वास्थ्य व नेत्र जांच के उपरांत दवा व चश्मा भी दिया जाएगा. मोतियाबिंद के चयनित मरीजों के मुफ्त अपरेशन की तिथि उसी दिन घोषित की जाएगी.

अभाविप ने किया पूजा सामग्री का वितरण

जमशेदपुर | अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) जमशेदपुर महानगर इकाई ने श्रावण मास के प्रथम सोमवारी के अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच पूजा सामग्री का वितरण किया. अभाविप जमशेदपुर महानगर सह मंत्री अभिजीत ठाकुर ने कहा कि विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को विभिन्न मंदिरों में दूध, अगरबत्ती, बेलपत्र सहित अन्य पूजा सामग्रियों का वितरण किया. मौके पर महानगर की कार्यकर्ता रौशनी कुमारी, महानगर संगठन मंत्री रोहित सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे.

सुनील बने मानवाधिकार संघ के कोल्हान अध्यक्ष

जमशेदपुर | बागबेड़ा कॉलोनी के पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता को क्राइम कंट्रोल मानवाधिकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवंश ने कोल्हान प्रमंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया है. इस नियुक्त पत्र की कॉपी जिले के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक एवं सूचना अधिकारी को भी भेज दी गई है. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कोल्हान प्रमंडल के तीनों जिले में 21 पदाधिकारियो की कमिटी बनाकर मुख्य कार्यालय दिल्ली भेजने का निर्देश दिया.

अड्डेबाजी, छेड़खानी रोकने के लिए होगी औचक गश्त

सरायकेला -खरसावां जिले में 128 मार्ग पर 146 स्पॉट चिन्हित

- आदित्यपुर से की गई 'पुलिस प्रहरी' की शुरुआत

संवाददाता | आदित्यपुर

सरायकेला-खरसावां जिले के सभी थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिए जिले के एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने नई पहल की शुरुआत की है. एसपी ने पुलिस प्रहरी की शुरुआत सोमवार को आदित्यपुर से की गई है. एसपी मुकेश लुणायत एवं अन्य पुलिस पदाधिकारियों ने पैदल गश्त करते हुए क्राइम चेकिंग की.

एसपी ने बताया कि आदित्यपुर थाना क्षेत्र में औचक क्राइम चेकिंग के उद्देश्य से पैदल मार्च किया गया. इस पहल में पुलिस मुख्य रूप से अड्डेबाजी, स्कूल-कॉलेज के पास छेड़खानी, अतिक्रमण समेत, अपराध नियंत्रण से जुड़े विषयों पर फोकस करेगी.

इसमें एसपी द्वारा किसी भी थाना क्षेत्र के प्रभारी को औचक निर्देश जारी किया जाएगा कि वे अपने इलाके में गश्त शुरू करें. एसपी के निर्देश पर किसी भी थाना क्षेत्र में औचक जांच शुरू की जाएगी. इसे लेकर एसपी ने जिला पुलिस की एक व्हाट्सएप ग्रुप भी तैयार किया है. इसमें एसपी से लेकर इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, आरक्षी समेत टाइगर मोबाइल के जवान भी शामिल होंगे.

जिला पुलिस द्वारा व्हाट्सएप नंबर भी जारी किया जाएगा, जिस पर लोग अपराध संबंधी सूचना पुलिस को देंगे.

पैदल गश्त लगाकर अभियान की शुरुआत करते एसपी मुकेश लुणायत

सड़कों पर वाहन पार्किंग व दुकान लगाने पर जुर्माना व एफआईआर करें : डीसी

आदित्यपुर | सरायकेला-खरसांवा के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण तथा सड़क सुरक्षा यातायात नियमों के पालन के लिये लोगों को विभिन्न माध्यम से जागरूक करने के निर्देश दिए हैं. उपायुक्त सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे. डीसी ने कहा कि सड़कों पर दुकान लगाने वालों और अवैध रूप से वाहन पार्किंग करने वालों पर फाइन के साथ एफआईआर करते हुए अन्य कार्रवाई करें. जिला परिवहन पदाधिकारी शंकर आचार्य सामद ने बताया कि जून में विभिन्न स्थलों पर कुल 10 दुर्घटना हुई जिसमे 10 लोगों की मृत्यु तथा 08 लोग घायल हुए. जांच अभियान में 18 लाख 87 हजार छह सौ रुपये जुर्माना वसूल किया गया. जिले में पांच ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए है जिनमें दुगनी, टोल रोड मोड, घोड़ा बाबा मंदिर आदित्यपुर, आकाशवाणी चौक आदित्यपुर एवं बड़ा आमदा खरसावां शामिल है.

उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी. जिले को पांच क्लस्टर में बांटा गया है. एसपी मुकेश लुणायत ने आदित्यपुर में प्रहरी की पहल करते हुए बताया कि पूरे सरायकेला -खरसावां जिले में अड्डेबाजी, छेड़खानी जैसे अपराध रोकने के लिए 128 मार्ग पर 146 स्पॉट को चिन्हित किया गया है. वहां इस अभियान का फोकस रहेगा. अभियान के शुरुआती मौके पर एसपी के अलावा एसडीपीओ संतोष मिश्रा, आदित्यपुर, गम्हरिया, आरआईटी थाना प्रभारी, महिला पदाधिकारी समेत पुलिस बल शामिल थे.

सुरक्षाकर्मियों पर हमला कर दो शराब दुकान में चोरी

- पांच नकाबपोश अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम
- चोरी गई शराब के आकलन में जुटा आबकारी विभाग

संवाददाता | आदित्यपुर

आदित्यपुर थाना क्षेत्र के गम्हरिया में रविवार की रात दो सरकारी शराब की दुकानों में पांच नकाबपोश अपराधियों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया. चोरों ने गम्हरिया लाल बिल्डिंग चौक और सतबहिनी मोड़ के समीप स्थित शराब की दुकानों के शटर का ताला तोड़कर बड़ी संख्या में शराब की बोतलें चुरा लीं. चोरी करने आये नकाबपोश युवकों ने सुरक्षाकर्मियों पर भी हमला कर दिया. सुरक्षाकर्मियों ने बताया कि जब उन्होंने अपराधियों को रोकने का प्रयास किया तो उनके द्वारा जानलेवा हमला करने की

कोशिश की गई. उसके बाद किसी तरह से भागकर अपनी जान बचाई. सोमवार की सुबह इसकी सूचना मिलते ही आबकारी विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है. आबकारी विभाग द्वारा चोरी की गई शराब का आकलन किया जा रहा है. बता दें कि इससे पूर्व भी चोरों द्वारा कांड्रा क्षेत्र में शराब की दुकान का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया जा चुका है. आबकारी विभाग इस घटना पर अभी कुछ कहने से इनकार किया है.

आंध्र प्रदेश के प्लांट में क्रेन की चपेट में आने से घाटशिला के पिठाती गांव के युवक की मौत

घाटशिला | बांकी पंचायत अंतर्गत पिठाती गांव निवासी बिक्रम हांसदा (24) की आंध्र प्रदेश के तिरुपति में मौत हो गई है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि 19 जुलाई को एक प्लांट मे काम करने के दौरान क्रेन की चपेट मे आने से उनकी मौत हुई. शव रविवार देर रात पिठाती गांव पहुंचा. शव पहुंचते ही परिवार में चीख पुकार मच गई. बिक्रम परिवार का एकलौता पुत्र था. पिता सुगदा हांसदा और मां उर्मिला हांसदा पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है. सोमवार को गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया. जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू व मुखिया फागु सोरेन पिठाती गांव पहुंचे तथा परिजनों व ग्रामीणों से मामले की जानकारी ली. जिला परिषद सदस्य ने कहा कि घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है. पिछले पांच साल मे इस प्रकार के मामलो में बढ़ोतरी हुई है. स्थानीय स्तर पर रोजगार की समुचित व्यवस्था नहीं है. नौजवान दूसरे प्रदेश में जा रहे हैं और मृत होकर वापस लौट रहे हैं. श्रीमती मुर्मू ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है. इस मौके पर उप मुखिया बिशू टुडू, ग्राम प्रधान बिक्रम टुडू समेत अनेक लोग उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

आदित्यपुर से युवकों की टीम बैद्यनाथ धाम रवाना

आदित्यपुर | बैद्यनाथ धाम के लिए आदित्यपुर और गम्हरिया के युवकों की टीम पहली सोमवारी को आदित्यपुर से रवाना हुई. सभी कावंरिया मंगलवार को सुल्तानगंज से जल भरकर कांवर उठाएंगे और पैदल यात्रा कर बैद्यनाथ धाम में बाबा भोले नाथ पर जल अर्पण करेंगे. देवघर के लिए गम्हरिया से पांच और आदित्यपुर से पांच कावंरिया रवाना हुए हैं. इस ग्रुप के अभिभावक राजेंद्र प्रसाद उर्फ टनटन बम ने बताया कि इस जत्थे में कुछ कावंरिया कई सालों से लगातार जा रहे हैं. वहीं कुछ कावंरिया बम पहली बार जा रहे हैं. बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक करने के बाद सभी भक्त बाबा बासुकीनाथ भी जायेंगे. टीमें राजेंद्र प्रसाद, सुनील सिंह, अभय मिश्रा, जयकांत चौबे, अक्षय मिश्रा, गोलू उपाध्याय, जीतू, सुरेंद्र, मोहित कुमार, शुभम आदि शामिल हैं.

बन्ना गुप्ता ने पत्नी के साथ की शिव की पूजा

जमशेदपुर | स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता ने अपनी पत्नी सुधा गुप्ता के साथ सावन की प्रथम सोमवारी के पर भगवान शिव को जल अर्पित किया और राज्यवासियों के लिए खुशहाली और समृद्धि की कामना की. स्वास्थ्य मंत्री पत्नी के साथ पहली सोमवारी के दिन कदमा के रंकिणी मंदिर में भोलेनाथ की पूजा-अर्चना करने के लिए पहुंचे थे. इस दौरान मंदिर में मौजूद पुरोहित ने पूरे विधि-विधान से स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और उनकी पत्नी को पूजा कराई. मंत्री बन्ना गुप्ता ने शिवलिंग पर दूध और जल अर्पित किया.अवसर पर मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि सावन का महीना पवित्र होता है. भगवान शिव हर संकट को हर लेते हैं. सावन के महीने में भोलेनाथ के नाम का जाप करने से कष्टों से मुक्ति मिलती है. भोले शंकर की पूजा करने से हर कार्य में सफलता मिलती है.

एनआईटी में एक्यूप्रेशर सेंटर का शुभारंभ

आदित्यपुर | एनआईटी जमशेदपुर के मेडिकल सेंटर में सोमवार को पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणाली एक्यूप्रेशर सेंटर का शुभारंभ हुआ. एनआईटी के निदेशक गौतम सूत्रधर ने इसका विधिवत उद्घाटन किया. यहां एक्यूप्रेशर के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ डीके सिंह अपनी सेवा देंगे. उद्घाटन के उपरांत निदेशक गौतम सूत्रधर ने कहा कि अब उनका एनआईटी परिवार स्वस्थ और तंदुरुस्त रहने के लिए यहां निःशुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा का लाभ ले सकेंगे. एक्यूपेशर एक ऐसी तकनीक है जो उंगलियों, हथेलियों, कोहनी या उपकरणों का उपयोग करके विशिष्ट एक्यूपोंट्स पर दबाव लागू करती है. डॉ सिंह ने बताया कि वे इससे पूर्व टाटा स्टील और टीसीएस से भी जुड़े हैं और वहां के लोगों को इस पारंपरिक चिकित्सा का लाभ पहुंचा रहे हैं. इस मौके पर एनआईटी के रजिस्ट्रार डॉ एनके राय, शैलेंद्र कुमार मौजूद थे.

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी को रमेश ने सौंपा ज्ञापन

आदित्यपुर | नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी को आज सोमवार सुबह सर्किट हाउस में आदित्यपुर के बस्तियों के सर्वे सेटलमेंट कराने को लेकर भाजपा नेता रमेश हांसदा ने ज्ञापन सौंपा है. भाजपा नेता रमेश हांसदा ने आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के 51 बस्तियों की बंदोबस्ती करने, जमीन का सर्वे सेटलमेंट कराने एवं अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है. जिसमें मुख्य रूप से वर्षों से सरकारी जमीन पर बसी बस्तियों को बंदोबस्त करने, आदित्यपुर नोटिफाइड एरिया में हुए 1983 सर्वे को मान्यता देने, अविलंब सर्वे सेटलमेंटकरने, सरायकेला-खरसावां जिला में 50 प्रतिशत से ज्यादा जमीन ऑन लाइन पंजी 2 में नहीं चढ़ा है इसको अविलंब चढ़ाने आदि मांगें शामिल हैं.

परेशानी जंगली हाथियों ने बहरागोड़ा के तीन इलाकों में डाला डेरा, ग्रामीण कर रहे रतजगा

पूर्णपानी में जंगली हाथी ने तीन घरों को तोड़ा, धान व चावल खा गए

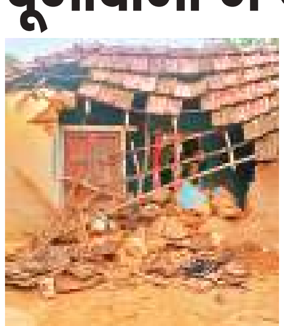

हिमांगशु करन | बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के रविवार की रात दो जंगली हाथी ने छोटा रूपचांद हेम्ब्रम तथा रूपचंद हेम्ब्रम के घर को तोड़ दिया. दोनों हाथी ने घर में रखे अनाज धान और चावल को भी खा लिया. हाथियों के हमले से परिवार के सदस्य घटनास्थल से भाग कर किसी तरह अपनी जान बचाए. उधर ग्रामीणों ने रात को बड़ी मुश्किल से दोनों हाथियों को गांव से बाहर खदेड़ा. इसके पश्चात जंगली हाथी उसी पंचायत के दूसरे गांव सिमलाबांधी पहुंच कर गांव के महेंद्र हेम्ब्रम के घर को तोड़ दिया. फिर सिमलाबांधी के ग्रामीणों ने पुनः हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ दिया.

पंचायत के मुखिया पानसोरी हांसदा घटनास्थल पर पहुंच कर तोड़े गए घरों का जायजा लिया. उन्होंने इसकी सूचना वन विभाग को दी. वन विभाग की टीम दोनों गांव पहुंची और घरों की क्षतिपूर्ति का आकलन करने में जुटी हुई है.

हाथियों का यह उत्पात विगत कई दिनों से जारी है. शनिवार रात को भी मानुषमुड़िया विद्यालय तथा निगमानंद आश्रम की दीवार को दो जंगली हाथियों ने तोड़ दिया और आश्रम में लगे कटहल को खाया था. वहीं शुक्रवार को सांड्रा पंचायत अंतर्गत भादुआ गांव के पास खेत में एक जंगली हथिनी की मौत हो गई थी. गुरुवार की रात्रि में 10 से 12 हाथियों की झुंड विचरण करते हुए पश्चिम बंगाल की ओर से झारखंड में प्रवेश किया था. जिसमें एक हथिनी की मृत शरीर भादुआ गांव के बगल अवस्थित खेत में पाया गया था.

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में विगत कई दिनों से जंगली हाथियों के उपद्रव से लोग त्रस्त हैं. मानुषमुड़िया पंचायत अंतर्गत मानुषमुड़िया बाजार के समीप जंगल में दो हाथी, भूतिया पंचायत अंतर्गत मंगरोसोल में तीन हाथी तथा पूर्णपानी पंचायत अंतर्गत चंदुआ जंगल में तीन हाथी डेरा डाले हुए हैं. हाथी अलग-अलग झुंड में विभक्त होकर दिन के समय जंगल में शरण लिए रहते हैं और रात होते ही खेतों में अनाज नहीं रहने के कारण जंगल से सटे गांव में भोजन की तलाश में हमला कर देते हैं.

ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की ओर से पटाखा तथा क्विक रिस्पांस टीम उपलब्ध तो है लेकिन रात में हाथियों को भगाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है.

ब्रीफ खबर

सुंदनरनगर शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

जमशेदपुर I श्रावण मास की पहली सोमवारी पर सुन्दरनगर स्थित शिव-शक्ति मंदिर में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही. दिनभर लोग मंदिर में पूजा अर्चना के लिए आते रहे. श्रावण माह को देखते हुए मंदिर में आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है. मंदिर कमिटी के अध्यक्ष भीमसेन शर्मा, सचिव अशोक वर्मा एवं कोषाध्यक्ष विवेक त्रिवेदी ने बताया कि 1964 में मंदिर की स्थापना की गई थी.

जीवन ज्योति में नि:शुल्क स्वास्थ जांच शिविर लगा

कांड्रा। छोटा गम्हरिया के समीप निर्मल पथ पर जीवन ज्योति डायगोनेस्टिक सेंटर एवं जीवन ज्योति मेडिकल में नि:शुल्क स्वास्थ जांच शिविर लगाया गया. जिसमें 250 व्यक्तियों की थायराइड, बीएमडी, सीबीसी, यूरिक एसिड, स्पाइरोमेटरी, डायबिटीज, लिपिड प्रोफाइल, बीपी, वजन की जांच सहित अन्य कई प्रकार की स्वास्थ्य जांच डॉक्टर रंजीत कुमार के देखरेख में संपन्न हुई.

एनसीसी रिफ्रेशर प्रशिक्षण पूरा करने पर दी बधाई

घाटशिला I संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर के एनसीसी अधिकारी डॉ प्रसेनजीत कर्मकार एनसीसी रिफ्रेशर ट्रेनिंग कर सोमवार को घाटशिला लौटे. प्रशिक्षण 1 जुलाई से 20 जुलाई तक एनसीसी अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी नागपुर में आयोजित की गई थी. प्रशिक्षण पूरा कर लौटने पर डॉ कर्मकार को विद्यालय प्रशासिका शोभा गनेरीवाल व प्राचार्य नीलकमल सिन्हा ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी.

स्वर्गछिड़ा पहाड़पुर सड़क मरम्मत का शिलान्यास

गुड़ाबांदा I गुड़ाबांदा प्रखंड के स्वर्गछिड़ा-गौरांगपुर और पहाड़पुर तक सड़क चौड़ीकरण एवं मरम्मत कार्य मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत किया जायेगा. 2.6 किलोमीटर सड़क मरम्मत 2.25 करोड़ की लागत से की जायेगी. सोमवार को विधायक समीर कुमार मोहंती और सांसद प्रतिनिधि बब्रुवाहन घोष ने सड़क मरम्मत कार्य का शिलान्यास किया.

धरमबहाल की समस्या का समाधान होगा : गीता मुर्मू

घाटशिला I प्रखंड के लालडीह धरमबहाल में नाली एवं सड़क की समस्या को लेकर ग्रामीण काफी परेशान हैं. ग्रामीणों ने भाजपा नेत्री गीता मुर्मू से कहा कि नाली नहीं बनने से बरसात के दिनों में बारिश का पानी घर में घुस जाता है. गीता मुर्मू ने आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का समाधान जल्द ही हो जाएगा. इसके लिए संबंधित विभाग से बात कर समाधान करने का प्रयास किया जाएगा.

बहरागोड़ा में विद्यार्थियों ने मनाई गुरु पूर्णिमा

बहरागोड़ा I सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परिसर में सोमवार को विद्यार्थियों ने हर्षोल्लास के साथ गुरु पूर्णिमा का उत्सव मनाया. इस अवसर पर विद्यालय में वंदना हुई. तत्पश्चात महर्षि वेदव्यास जी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पार्चन कर पूजा की गयी. इस दौरान हाल ही में सड़क दुर्घटना में दिवंगत शिक्षक स्व. श्यामापद महंती को श्रद्धांजलि दी गई. प्रधानाचार्य अशोक कुमार नायेक, शिक्षक राखहरि कुंडू एवं दर्प नारायण बेरा ने गुरु पूर्णिमा एवं श्यामापद महंती की जीवनी पर प्रकाश डाला.

आदित्यपुर दुर्गा पूजा पंडाल का भूमिपूजन आज

आदित्यपुर I सिंहभूम ब्वॉयज क्रिकेट क्लब एस टाइप दुर्गा पूजा पंडाल का भूमिपूजन मंगलवार को सुबह 11 बजे विधि विधान से होगा. बता दें कि सिंहभूम ब्वॉयज क्रिकेट क्लब द्वारा एस टाइप मैदान में हर वर्ष भव्य और आकर्षक दुर्गा पूजा की जाती है. इसे देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचते हैं. उक्त जानकारी कमेटी के पदाधिकारी दिनेश कुमार उर्फ बबलू सिंह ने दी है.

नौ सूत्री मांगों को लेकर समाहरणालय संवर्ग के कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

धरना दिया, जिला से लेकर प्रखंड कार्यालय तक कामकाज प्रभावित

वरीय संवाददाता I जमशेदपुर

झारखंड राज्य अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के बैनर तले पूर्वी सिंहभूम जिले के समाहरणालय संवर्ग के कर्मचारी सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए. कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से जिला मुख्यालय सहित प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों में काम-काज प्रभावित हुआ. कर्मचारियों ने कहा कि पहले दिन हड़ताल पूरी तरह से सफल रही. आने वाले दिनों में अगर मांगे नहीं मानी गई तो, हड़ताल लंबी खींच सकती है.

संघ की पूर्वी सिंहभूम जिला इकाई के अध्यक्ष बीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि अनुसचिवीय कर्मचारियों की नौ सूत्री मांगों से सरकार को 2022 में ही अवगत करा दिया गया है. साथ ही इसको लेकर कई बार पत्राचार, स्मारपत्र दिया गया. जिसके बाद सरकार ने मांगों को लेकर एक हाई पावर कमिटी बनायी. उक्त कमिटी ने मांगों पर विचार करने के बाद अपनी अनुशंसा सरकार से की. लेकिन सरकार ने मांगों पर विचार करने की बजाय कर्मचारियों के ग्रेड-पे में कटौती कर दी. समाहरणालय संवर्ग के कर्मचारियों को पहले 2400 ग्रेड पे निर्धारित था. जिसे घटाकर 1900 कर दिया.

उन्होंने कहा कि सरकार अगर ग्रेड-पे नहीं बढ़ाती तो कम से कम उसे कम नहीं करना चाहिए था. लेकिन घटाकर कर्मचारियों का मनोबल तोड़ने का काम किया गया. जिसके कारण कर्मचारी आंदोलन की राह पर जाने को विवश हुए. उन्होंने कहा कि ग्रेड-पे के साथ-साथ कर्मचारियों की पद्दोन्नति का मामला वर्षों से लटका है. सरकार परीक्षा के आधार पर पद्दोन्नति देना चाहती है. जबकि 20 वर्षों से अधिक समय तक काम कर चुके कर्मचारी अनुभव के आधार पर पद्दोन्नति की मांग कर रहे हैं. इसे पुनः बहाल करने की मांग है. इसी तरह 20 वर्षों से अधिक समय से चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों का प्रमोशन लंबित है. जबकि बिहार समेत अन्य राज्य प्रमोशन दे चुके हैं. उन्होंने कहा कि अब राज्य इकाई ने मांगे नहीं माने जाने तक आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है. दूसरी ओर समाहरणालय संवर्ग के कर्मचारियों ने सोमवार को उपायुक्त कार्यालय परिसर में धरना दिया. इस दौरान कर्मचारी नेताओं ने सहयोगियों से तब तक हड़ताल पर डटे रहने का आह्वान किया. जब तक सरकार मांगे नहीं मान लेती.

हड़ताल को सरकार ने असंवैधानिक बताया

अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) के कर्मचारियों की हड़ताल को सरकार ने असंवैधानिक बताया. सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय का हवाला देते हुए सरकार के अपर सचिव ओमप्रकाश साह ने संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं महासचिव को पत्र लिखकर कहा है कि राज्यकर्मियों पर झारखंड सरकारी लोक सेवक आचार नियमावली लागू है. जिसके कारण कर्मचारी हड़ताल, धरना-प्रदर्शन वगैरह गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकते हैं. वहीं कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 2003 के अपने एक निर्णय में सरकारी कर्मियों के हड़ताल को असंवैधानिक बताते हुए उनकी सेवा समाप्ति, वेतन में कटौती किए जाने का पर्याप्त आधार बताया.

हड़ताल से निर्वाचन कार्य होगा प्रभावित

कर्मचारियों की हड़ताल से विधानसभा चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहा विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्य प्रभावित होगा. पुनरीक्षण कार्य 20 अगस्त तक चलना है .वहीं 26 जून से झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र भी प्रारंभ होने वाला है. हड़ताल के कारण सत्र के दौरान होने वाले कार्य प्रभावित होंगे.

गायक से मांगी 10 लाख की रंगदारी, पांच गिरफ्तार

तिरुलडीह थाना में 19 जुलाई को दर्ज हुआ था मामला

- रंगदारी नहीं देने पर हत्या की दी थी धमकी

संवाददाता I चांडिल

गिरफ्तार अभियुक्तों को ले जाती पुलिस.

गायक कुंदन कुमार गोप.

सरायकेला-खरसावां जिले के तिरुलडीह थाना की पुलिस ने रंगदारी मांगने के एक मामले का उद्भेदन करते हुए पांच अभियुक्तों को तिरुलडीह थाना क्षेत्र के बड़ालापांग मिडिल स्कूल के पास से गिरफ्तार किया है. उनके पास से एक देसी कट्टा, दो गोली, दो मोटरसाइकिल और पांच मोबाइल और मोबाइल का सिम भी जब्त किया है. बताया जा रहा है कि पांचों लूट की घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे. गिरफ्तार अभियुक्तों में बादल घोष, बानेश्वर नामता, राजेश नामता, सुनील कुमार महतो और मुगुल पुरान शामिल हैं. यह जानकारी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने प्रेस वार्ता में दी.

जानकारी के अनुसार पुरुलिया बांग्ला गाना के गायक कुंदन कुमार गोप से दो अलग-अलग मोबाइल नंबर से 10 लाख रुपये रंगदारी मांगी गई थी. कुंदन को बादल घोष ने फोन कर रुपये मांगा था. रंगदारी नहीं देने पर जान से मार देने की भी धमकी दी गई थी. नंबर को ब्लॉक करने के बाद आरोपियों ने कुंदन के एक निकटवर्ती मित्र को फोन कर कुंदन को समझाने की बात कही थी. ऐसा नहीं करने पर दोनों को मार देने की धमकी दी गई थी. इस संबंध में गायक कुंदन कुमार ने 18 जुलाई को लिखित जानकारी देते हुए मामला दर्ज कर कार्रवाई करने का आग्रह किया था. तिरुलडीह थाना में 19 जुलाई 2024 को रंगदारी मांगने का मामला दर्ज किया गया था. गायक कुंदन कुमार को अभियुक्त बादल घोष ने धमकी देकर रंगदारी की मांग की थी. बादल घोष पश्चिम बंगाल के बाघमुंडी थाना अंतर्गत पाटा हेसल गांव का रहने वाला बताया जा रहा है.

बादल, बानेश्वर व राजेश पर दर्ज है मामला

गिरफ्तार बादल घोष पर दो, बानेश्वर नामता और राजेश नामता पर पूर्व से एक-एक मामला दर्ज है. तिरुलडीह थाना प्रभारी आलम चांद महतो ने बताया कि बादल घोष के खलाफ पश्चिम बंगाल के बाघमुंडी थाना में आर्म्स एक्ट के अलावा तिरुलडीह थाना में एक मामला दर्ज है. वहीं चांडिल थाना क्षेत्र के घोड़ानेगी निवासी राजेश नामता पर सिदगोड़ा थाना में और घोड़ानेगी के बानेश्वर नामता के खिलाफ चांडिल थाना में एक मामला दर्ज है. अभियुक्तों ने बताया कि वे रात 10 बजे के बाद तिरूलडीह-नीमडीह मार्ग में लूट व डकैती करने वाले थे. छापामारी दल में थाना प्रभारी आलम चांद महतो, पुलिस बल के वीरेंद्र नाथ महतो, प्रशांत दत्त व करधनी सिंह के अलावा चालक रविंद्र सिंह शामिल थे.

शिव मंदिर में खेल रहा 8 साल का बच्चा करंट की चपेट में आया, मौत

आदित्यपुर I पान दुकान स्थित शिव मंदिर प्रांगण में सोमवार की देर शाम खेलने के दौरान 8 वर्षीय बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई है. मृत बच्चे की पहचान प्रसन्नजीत सरकार पिता विश्वजीत सरकार के रूप में हुई है. घटना सोमवार देर शाम करीब 6 बजे के आसपास की बताई जा रही है. परिजनों ने बताया कि घटना के करीब एक घंटे बाद जब उन्हें सूचना मिली तो आनन- फ़ानन में उसे टाटा मुख्य अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. मृतक छात्र रामकृष्ण मिशन स्कूल बिष्टुपुर दूसरी कक्षा का छात्र था. परिजनों ने इसपर घोर नाराजगी जताई है कि मंदिर में उनके बच्चे की जान चली गई और किसी ने मदद नहीं की.

साकची में टाइटन आई से खाली कराया ग्राउंड प्लोर व बेसमेंट

वरीय संवाददाता I जमशेदपुर

जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति ने सोमवार को साकची एसएनपी एरिया स्थित होल्डिंग नंबर 104 एवं 11 व 12 में जेसीबी चलाकर बेसमेंट एवं ग्राउंड फ्लोर खाली कराया. होल्डिंग नंबर 104 में टाइटन आई नामक दुकान चल रही है. जबकि होल्डिंग नंबर 11 व 12 में मीठि मिर्ची नामक रेस्टोरेंट एवं रिलायंस फ्रेस चल रहा है. अभियान चलाने के लिए एसडीओ ने मनीष खलको को बतौर दंडाधिकारी प्रतिनियुक्त किया गया था. इस दौरान सिटी मैनेजर जॉय गुड़िया तथा अक्षेस के अभियंता एमएल प्रधान समेत पुलिसकर्मी मौजूद रहे. दोनों प्रतिष्ठानों को कई बार नोटिस देकर ग्राउंड प्लोर एवं बेसमेंट खाली कराने के लिए कहा गया. लेकिन उनके द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई. इसी बीच हाई कोर्ट के निर्देश पर ग्राउंड फ्लोर एवं बेसमेंट खाली कराना का शपथ पत्र जमशेदपुर अक्षेस ने कोर्ट को दिया तथा अमल में लाने की बात कही. इसी के तहत यह कार्रवाई की गई.

अक्षेस के अभियंता एमएल प्रधान ने बताया कि टाइटन आई वाले भवन का ग्राउंड फ्लोर पूरी तरह खाली नहीं हो पाया है. जिसके कारण 23 जुलाई को भी वहां अभियान चलाकर अतिक्रमण को हटाया जाएगा. इससे पहले जेसीबी लेकर पहुंची अक्षेस की टीम को देखकर वहां अफरा-तफरी जैसा माहौल हो गया. आनन-फानन में ग्राउंड फ्लोर में रखे सामान को हटाया जाने लगा.

परिजनों को वार्डन ने बीमार बेटी से मिलने नहीं दिया

संवाददाता I डुमरिया

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय मुसाबनी कक्षा 11वीं की छात्रा साकरो मार्डी की तबीयत खराब हो गई थी. उसके अभिभावक धोबनी पंचायत के कागदोहा निवासी शंकर मार्डी सोमवार को पत्नी के संग बच्ची को देखने पहुंचे थे. सुबह 11:00 से गेट पर बैठे रहे, लेकिन उन्हें बच्ची से नहीं मिलने दिया गया. अभिभावकों ने पंचायत के मुखिया रामचंद्र मुर्मू को स्थिति से अवगत कराया. मुखिया ने वार्डन से संपर्क करने का प्रयास किया, परंतु वार्डन ने फोन नहीं उठाया. इसके बाद मुसाबनी प्रखंड के प्रमुख रामदेव हेम्ब्रम धोबनी के मुखिया एवं तेरंगा की मुखिया दुलारी सोरेन के साथ विद्यालय पहुंचे. वहां गेट से सुरक्षाकर्मी ने वार्डन को फोन किया, लेकिन उन्होंने कॉल नहीं उठाया. प्रमुख ने भी संपर्क का प्रयास किया, वार्डन द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया. सुरक्षाकर्मी ने जाकर वार्डन को जनप्रतिनिधियों के साथ अभिभावक के आने की सूचना दी. इसके बावजूद वार्डन ने ऑफिस टाइम में मिलने की बात कही. रामदेव हेम्ब्रम ने कहा कि इस प्रकार के रवैया वाले वार्डन की हमें जरूरत नहीं है. वह डीसी से शिकायत करेंगे. इस प्रकार से जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा करने वाले वार्डन को हटाने का मांग करेंगे. इस मामले में पूछे जाने पर में वार्डन संगीता पांडे ने बिना कुछ बताये फोन काट दिया.

टोंटो जंगल से एक आइईडी बरामद

किरीबुरू I नक्सलियों के खिलाफ अभियान के दौरान चाईबासा पुलिस व सीआरपीएफ जवानों ने 22 जुलाई को टोन्टो थानान्तर्गत वनग्राम पुरती टोला और चिडियाबेड़ा के बीच पहाड़ी क्षेत्र से एक आइईडी बरामद किया. यह आइईडी सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये थे. बम निरोधक दस्ता के सहायता से आइईडी को नष्ट किया गया.

हजारों आम व खास ने ग्रहण किया सरयू राय की रामार्चा पूजा का प्रसाद

वरीय संवाददाता I जमशेदपुर

महाप्रसाद ग्रहण करने पहुंचे पूर्व केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा.

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय के बारीडीह स्थित कार्यालय में श्रावण मास के प्रथम सोमवार को भगवान शिव के रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया. रुद्राभिषेक संपन्न होने के बाद दोपहर एक बजे से रामार्चा मैदान में हजारों लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया. महाप्रसाद ग्रहण करने के लिए लोग देर रात तक आते रहे.

रुद्राभिषक संपन्न होने के बाद कल संपन्न रामार्चा पूजा का महाप्रसाद रामार्चा मैदान में वितरित किया गया. प्रसाद ग्रहण करने वालों में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पूर्व संचालक सिद्धिनाथ सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय महासचिव राजीव रंजन सिंह, पूर्व कोल्हान आयुक्त विजय कुमार सिंह, खादी बोर्ड के मनोज कुमार सिंह, जिला परिषद की सदस्य कविता परमार, जेएनएसी के डिप्टी टाउन कमिश्नर कृष्ण कुमार, पथ निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता दीपक सहाय, उद्योगपति राज कुमार अग्रवाल, टाटा मोटर्स के टाउन एडमिनिस्ट्रेटर रजत सिंह, बी एन सिंह, जुस्को के प्रबंधक निदेशक ऋतुराज सिन्हा, कारपोरेट सर्विसेज के चीफ प्राण्य सिन्हा, टाटा स्टील के बीपीसीएस चाणक्य चौधरी, भाजपा नेता शैलेंद्र सिंह, साहिबगंज के भाजपा नेता अमित कुमार सिंह, पूर्व भाजपा नेता और समाजसेवी अमरप्रीत सिंह काले, जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी, नेपाली समाज के विजय दमाई, वरिष्ठ नागरिक सेवा संघ के शिवपूजन सिंह, कई मंदिरों के पुजारी, पटेल समाज के प्रतिष्ठित लोग आदि प्रमुख थे.

कोल्हान के शिवालय झारखंड और ओडिशा की सीमा पर मुर्गा बेड़ा गांव स्थित मुर्गा महादेव मंदिर

प्राकृतिक सौंदर्य और आस्था के संगम से खिंचे चले आते हैं श्रद्धालु

शैलेश सिंह I किरीबुरु

झारखंड और ओडिशा की सीमा पर स्थित मुर्गा महादेव मंदिर के प्रति दोनों राज्यों के निवासियों की एकसमान श्रद्धा है. यह मंदिर नोवामुंडी शहर से लगभग सात किलोमीटर दूर मुर्गाबेड़ा गांव में स्थित है. यह एक प्राचीन तीर्थस्थल है. जहां आदिवासी और ब्राह्मण दोनों पूजन विधियों का पालन किया जाता है.

ओडिशा के क्योंझर शहर से इसकी दूरी 70 किलोमीटर एवं टाटानगर से रेल मार्ग के जरिए नोवामुंडी स्टेशन से करीब 12 किलोमीटर है. मंदिर के निकट ही एक बारहमासी झरना है. मंदिर से सट कर 20 फीट ऊपर से गिर रहे झरने का पानी यहां के मनोरम दृश्य में चार चांद लगाता है. प्रकृति की गोद में शांत वातावरण के बीच कलरव करता जल प्रपात एवं पक्षियों की चहचाहट से भक्त अपने आप आकर्षित होकर चले आते हैं.

मंदिर स्थापना से जुड़ी एक कथा यहां बहुत प्रचलित है. कहा जाता है कि जोड़ा ग्राम निवासी एक व्यक्ति की कोई संतान नहीं थी. वह संतान प्राप्ति के लिए हर दिन शिवजी की पूजा करने काफी दूर जाता था. एक दिन भगवान शिव उसके सपने में आये और कहा कि तू पूजा के लिए क्यों भटकता है. पास में ही किसी स्थान पर मेरी आराधना कर, तुझे संतान प्राप्ति हो जायेगी. अगले दिन से ही उसने मुर्गा बेड़ा गांव में पूजा करनी शुरू कर दी और कुछ माह में ही उसकी मनोकामना पूरी हो गई. तभी से इस मंदिर के प्रति लोगों में आस्था बनी हुई है. एक प्रचलित मान्यता यह भी है कि मुर्गा महादेव नाम दो शब्दों मुरुगन और महादेव से आया है. इनका अर्थ द्रक्रमशः कार्तिकेय और शिव है. इस मंदिर का इतिहास 100 साल पुराना है.

यहां लाखों की संख्या में भक्त झारखंड-ओडिशा के विभिन्न जिलों से श्रावण माह, शिवरात्रि और कार्तिक में आते हैं. इस दौरान विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है. श्रावण मास को देखते हुये झारखंड एवं ओडिशा की पुलिस-प्रशासन, सामाजिक व धार्मिक संगठनों द्वारा शिव भक्तों के सहायतार्थ विधि-व्यवस्था से लेकर अन्य व्यवस्था की गई हैं, ताकि भक्तों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हो.

तिरिंग में बाइक व ऑटो पर चढ़ा दिया ट्रक, दो घायल

विशेष सहयोगी I रायरंगपुर

ओडिशा के मयूरभंज जिले के तिरिंग बडडालिमा में रांची-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन बाइक व एक सामान लदे ऑटो को ट्रक ने टक्कर मार दी. टक्कर के बाद बाइक व ऑटो पर ट्रक लगभग चढ़ गया. दुर्घटना में एक बाइक सवार और एक ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गए. गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों की पहचान तिरिंग पुलिस स्टेशन के उलिदी गांव के माझिया मारंडी और झरगांव गांव के दिलिप मिश्रा के रूप में की गई है. उन्हें 108 एम्बुलेंस से रायरंगपुर उप-जिला अस्पताल लाया गया है.

पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले ट्रक ओडी 09 एन 7755 को जब्त कर लिया है और आगे की जांच कर रही है. इस बीच लोगों ने राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया है. वे मुआवजा और सड़क की तत्काल मरम्मत की मांग कर रहे हैं

कोनहारा कला के ग्रामीणों ने अधिकारियों से सौहार्दपूर्ण वातावरण बिगाड़ने वालों खिलाफ कार्रवाई की मांग की

स्कूल का रास्ता किया बंद, बच्चों के भविष्य पर लग सकता है ग्रहण

संवाददाता। बरकट्ठा

प्रखंड क्षेत्र के ग्राम कोनहारा कला स्थित नव सृजित प्राथमिक विद्यालय का रास्ता बंद कर दिये जाने से बच्चों का भविष्य अंधकारमय प्रतीत होता दिखाई दे रहा है. इस बाबत ग्रामीणों की ओर से सौहार्द वातावरण को बिगाड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर हस्ताक्षर युक्त आवेदन अधिकारियों को दिया गया है.

ग्रामीणों ने बताया कि इसराइल अंसारी, पिता रहीम मियां ने शनिवार को रास्ते पर ईंट लगाकर रास्ते को पूर्ण रूप से बंद कर दिया. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने स्थल पर पहुंचकर कोई भी कार्य करने पर रोक लगाई. ग्रामीणों के मुताबिक 3 मार्च 2021 में उक्त रास्ते को लेकर मुखिया की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक की गई थी और 11 फीट का रास्ता विद्यालय के लिए रखा गया था. फिर भी दबंगई दिखाते हुए रास्ते को बंद कर दिया गया. ग्रामीणों ने सीओ से इसराइल अंसारी के प्लाट संख्या 2720,2721 की मापी कर सीमांकन करने और शेष बची जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की गुहार लगाई है. विदित हो 25 जुलाई 2023 को एसडीओ समेत अन्य पदाधिकारी स्थल पर पहुंचकर सीमांकन कराने की बात कही थी, लेकिन आज तक नहीं की गई, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है. इस विद्यालय में 400 सौ से अधिक बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं. अब इनका भविष्य अंधकारमय नजर आने लगा है.

नव सृजित प्राथमिक विद्यालय कोनहारा कला जाने का रास्ता बंद कर दिया गया है.

नदी पर पुल नहीं बनने से जान जोखिम में डालकर स्कूल जा रहे हैं हटकोना के बच्चे

हजारीबाग । राज्य सरकार बच्चों की शिक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा करती है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर है. बच्चे आज भी कई कारणों से स्कूल नहीं जा पा रहे हैं. काटकमासंडी प्रखंड के बंझा पंचायत के हटकोना गांव में नदी पर रोजाना ऐसा नजारा देखा जा सकता है, जिसकी कल्पना आज के दौर में करना भी मुश्किल है. दरअसल यहां के बच्चों को हर रोज जान जोखिम में डालकर डर से हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए स्कूल जाने के लिए बिना पुल नदी पार कर आना जाना पड़ता है. समाजसेवी किशोरी राणा ने इस संबंध में बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना. बताया कि कई साल से इस नदी पर पूल बनाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन, अभी तक इस नदी पर पुल नहीं बन पाया है. किशोरी राणा ने जायजा लेने के बाद आश्वासन दिया कि पुल बनेगा, लेकिन आज तक कोई पहल नहीं हुई और न ही विभाग द्वारा कोई व्यवस्था की गई, जिसके कारण परेशानी होती है. बैठक में रोहन सिंह, जानकी सिंह, रामकिशुन, राजकुमार सिंह, महादेव, अनुज यादव, जगदेव राणा, सतीश पांडेय आदि बैठक में सैकड़ो लोग उपस्थित थे.

रामगढ़ जिले में चौकीदार के 75 पदों पर होगी बहाली

- लिखित परीक्षा 28 को, आज से अभ्यर्थी प्राप्त कर सकेंगे प्रवेश पत्र

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ जिले में चौकीदार के कुल 75 पदों पर बहाली के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन 28 जुलाई को होगा. इसके लिए अभ्यर्थी 23 जुलाई प्रातः 11:00 बजे से जिला समाहरणालय आकर प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकेंगे. प्रवेश पत्र प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ पहचान पत्र एवं दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ लाना होगा, जो अभ्यर्थी समाहरणालय आकर प्रवेश पत्र प्राप्त करने में असफल होंगे, उन्हें परीक्षा केंद्र पर भी पहचान पत्र उपलब्ध कराया जाएगा. चौकीदार बहाली के तहत रविवार को लिखित परीक्षा का आयोजन रामगढ़ शहर के कुल 10 विद्यालयों, गांधी स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय रामगढ़, एसएस गर्ल्स उच्च विद्यालय रामगढ़, रामगढ़ उच्च विद्यालय कोइरी टोला, राधा गोविंद यूनिवर्सिटी ललकी घाटी, राधा गोविंद पब्लिक स्कूल, रामगढ़ छावनी मध्य विद्यालय सुभाष चौक रामगढ़, छावनी मध्य विद्यालय नई सराय रामगढ़, डिवाइन ओंकार उच्च विद्यालय रामगढ़, संत फ्रांसिस उच्च विद्यालय कांकेबार रामगढ़, रामगढ़ इंटर विमेंस कॉलेज रामगढ़ में किया जाएगा. लिखित परीक्षा का आयोजन ओएमआर शीट के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें एक-एक अंक के कुल 50 वस्तुनिष्ठ (ऑब्जेक्टिव) प्रश्न होंगे. गलत उत्तर देने पर कोई अंक नहीं कटेगा. लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर प्रथम कुल 225 अभ्यर्थियों का चयन शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए किया जाएगा. शारीरिक दक्षता परीक्षा (एक मील दौड़) का आयोजन 30 जुलाई को किया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

शांति और समझदारी से हल करें महुदी विवाद

हजारीबाग । बड़कागांव प्रखंड के महुदी गांव में हाल ही में हुई घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने सभी पक्षों से शांति और आपसी समझदारी से विवाद को हल करने की अपील की है. मुन्ना सिंह ने कहा कि महुदी में जो घटनाएं हो रही हैं, वे काफी चिंतनीय हैं. मैं महुदी के भाइयों से अपील करना चाहता हूं कि वे इस समस्या का राजनीतिकरण न होने दें. आपस में भाईचारे से अपनी समस्या का समाधान करें और प्रशासन से हम अपील करते हैं कि जो भी दोषी हैं, उन पर कड़ी कार्रवाई करें. उन्होंने आगे कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि दोनों समुदायों के लोग मिलकर शांति और सौहार्द बनाए रखें.

अवैध निर्माण कार्य पर सीओ ने लगाई रोक

हजारीबाग। सारले मौज स्थित विकास नगर खाता संख्या 95, प्लॉट संख्या 46 किस्म नाला की सरकारी जमीन पर स्थानीय व्यक्ति मुकेश कुमार मेहता द्वारा अवैध निर्माण किया जा रहा था. सदर अंचलाधिकारी मयंक भूषण कुमार ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर कार्य को तत्काल बंद करवाया. बताया कि सरकारी भूमि पर गैरकानूनी रूप से निर्माण कार्य करने के कारण उक्त व्यक्ति पर झारखंड लोकभूमि अतिक्रमण अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है. उन्होंने अपील करते हुए कहा कि हजारीबाग अंचल के सभी नागरिक सार्वजनिक, सरकारी भूमि पर अतिक्रमण न करें.

आरोप : प्रखंड कार्यालय में हर काम के लिए आम लोगों से लिया जाता है पैसा

सरकार ने मांगें नहीं मानी तो आत्मदाह करेंगे मुखिया

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के इचाक प्रखंड कार्यालय में मुखिया संघ ने सात सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना सोमवार से शुरू किया है. बताया है कि प्रखंड कार्यालय में हर काम के बदले आम लोगों से पैसा मांगा जाता है और मुखिया विरोध करते हैं तो उक्त कार्य उनके क्षेत्र से बाहर होने की बात कही जाती है. संघ का कहना है कि मुखिया पंचायत कर जनप्रतिनिधि होता है और पंचायती राज में पंचायत भवन में ही सब कुछ होना है, लेकिन प्रखंड कार्यालय में जनप्रतिनिधि को दरकिनार कर दिया गया है और पदाधिकारी खुद कमान संभाल रहे हैं. यही वजह है कि प्रखंड कार्यालय के पदाधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त होकर हर काम के लिए पैसा मांगते हैं. ऐसे में आम लोग काफी परेशान हैं. वहीं सरकार ने यह घोषणा की थी कि अब पंचायत भवन में प्रखंड कार्यालय के संबंधित अधिकारी बैठकर काम करेंगे, लेकिन कोई इस आदेश पर अमल नहीं कर रहा है.

संबंधित अधिकारी आम जनता को ही अपने कार्यालय में ही बुलाते हैं ताकि अपनी मनमानी चला सके. गरीब जनता से हर काम के बदले पैसा मांगते हैं. ऐसे में आम लोगों को प्रखंड कार्यालय कोई काम कराने में काफी पैसा खर्च करना पड़ता है. इसके कारण न केवल आम लोग काफी परेशान हैं, बल्कि पंचायत का विकास भी नहीं हो पा रहा है. इस संबंध में इचाक प्रखंड के मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत मेहता ने बताया कि हम सात सूत्री मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं. यह प्रदर्शन आम जनता के हितों के लिए किया जा रहा है. अगर सरकार हमारी सात सूत्री मांगों को नहीं मानती है तो पूरे जिले के मुखिया धरना देंगे और उसके बावजूद आम जनता को लाभ नहीं मिला तो हम सामूहिक आत्मदाह करेंगे.

सात सूत्री मांगों को लेकर इचाक प्रखंड कार्यालय में मुखिया संघ का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

इचाक प्रखंड कार्यालय में अपनी सात सूत्री मांग को लेकर धरने पर बैठे मुखिया संघ के सदस्य.

मुखिया संघ की क्या हैं मांगें

1. मनरेगा के कार्य सभी पंचायत सचिवालय से संचालित हों.
2. मनरेगा आईडी पासवर्ड पंचायत को उपलब्ध कराया जाए.
3. 15में वित्त आयोग की माफी पुस्तिका पंचायत में उपलब्ध कराई जाए.
4. सहायक अभियंता को सप्ताह में दो दिन प्रखंड मुख्यालय में बैठने का समय निर्धारित किया जाए
5. प्रखंड के प्रत्येक पंचायत में सप्ताह में एक दिन कैंप लगाकर दाखिल खारिज किया जाए.
6. प्रखंड सह अंचल कार्यालय में व्यापक भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जाए.
7. पंचायत सचिवालय में पंचायत सचिव, रोजगार सेवक बीएफटी, राजस्व कर्मचारी कनीय अभियंता की उपस्थिति पूर्ण रूप से सुनिश्चित करवाई जाए ताकि पंचायत का विकास हो और आम जनता को परेशानी न हो.

मिहिर लाल बनर्जी अध्यक्ष और दीपक सिन्हा पुनः सचिव बने

हजारीबाग । हजारीबाग यूनिट के डीवीसी पेंशनधारियों की 2024 की वार्षिक साधारण सभा संपन्न हुई. सम्मेलन के लिए डीवीसी के सभागार में विभिन्न यूनिटों से केंद्रीय समिति के सदस्यों के अलावे कुल 147 सेवानिवृत्त सदस्यों का आगमन हुआ. सर्वसम्मति से आगामी दिनों के लिए मिहिर लाल बनर्जी को अध्यक्ष एवं पुनः दीपक कुमार सिन्हा को सचिव पद से नवाजा गया. उपाध्यक्ष के लिए नर्वदेश्वर सिंह, विनोद सिंह, अशोक कुमार एवं गौतम चक्रवर्ती को मनोनित किया गया. वहीं संगठन सचिव के रूप में गुरुदेव प्रसाद एवं सह सचिव का पदभार सुजीत भट्टाचार्य को दिया गया. कोषाध्यक्ष बने रविंद्र प्रकाश चौधरी एवं सचिव पद पर क्रमशः बसंत प्रसाद, अनूप चटर्जी व इंद्रदेव प्रसाद में आसीन हुए. परामर्श बोर्ड के लिए एसपी वर्मा को संयोजक पद दिया गया. साथ में इस बोर्ड में पांच सदस्यों को रखा गया है. सचिव ने जानकारी दी कि कार्यकारिणी समिति में कुल नौ सदस्यों को रखा गया है.

अपने सचिव के प्रतिवेदन में कुछ मांग रखी गई है, जिसमें सेवानिवृत कर्मचारियों के आवासों के लिए बीस गुना किराया लेना न्यायसंगत नहीं है. इसके अलावे कैशलैस अस्पतालों की संख्या बढ़ाने, डीवीसी आवासों की सुचारु रूप से मरम्मत, पेंशन सह ग्रेच्युटी बोर्ड में पेंशनधारियों के प्रतिनिधि की नियुक्ति, बहुत सारे अस्पतालों में इलाज़ के लिए पेंशनधारियों के पहचान पत्र एवं हजारीबाग आरोग्यम अस्पताल में आउटडोर इलाज की सुविधा शामिल हैं. सचिव ने कहा कि सभी पुराने पेंशनधारियों को समय-समय पर अपनी समस्याओं को पेश करने के लिए परिचय पत्र निर्गत किया जाए.

न्यूज अपडेट

मनरेगा कर्मचारी संघ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

हजारीबाग। मनरेगा कर्मी अनिश्चितकालिन हड़ताल पर हैं. हजारीबाग के सभी प्रखंडों के मनरेगा कर्मियों, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, लेखा सहायक, कंप्यूटर सहायकों एवं ग्राम रोजगार सेवकों ने हड़ताल पर रहते हुए धरना दिया. जिले में जिला अध्यक्ष जितेंद्र कुमार की अध्यक्षता में एक सूत्री मांग समायोजन / नियमितीकरण के लिए धरना दिया गया. इस संबंध में संघ के अध्यक्ष ने बताया कि यदि सरकार हमारी मांग की पूर्ति नहीं करती है तो आने वाले समय में मनरेगा कर्मी सरकार के विरुद्ध खुलकर आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे. धरना स्थल पर प्रदेश उप सचिव पंकज कुमार, जिला सचिव अनीश कुमार, जिला कोषाध्यक्ष योगेश्वर कुमार, जेई नीरज हजारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी हीरो महतो, इकराम हुसैन अनीश टोप्पो आदि उपस्थित थे.

हड़ताल पर बैठे मनरेगा कर्मी.

वाराणसी पहुंचे पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव

हजारीबाग। बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में 1932 से चली आ रही अद्भुत परंपरा के भागीदार बने. वर्षों से सावन के पहले सोमवारी को यदुवंशी समाज द्वारा सर्वप्रथम बाबा पर जलाभिषेक किया जाता है. उसके बाद ही श्रद्धालुगण भोलेनाथ पर जलाभिषेक करते हैं. अखिल भारतीय यादव महासभा के बैनर तले शीतला माता घाट से जल उठाकर सैकड़ों यादव समाज के लोगों ने बाबा पर जलाभिषेक किया. इस दौरान मुख्यतिथि के रूप में दिल्ली ओबीसी चेयरमैन जगदीश यादव व विशिष्ट अतिथि के रूप में बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव उपस्थित रहे.

पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव और अन्य.

पर्यटन मंत्री से मिले ओबीसी कांग्रेस जिलाध्यक्ष

चौपारण । झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण, कला एवं संस्कृति, पर्यटन एवं निबंध विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग मंत्री हफीजुल हसन से कांग्रेस ओबीसी जिलाध्यक्ष दीपक गुप्ता अपने सहयोगियों के साथ शिष्टाचार भेंट की. जिलाध्यक्ष गुप्ता के साथ इमरान खान फ़िरदोस खान सहित अन्य लोग मिले और मांग की कि चौपारण प्रखंड के सिंघरावां पंचायत के नया सिंघरावां स्थित कौलेश्वरी मंदिर को पर्यटक स्थल बनाने के साथ पार्क निर्माण किया जाय, जिससे ग्रामीण क्षेत्र का विकास होगा और लोगों को रोजगार मिल पायेगा. उन्होंने कहा कि स्थानीय विधायक उमाशंकर अकेला भी विधानसभा में शून्य काल के दौरान इस क्षेत्र को पर्यटक स्थल बनाने की मांग रख चुके हैं.

पर्यटन मंत्री मिलते ओबीसी कांग्रेस जिलाध्यक्ष

स्पेशल ट्रेन का भाजपा नेत्री शेफाली ने की स्वागत

हजारीबाग । सावन महीने में हजारीबाग से सुलतानगंज जाने वाली स्पेशल ट्रेन का भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने आधी रात्रि हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन पहुंचकर कार्यकर्ताओं एवं कांवड़ियों के साथ स्वागत किया. कांवड़ियों को हर हर महादेव एवं बोल बम का जोरदार नारा लगाकर स्पेशल ट्रेन के माध्यम से रवाना किया. इस अवसर पर गुप्ता ने लोगों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी. बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और जनता इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनी. मौके पर मौके पर विशेष रूप से भाजपा नेता बटेश्वर मेहता, मंडल अध्यक्ष जीवन मेहता, रीतलाल यादव, कुंवर मनोज सिंह, पूर्व विधायक प्रतिनिधि विजय कुमार आदि उपस्थित रहे.

कांवड़ियों का स्वागत करने पहुंची शेफाली.

सावन की पहली सोमवारी पर शिवालयों में उमड़े भक्त

शिवालयों में शिवलिंग का जलाभिषेक करते श्रद्धालु.

संवाददाता । चरही

चुरचू प्रखंड एवं चरही कोयलांचल क्षेत्र में पहली सोमवारी पर शिवालयों में भक्तों की भीड़ पूरे दिन भर उमड़ी रही. श्रद्धालु बारी- बारी से भक्ति भाव के साथ पूजा - अर्चना करते दिखे. क्षेत्र के चरही बस्ती शिव मंदिर, तापिन साउथ, कजरी, तापिन, पिंडरा, परेज़ आदि जगहों में मंदिर व परिसर को फूलों से सजाया गया है. पहली सोमवारी के दिन खूब दूध, नारियल, फल और पूजा सामग्री की बिक्री हुई. चारों ओर के मंदिरों में हर - हर महादेव की गूंज उमड़ती रही. कांवड़ लेकर बाबा नगरी देवघर जाने वाले श्रद्धालु भी जगह - जगह से निकल रहे हैं. पूरा महीना श्रावणी मेला भोले बाबा की नगरी में लगी रहेगी. श्रद्धालु अपने विशेष परिधानों में सज संवर कर जल चढ़ाने पहुंच रहे हैं.

ज्योति सम्मेलन में हजारीबाग के संजय सिंह को किया गया सम्मानित

हजारीबाग। देवघर में तेरहवां पूर्वांचल ज्योतिष सम्मेलन आयोजन हुआ, जिसमें झारखंड के अलावे दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार, उत्तर प्रदेश, केरल आदि राज्यों के सौ से अधिक ज्योतिषियों ने हिस्सा लिया. तीन दिवसीय सम्मेलन में ज्योतिष, हस्तरेखा, तंत्र मंत्र और वास्तु शास्त्र पर सभी विद्वानों ने अपने विचार और अनुभव साझा किए. इस सम्मेलन में ज्योतिर्विद संजय सिंह, मां तारा ज्योतिष प्रतिष्ठान,हजारीबाग को ज्योतिष महर्षि के मानद उपाधि से अलंकृत किया गया और विश्व वेद विद्या पीठ, थामान्नम, कोची के द्वारा श्री शंकराचार्य एक्सीलेंसी अवार्ड से भी अलंकृत किया गया.

विकास कार्यों में वार्ड सदस्यों की भी हो सहभागिता : रंजीत सिंह

- चौपारण प्रखंड की 26 पंचायतों के 324 वार्ड सदस्यों ने बैठक कर की मांग

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड की 26 पंचायतों के 324 वार्ड सदस्यों ने सोमवार को टाउन हॉल में प्रखंड स्तरीय बैठक कर कई बिंदुओं पर चर्चा करते हुए मुख्य मांगों को अधिकारियों के पास रखने का निर्णय लिया. वार्ड सदस्य संघ ने बीडीओ से मांग की है कि अबुआ आवास चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष रखने के लिए उसमें वार्ड सदस्यों को भी शामिल किया जाय. मनरेगा योजना में वार्ड सदस्यों का भी हस्ताक्षर अनिवार्य किया जाय. वार्ड क्षेत्र में संचालित वाली विकास योजनाओं में लगने वाले शिलापट्ट में वार्ड सदस्यों का भी नाम अंकित किया जाय. साथ ही गरीब व असहाय वार्ड सदस्य के परिवार को भी अबुआ आवास दिया जाय. वार्ड सदस्यों को अतिशीघ्र मानदेय दिया जाय. सचिव रंजीत सिंह ने कहा कि पंचायत के विकास कार्यों में वार्ड सदस्यों की भी सहभागिता होनी चाहिए. मौके पर प्रखंड अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता, सचिव रंजीत सिंह, कोषाध्यक्ष प्रसाद ठाकुर, उपाध्यक्ष रजंती देवी, उप सचिव सुकेश रजक, मीडिया प्रभारी राजेश राणा, विनोद कुमार, मो. सलाउद्दीन, पंचायत अध्यक्ष अनिल कुमार राणा, सुजीत कुमार यादव, सुनैना देवी, प्रियंका कुमारी, अली अकबर, हुलास प्रसाद, अमेंद्र यादव, मिन्हाज अंसारी, मोहम्मद आलम, सलमा खातून, विनोद कुमार सिंह, रामाधीन तुरी, जितेंद्र रजक, अजय कुमार पासवान, बुधन साव, केदारनाथ महतो आदि उपस्थित थे.

चौपारण प्रखंड के टाउन हॉल में हुई बैठक के दौरान उपस्थित वार्ड सदस्य.

पड़ताल सरकारी की ओर से निर्धारित फीस दरकिनार कर तीन से चार लाख रुपये तक वसूलते हैं डिग्री कॉलेज

मध्य वर्ग के बच्चों के लिए डिग्री लेना हुआ मुश्किल

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में मध्य वर्ग को अपने बच्चों को डिग्री कॉलेज में पढ़ाना मुश्किल ही नहीं, बल्कि नामुमकिन सा हो गया है. यहां डिग्री लेने के लिए लगभग तीन से चार लाख रुपये खर्च होता है, जबकि सरकार ने सभी डिग्री कॉलेजों की फीस निर्धारित कर रखी फिक्स कर रखी है. वहीं प्राइवेट डिग्री कॉलेज के संचालक बेलगाम होते जा रहे हैं. ये सरकार को ठेंगा दिखा रहे हैं. यहां तक कि ये डिग्री कॉलेज की देखरेख करने वाले संबंधित अधिकारी को रुपये का लालच देकर अपनी जेब में लेकर घूमते हैं.

बताते चलें कि हजारीबाग जिले में लगभग आधा दर्जन बीएड कॉलेज के अलावे कई डिग्री कॉलेज हैं और इन कॉलेजों में खूब मनमानी की जा रही है. इन पर सरकार नहीं, बल्कि खुद के बनाए कायदे-कानून लागू होते हैं. सरकार द्वारा निर्धारित फीस महज दिखावे के तौर पर लेते हैं, सच्चाई कुछ और ही होती है. छात्रों से कभी परीक्षा फीस के नाम पर 5 हजार रुपये लेते हैं, तो कभी टूर जाने के नाम पर पैसा लेते हैं. नहीं देने वाले छात्र पर दबाव बनाते हैं. टूर पर जाने के लिए 10 से 12 हजार रुपये तक वसूलते हैं. हालांकि कुछ कॉलेज थोड़ी रहम करते हुए 2 हजार रुपये में काम चलाते हैं. हालांकि छात्र टूर पर जाए अथवा न जाए उन्हें पैसा देना अनिवार्य होता है. ऐसे में छात्रों को डिग्री लेने में तीन लाख से लेकर चार लाख रुपये तक लग जाते है. यह जो अभिभावक नहीं दे सकते हैं उनके बच्चे इन कॉलेजों में पढ़ाई नहीं कर पाते हैं. अंत में वह सर्टिफिकेट लेकर घूमते रहते हैं. नौकरी नहीं मिलती है तो कोई खेत में काम करने लगता है तो कोई आत्महत्या करने को मजबूर हो जाता है.

छात्रों के पैसे पर मौज मस्ती करते हैं संचालक और शिक्षक

इस संबंध में इचाक प्रखंड के सुधांशु कुमार, सदर प्रखंड के रोहित कुमार, किरण गुप्ता मेरु के विभांशु कुमार ने बताया कि हजारीबाग शहर के डिग्री कॉलेज खूब मनमानी कर रहे हैं. इन कॉलेजों में डिग्री की पढ़ाई के नाम पर मोटी फीस की वसूली हो रही है. इस गोरखधंधे को देखने के लिए कोई अधिकारी तैयार नहीं है, क्योंकि सभी एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं. ऐसे अधिकारी एवं कॉलेज संचालक पर सरकार को संज्ञान लेने की जरूरत है. उन्होंने यह भी बताया कि ये कॉलेज वाले अपनी मौज मस्ती के लिए छात्रों के पैसे से टूर पर जाते रहते हैं. टूर पर छात्र का पैसा लगता है और मौज मस्ती शिक्षक और उनके बाहरी दोस्त करते हैं, जबकि छात्रों को जनरल बोगी में बैठा देते हैं और शिक्षक और उनके सहयोगी एक बोगी में बैठकर टूर पर जाते हैं.

आजसू प्रखंड कमेटी ने जिला अध्यक्ष का किया स्वागत

संवाददाता। केरेडारी

प्रखंड के साहा फ्यूल पतरा कला के भवन में सोमवार को कार्यकारी अध्यक्ष प्रेमचंद महतो की अध्यक्षता में आजसू प्रखंड कमिटी की बैठक हुई. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में हजारीबाग जिला के नए जिला अध्यक्ष झारखंड आंदोलनकारी नेता परमेश्वर महतो तथा केंद्रीय सदस्य पंकज साहा, अनिल राम, लीलाधन साव उपस्थित हुए. बैठक में सर्वप्रथम नये जिला अध्यक्ष परमेश्वर महतो का आजसू प्रखंड कमेटी ने स्वागत किया. चूल्हा प्रमुख बनाने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई. जिन पंचायतों में चूल्हा प्रमुख नहीं बन पाया है, कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया कि उनमें यथाशीघ्र चूल्हा प्रमुख बनाकर प्रखंड कमेटी को सौंपे. मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्रीय कमेटी ने जिस उम्मीद और विश्वास के साथ मुझे हजारीबाग जिला की कमान सौंपी है, उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा. संगठन की मजबूती के लिए हमारी आवश्यकता हो तो हमें जरूर बुलाएं. मैं संगठन के लिए हमेशा तैयार रहूंगा. निश्चित रूप से इस बार बड़कागांव विधानसभा में रोशनलाल चौधरी का विजय पताका फहराएगा. बैठक का संचालन प्रखंड सचिव मोहन कुमार ने किया. बैठक में देवनारायण महतो, कंचन यादव, जागेश्वर साव, विश्वनाथ कुशवाहा, शिव शंकर महतो, प्रदीप राम, लोकनाथ महतो, रमेश महतो सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

भव्य मंगल कलश स्थापना का आयोजन

हजारीबाग। मुनि श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज का भव्य मंगल कलश स्थापना (चातुर्मास 2024) हुआ. सोमवार सुबह 6:30 बजे बडम बाजार दिगंबर जैन मंदिर में मुनि श्री के सानिध्य में भगवान की मूल वेदी में दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम हुआ, जिसका सौभाग्य दुर्ग वालों और बाहर से आए लोगों को को प्राप्त हुआ. तत्पश्चात भगवान के शांति धारा और अभिषेक हुआ उसके बाद महिलाओं का कलश विहार हुआ. सभी महिलाएं 7:30 बजे सुबह बड़म बाजार दिगंबर जैन मंदिर से बड़ी बाजार दिगंबर जैन मंदिर माथे पर कलश लें कर पहुंची. वहां मुनि श्री के मुख से सभी भक्तों को आशीर्वाद प्राप्त हुआ. तत्पश्चात हनुमान प्रसाद बडजात्या परिवार (जशपुर) व विनोद संजना बड़जात्या (रायपुर) तथा बाहर से आएं लोगों का हुए स्वागत सत्कार किया गया.

ब्रीफ खबरें

दिव्यांगता से प्रभावित बच्चों को सरंक्षण हेतु अभियान

चाईबासा । झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा के तत्वावधान में दिव्यांगता से प्रभावित बच्चों के कल्याण और सरंक्षण हेतु 45 दिवसीय विशेष अभियान 13 जुलाई से 26 अगस्त तक आरंभ किया गया है. इस दौरान दिव्यांगता से ग्रसित बच्चे को आवश्यक सरकारी योजनाओं और सुविधाओं से जोड़ने का कार्य प्राधिकार द्वारा किया जा रहा है. सचिव राजीव कुमार सिंह ने कहा कि दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं है. उन्हें भी समान रूप से जीवन जीने का अधिकार है.

आदिवासी उरांव समाज संघ की समीक्षात्मक बैठक

चाईबासा । आदिवासी उरांव समुदाय की बैठक स्थानीय कुड़ुख सामुदायिक भवन पुलहातु में सोमवार को अध्यक्ष संचू तिर्की की अध्यक्षता में हुई. बैठक में 30 जून को संपन्न हुई स्थापना दिवस कार्यक्रम की समीक्षा की गई. अध्यक्ष संचू तिर्की ने कहा कि समाज के अथक प्रयास से स्थापना दिवस का आयोजन काफी सफल रहा. आयोजन के मुख्य अतिथि मंत्री दीपक बिरूवा ने समाज के हित के लिए एक बहुउद्देशीय आदिवासी संस्कृति एवं कला केंद्र भवन निर्माण की घोषणा की है. इसके लिए उरांव समाज ने आभार प्रकट किया है.

जिला स्तरीय योग प्रति. का आयोजन 11 अगस्त को

चाईबासा । पश्चिमी सिंहभूम जिला योगासन एंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन चाईबासा के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक अध्यक्ष मुकुंद रूंगटा की अध्यक्षता में सोमवार को हुई. बैठक में पिछली बैठक के कार्यों की संपुष्टि की गई. अध्यक्ष रूंगटा ने बैठक में सदस्यों के द्वारा प्रस्तावित जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता को 11 अगस्त को करवाने का निर्णय लिया. सचिव कन्हैया लाल अग्रवाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के द्वारा राज्य योगासन एसोसिएशन के द्वारा निर्देशित विभिन्न योग मुद्राओं को प्रदर्शित किया जाना है.

आयुक्त ने अधूरे कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर प्रखंड सह अंचल कार्यालय का सोमवार को कोल्हान प्रमंडल आयुक्त हरि कुमार केशरी ने निरीक्षण किया. इस दौरान आयुक्त ने द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की. मौके पर बीएलओ और सुपरवाइजर को बुलाकर कार्य की जानकारी ली. साथ ही फॉर्म 6, 7 और 8 को भरने का निर्देश दिए. कोल्हान आयुक्त ने कार्यालय में स्थित सभी संचिका की जांच की. उन्होंने अंचल कार्यालय में म्यूटेशन, जाति, आय, आवासीय प्रमाण पत्रों को बनाने में तेजी लाने का सीओ को निर्देश दिया.

सीएम गंभीर बीमारी उपचार योजना आवेदन की स्वीकृति

चाईबासा । सदर अस्पताल में सोमवार को मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के तहत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने हेतु मुख्यमंत्री गंभीर बीमार उपचार योजना समिति की बैठक अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. शिवचरण हांसदा की अध्यक्षता में हुई. बैठक में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं परिवहन विभाग के मंत्री दीपक बिरूवा के प्रतिनिधि राजाराम गुप्ता शामिल हुए. इसमें कैंसर पीड़ित कराइकेला के राजकुमार महतो के इलाज का आवेदन स्वीकृत किया गया.

मेघाहातुबुरु के आटा चक्की में लगी आग, हादसा टला

किरीबुरु । मेघाहातुबुरु शहर में ठेका मजदूर अखिलेश उर्फ लोहा सिंह की सूझबूझ की वजह से बड़ा हादसा टल गया. सामुदायिक भवन के ठीक सामने आटा चक्की की बंद दुकान से सोमवार की दोपहर 3.15 बजे धुआं निकलने लगा. लोगों ने इसकी जानकारी ठेका मजदूर लोहा सिंह को दी. लोहा सिंह ने बिना विलम्ब किये घटनास्थल पर पहुंच कर बगल के रुम से प्रवेश कर आटा चक्की में लगी आग को बुझाने में सफलता पायी. आटा चक्की से सटे बगल वाली दुकान में इंडेन गैस सिलेंडर रखा हुआ है. अगर आग इस दुकान तक आग पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था.

सरकार की उदासीन रवैये के कारण समाहरणालय संवर्ग कर्मियों की अपनी मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

कर्मियों के अनशन पर जाने से आम लोगों को करना होगा परेशानियों का सामना

- सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने का हड़ताल ही रास्ता
- प्रखंड, अंचल, अनुमंडल, जिला मुख्यालय में काम ठप

संवाददाता | चाईबासा

अनिश्चितकालीन हड़ताल में शामिल समाहरणालय के कर्मचारी.

अनिश्चितकालीन हड़ताल में शामिल महिला कर्मचारी.

झारखंड राज्य अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (समाहरणालय संवर्ग) के राज्य नेतृत्व के आह्वान पर नौ सूत्री मांगों को लेकर समाहरणालय के कर्मचारी सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं. राज्य स्तरीय संघ द्वारा दो वर्षों से अपनी मांगों के प्रति सरकार को ध्यानाकर्षित करते रहे हैं. मुख्य सचिव, झारखंड सरकार से भी पत्र के माध्यम से अपनी जायज मांगों से अवगत कराते रहे हैं. सरकार के स्तर से किसी तरह की दो वर्षों तक कोई पहल नहीं होने के पश्चात पूरे राज्य के समाहरणालय कर्मियों ने 14 जुलाई को राजभवन स्थित महाधरना का आयोजन करते हुए एकजुट हुए तथा सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यदि सरकार 21 जुलाई तक हमारी मांगों के प्रति सकारात्मक पहल नहीं करती है तो अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे. इस बीच काला बिल्ला लगाकर कार्य करना, कलमबंद हड़ताल करना, कैंडल मार्च निकाल कर सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास किया गया. इस दौरान संघ के जिला अध्यक्ष ललितेश्वर महतो ने कहा कि सरकार से हमें बहुत उम्मीद है. लेकिन हमारी जायज मांग के प्रति उदासीन रवैया से हम सभी समाहरणालय कर्मी आहत हैं. जिला सचिव मनोज कुंटिया ने कहा कि हमारी सभी मांगें जायज हैं, परन्तु सरकार इस पर कोई विचार नहीं कर रही है. इस कारण विवश होकर हमें हड़ताल ही एकमात्र विकल्प दिखाई दे रहा है. जिला उपाध्यक्ष अतुल कुमार ने कहा कि दो वर्षों तक राज्य संघ के प्रतिनिधियों द्वारा सरकार से अपनी मांगों को अवगत करने तथा उसे लागू करने का अनुरोध किया गया. हड़ताल के दौरान कार्यालय अधीक्षक रूप सिंह बानरा, नाथूलाल नाग, श्याम प्रसाद, छवि कर, हरि कृष्णा सिंह लागुरी, प्रधान लिपिक विल्सन डांहगा, ऋषि बोईपाई, दिलीप बिरुआ, कृष्णा चंद्र गागराई, माधव चंद्र हेम्ब्रोम, सुनील बड़ाइक, निरल आदि उपस्थित थे.

आय, आवासीय जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र नहीं बनेंगे

पूरे राज्य में एक साथ समाहरणालय कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से आम जनमानस को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा. प्रखंड, अंचल, अनुमंडल सहित जिला मुख्यालय के कार्यालयों में सम्पादित होने वाले कार्य पूरी तरह से ठप रहेंगे. ऐसे में आय, आवासीय, ईडब्ल्यूएस, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, दाखिल खारिज, वृद्धा पेंशन, अबुआ आवास आदि काम प्रभावित होंगे.

कर्मचारियों की क्या है नौ सूत्री मांग

जिला सयुंक्त सचिव मयंक कुमार ने बताया कि न्यूनतम नियुक्ति ग्रेड वेतन 2400 किया जाये तथा अन्य प्रोन्नत पद के वेतनमानों में संशोधन, निम्नवर्गीय लिपिक से लेकर कार्यालय अधीक्षक तक के पदनामों में परिवर्तन, विभिन्न शाखाओं में पद सृजन किया जाना, प्रोन्नति में कार्य अवधि 8 वर्ष के बजाए 4 वर्ष किया जाए, एमएसीपी 10 के जगह 8 वर्षों में स्वीकृत किया जाए, अनुसेवियों को लिपिक में बिना किसी विभागीय परीक्षा के वरीयता के आधार पर प्रोन्नति दी जाए, अनुबंध कर्मियों को स्थायी किया जाए, सविंदा कर्मियों को सीधे सरकार के स्तर से अनुबंध पर रखते हुए समय सीमा पूर्ण करने के उपरांत नियमित करना नौ सूत्री मांग में शामिल है. सरकार को इस पर विचार करने की जरूरत है हेमंत सोरेन सरकार से हम कर्मियों को बेहद उम्मीद है. पेंशन जैसी संजीवनी देकर उन्होंने हमें अनुग्रहित किया है.

चांडिल, चक्रधरपुर, महादेवशाल, किरीबुरु के मंदिरों में पहली सोमवारी को उमड़ी भीड़

बेलपत्र, भांग, धतूरा से भोलेनाथ का किया अभिषेक

- हर-हर महादेव के जयकारे से गूंजता रहा पूरा क्षेत्र
- दलमा पहाड़ पर बाबा के मंदिर में भी जुटी भीड़

संवाददाता | शुभम संदेश टीम

पहली सोमवारी को मंदिर में जलाभिषेक के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़.

मंदिर में भोले नाथ की पूजा और जलाभिषेक करने पहुंचे लोग.

सावन महीने की शुरुआत सोमवार से हुई है. पहली सोमवारी से चांडिल अनुमंडल क्षेत्र का वातावरण शिवमय हो गया है. इस पावन अवसर पर शिव का ध्यान कर भक्तों ने व्रत का संकल्प लिया. सावन का पहला दिन ही सोमवार पड़ा, ऐसे में शिव भक्तों का उत्साह चरम पर देखा गया. पहली सोमवारी होने के कारण शिवालयों में उमड़े शिवभक्त उत्साहित नजर आए. भोले नाथ के दर्शन-पूजन के लिए शिवालयों में भक्तों का तांता लगा रहा. अहले सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का जमावड़ा होने लगा था. शिव भक्तों ने भगवान भोलेनाथ को बेलपत्र, धतूरा, भांग आदि अर्पण किए.

जयदा मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

सावन की पहली सोमवारी पर चांडिल अनुमंडल में सबसे अधिक भीड़ जयदा स्थित ऐतिहासिक बुढ़ाबाबा शिव मंदिर और दलमा बाबा गुफा मंदिर में देखा गया. यहां श्रद्धालु अपने आराध्य के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे और सोमवारी के अवसर पर शिव लिंग पर जलाभिषेक किया. इसके अलावा जारगोडीह शिव मंदिर, ईचागढ़ के चतुर्मुखी शिव मंदिर समेत चांडिल, ईचागढ़, नीमडीह और कुकड़ू प्रखंड के सभी शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ी. इस दौरान शिवालय हर-हर महादेव से गूंज उठा. चारों ओर भक्ति का माहौल बन गया और लोग महादेव की अराधना में लीन रहे. इस वर्ष सावन में पांच सोमवार पड़ रहा है, जो शुभ फलदायी है.

सावन की पहली सोमवारी को शिवालयों में हुआ जलाभिषेक

सावन की पहली सोमवारी को किरीबुरु स्थित लोकेश्वर मंदिर, ॐ शांति स्थल मंदिर, मेघाहातुबुरु स्थित मां काली मंदिर समेत छोटानागरा एवं गुवा आदि क्षेत्र के शिवालयों में पूजा-अर्चना कर शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया. शहर के शिवालयों में सुबह से ही शिवभक्त महिलाओं और पुरुषों की भीड़ उमड़ने लगी. हालांकि रुक-रुक कर जारी वर्षा की वजह से लोगों को मंदिर जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ा. बारिश बंद होने के बाद मंदिर में लोगों की भीड़ बढ़ गई. किरीबुरु के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) कमलेश राय समेत अन्य अधिकारी भी लोकेश्वर मंदिर में जलाभिषेक व पूजा-अर्चना कर क्षेत्र के लोगों की खुशहाली व विकास की कामना की. दूसरी तरफ ॐ शांति स्थल मंदिर प्रांगण में भक्तों के लिये स्थानीय सामाजिक संगठन द्वारा भोग के रुप में खिचड़ी और खीर बांटा गया.

सावन महीने की पहली सोमवारी सुबह से हो रही बारिश के बीच चक्रधरपुर व आसपास क्षेत्र के शिवालयों में जलाभिषेक व पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु पहुंचे. चक्रधरपुर के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी थी. महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जल, दूध से अभिषेक कर पूजा अर्चना की. भगवान भोलेनाथ को बेलपत्र, भांग, धतुरा अन्य फल, फूल चढ़ाया गया. कई मंदिरों में भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया. वहीं पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद बांटे गए. इस अवसर पर शिवालयों को आकर्षक तरीके से सजाया गया था. चक्रधरपुर की रेलवे के आरई कॉलोनी शिव मंदिर, पंडित हाता शिव मंदिर, सोनुवा बस स्टैंड शिव मंदिर, लोको कॉलोनी शिव मंदिर, श्मशान काली मंदिर स्थित शिव मंदिर, टाउन काली स्थित शिव मंदिर, पुरानी रांची रोड स्थित शिव मंदिर आदि में लोगों ने पूजा की.

महादेवशाल धाम में दूर दराज से पहुंचे लोग

झारखंड के दूसरे बाबा धाम के नाम से विख्यात पश्चिमी सिंहभूम जिला के गोइलकेरा स्थित महादेवशाल धाम शिव मंदिर में सावन के पहले सोमवार पर जलाभिषेक व पूजा अर्चना के लिए दूर दराज से लोग पहुंचे. हालांकि पहली सोमवारी में ज्यादा भीड़ नहीं रही. सोमवार को अहले सुबह मंदिर के द्वार खोल सबसे पहले पुजारी ने विधिवत पूजा अर्चना की. इसके बाद महिला पुरुष श्रद्धालुओं ने कतार में लगकर जलाभिषेक किया. विभिन्न जगहों से महिला-पुरुष श्रद्धालु पैदल व डाक बम कांवर लेकर जलाभिषेक के लिए पहुंचे थे. चक्रधरपुर, मनोहरपुर, आनंदपुर, सोनुवा, गोइलकेरा, कराईकेला, चाईबासा, कोल्हान प्रमंडल के विभिन्न जगहों के अलावा झारखंड के अन्य क्षेत्र व ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ से भी श्रद्धालु पहुंचे और जलाभिषेक किया.

25 को पंचायत प्रतिनिधि संघ का किया जाएगा गठन

संवाददाता | चांडिल

चांडिल अनुमंडल स्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संघ का चुनाव 25 जुलाई को होगा. इसके लिए अनुमंडल क्षेत्र के चारों प्रखंड के सभी त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि बैठक में भाग लेंगे. इसकी तैयारी के लिए चांडिल डैम के निकट योगा भवन में पंचायत प्रतिनिधियों की बैठक हुई. बैठक में चांडिल, ईचागढ़, नीमडीह व कुकड़ू प्रखंड के कई पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए. मौके पर पंचायत प्रतिनिधियों की समस्या और अन्य मुद्दों पर चर्चा की गयी. बैठक की अध्यक्षत जिला परिषद उपाध्यक्ष सह कुकड़ू की जिला परिषद सदस्य मधुश्री महतो ने की. उन्होंने कहा कि बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों ने विकास के मुद्दे पर चर्चा की. अपने क्षेत्र को किस प्रकार विकास के शिखर पर ले जाएं, सरकारी योजनाओं का लाभ किस प्रकार सभी वास्तविक लाभुकों तक पहुंचाएंगे, गांव और अपने निर्वाचन क्षेत्र में समस्याओं को किस प्रकार दूर करेंगे, इन मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया. उन्होंने बताया कि कम उपस्थिति के कारण संघ का चुनाव नहीं किया गया. इसके लिए 25 जुलाई की तिथि निर्धारित की गई है. बैठक में धुनाबुरु के पंचायत समिति सदस्य भद्रु सिंह सरदार, रूदिया के पंचायत समिति सदस्य गुरुपद हांसदा, झाबरी के पंचायत समिति सदस्य उर्मिला देवी, चांडिल की पंचायत समिति सदस्य रजिया सुल्ताना आदि उपस्थित थे.

बैंककर्मियों के खिलाफ भाजपा का अनशन शुरू

चांडिल । बैंक ऑफ इंडिया रघुनाथपुर शाखा के प्रबंधन पर अनियमितता, मनमानी व भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए भाजपा नेताओं ने सोमवार से बैंक के समक्ष आमरण अनशन शुरू किया. आमरण बनशन में भाजपा के नीमडीह पश्चिमी मंडल अध्यक्ष चिनिवास महतो, नीमडीह पूर्वी मंडल अध्यक्ष वासुदेव सिंह सरदार, जिला कार्यसमिति सदस्य चंद्रमोहन दास, भीमसेन महतो, सरला महतो व हरिपद सिंह बैठे हैं. भाजपा नेताओं का आरोप है कि बैंक ऑफ इंडिया रघुनाथपुर शाखा में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपभोक्ताओं का केवाईसी लंबित है. इस अवसर पर भाजपा के जिला महामंत्री मधुसूदन गोराई, जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता देवाशीष राय, भोलानाथ सिंह समेत बड़ी संख्या में नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे.

ट्रेन ठहराव के लिए सांसद ने डीआरएम को लिखा पत्र

संवाददाता | चक्रधरपुर

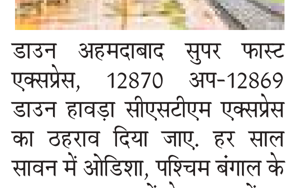

सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने गोईलकेरा प्रखंड के महादेवशाल स्टेशन में पांच जोड़ी एक्सप्रेस एवं सुपरफास्ट ट्रेनों का अस्थायी ठहराव देने की मांग रेलवे से की है. इस संदर्भ में उन्होंने चक्रधरपुर के डीआरएम को पत्र लिखा है. पत्र में सांसद ने मांग की है कि गोईलकेरा के प्रसिद्ध बाबा महादेवशाल मंदिर में जलाभिषेक के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए महादेवशाल स्टेशन में सावन महीने को ध्यान में रखते हुए 18189 अप-18190 डाउन एर्नाकुलम एक्सप्रेस, 18477 अप-18478 डाउन कलिंगा उत्कल एक्सप्रेस, 18030 अप-18029 डाउन शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस, 12834 अप-12833 डाउन अहमदाबाद सुपर फास्ट एक्सप्रेस, 12870 अप-12869 डाउन हावड़ा सीएसटीएम एक्सप्रेस का ठहराव दिया जाए. हर साल सावन में ओडिशा, पश्चिम बंगाल के अलावा अन्य राज्यों से श्रद्धालुओं का सैलाब महादेवशाल मंदिर आकर शिव का जलाभिषेक करते हैं. एक दिन पूर्व रविवार को श्रावणी मेला उद्घाटन के क्रम में सेवा समिति के सदस्यों ने सांसद को कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव महादेवशाल मंदिर स्थित स्टेशन में नहीं दिये जाने की शिकायत की थी.

न्यूज अपडेट

पैसे के अभाव में शव 13 घंटा अस्पताल में पड़ा रहा

किरीबुरु । किरीबुरु के युवक गुड्डू राय की इलाज के दौरान पटना के एक अस्पताल में मौत होने से शोक की लहर है. गुड्डू राय किरीबुरु के एक ठेका कंपनी के अधीन स्क्रीनिंग प्लांट में ऑपरेटर के रुप में कार्य करता था. उसकी पत्नी और दो बच्चे हैं. वह अपनी सास के श्राद्धकर्म में शामिल होने पत्नी के साथ ससुराल गया था. वहां उसकी तबीयत बिगड़ने के बाद पहले हाजीपुर, फिर समस्तीपुर एवं उसके बाद पटना के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया. वहां इलाज के दौरान रविवार की रात उसकी मौत हो गई. बकाया पैसा को लेकर गुड्डू का शव अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों को नहीं दिया. इसके बाद किरीबुरु के ठेकेदार व उसके कुछ दोस्तों ने पैसा इकट्ठा कर भेजा. सोमवार की दोपहर शव को परिजनों को सौंपा गया.

चांडिल : शिशु-विद्या मंदिर में मना गुरु पूर्णिमा महोत्सव

चांडिल । नौरंगराय सूर्यादेवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर चांडिल में सोमवार को गुरु पूर्णमा महोत्सव मनाया गया. रविवार को अवकाश रहने के कारण कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य कुणाल कुमार ने महर्षि वेदव्यास जी के चित्र पर व पवित्र भगवा ध्वज के समीप दीप प्रज्ज्वलित कर और पुष्प अर्पित कर किया. इस अवसर पर बारी-बारी से सभी ने भगवा ध्वज के समक्ष पूजन कर ध्वज को प्रणाम किया. इसके बाद व्यास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर गुरु पूजन का कार्य किया. कक्षा शिशु प्रवेश से दशम वर्ग तक के भैया-बहनों ने गुरु पूजन करते हुए उनके मार्ग पर चलने का संकल्प लिया. गुरु पूर्णमा के अवसर पर भैया-बहनों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया.

सीआरपीएफ 26वीं बटालियन ने किया पौधरोपण

किरीबुरु । सावन माह में शिवरात्रि के प्रथम सोमवार के शुभ अवसर पर सीआरपीएफ 26वीं बटालियन के कमांडेंट राजीव रंजन के निर्देशानुसार किरीबुरु के मुर्गापाड़ा स्थित कैम्प परिसर में शिव पूजन संबंधित कार्यकम का आयोजन किया गया. पूजा में सहायक कमांडेंट के साथ अन्य अधिकारी भी शामिल हुए. इसके बाद सीआरपीएफ कैंप परिसर में अधिकारियों और जवानों ने पौधरोपण किया गया. इसमें सुबीर कुमार मंडल, सहायक, कमांडेंट एवं डैट/26 एवं ई/26 बटालियन, सीआरपीएफ के सभी अधिकारी एवं जवान शामिल थे. कार्यक्रम में बाजार समिति किरीबुरू के अध्यक्ष चन्दन जयसवाल, सदस्य मो. वसीम, अमित कुमार झा, आयुष कुमार चौरसिया, मो. मुस्तफा आदि ने भाग लिया.

इंटक ने गुवा आंदोलन का श्रेय ऑपरेटर व चालकों को दिया

किरीबुरु । बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन (इंटक), गुवा कार्यालय में रविवार की रात विशेष बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक में सर्वप्रथम इंटक के पूर्व जोनल सचिव स्वर्गीय दुचा टोप्पो को श्रद्धांजलि देकर सभा की शुरुआत की गई. बैठक में जोनल सचिव जयसिंह नायक ने पिछले दिनों संयुक्त यूनियन के चार सूत्री मांगों को लेकर गुवा सेल में चले आंदोलन की सफलता के लिए माइनिंग विभाग के सभी ऑपरेटर, मोटर गैरेज के बस ड्राइवरों एवं अन्य विभागों के सभी कर्मियों को धन्यवाद दिया. बैठक में कमलजीत सिंह, अनुप नाग, सिकंदर महतो, दशरथ पान, मनोज सिंह, गुरुचरण पान, शम्भू पूर्ति, सुरेश गोप, मंगलू साहू, सुरेंद्र सिन्हा, यशपाल सिंह, सुशील हेम्ब्रम, भादो टोप्पो, सुरेंद्र मांझी, कुंभकरण सामंता, सुदाम चंद्र गिरि, गगन साहू आदि मौजूद थे.

बैठक परिवहन मंत्री ने गुवा डीवी में मानकी-मुंडाओं और कार्यकर्ताओं के साथ की वार्ता

सरकार बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए प्रयासरत है : दीपक

- सारंडा के गावों का विकास के लिए भी कोशिश जारी
- आदिवासियों को अब तक ठगा जाता रहा है

संवाददाता | किरीबुरु

ग्रामीणों संग वार्ता करते मंत्री दीपक बिरुवा व जिप अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन.

झारखंड सरकार सारंडा के गांवों में बुनियादी सुविधाएं बहाल करने के साथ-साथ बेरोजगारों को रोजगार मुहैया कराने का भी कार्य करेगी. यह बात परिवहन मंत्री दीपक विरुवा ने रविवार की रात गुवा डीवी में मानकी-मुंडाओं व कार्यकर्ताओं के साथ हुई बैठक में कही. बैठक में ग्रामीणों ने अपने गांवों में पेयजल, चिकित्सा, रोजगार, शिक्षा आदि से संबंधित समस्याओं को बताया एवं उसके निराकरण की मांग की.

परिवहन मंत्री दीपक विरुवा को बताया कि इस क्षेत्र में भोले भाले आदिवासियों को ठगा जाता रहा है. रोजगार व अन्य सुख सुविधाओं के नाम पर सिर्फ उन्हें गुमराह किया जाता रहा. जब तक ग्रामीणों तक बुनियादी सुविधायें नहीं पहुंचेगी, तब तक गांव व समाज विकसित नहीं होगा. स्थानीय युवा उच्च शिक्षा के अभाव में रोजगार के साथ-साथ अन्य सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं. झारखंड सरकार बुनियादी तौर से सारंडा में रोजगार मुहैया कराने के साथ-साथ सुविधाएं बहाल करेगी. उन्होंने कहा कि सेल प्रबंधन क्षेत्र के बेरोजगारों को नोटसीट एवं सप्लाई मजदूर के रुप में अधिक से अधिक रोजगार दे. जब तक ग्रामीणों के चेहरे पर खुशहाली नहीं आएगी सेल का भी विकास संभव नहीं है. इस दौरान सेल के सेवानिवृत्त दर्जनों लोगों ने अपने एक-एक आश्रित को गुवा खदान में नौकरी दिलाने की मांग की.

परिवहन मंत्री दीपक विरुवा ने इसके बाद सेल की गुवा खदान के अधिकारियों से विभिन्न समस्याओं को लेकर वार्ता की. उन्होंने गुआ खदान से प्रभावित सारंडा के 23 गांवों का विकास सीएसआर योजना से करने के अलावे तत्काल 10 बेरोजगारों को बतौर ठेका मजदूर के रुप में रोजगार देने को कहा. उन्होंने सेल गुवा अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने का निर्देश दिया. 10 दिनों में प्रबंधन से मांगों पर की जा रही कार्यवाही की जानकारी मांगी है.

बैठक में मंत्री के निजी सहायक सुभाष बनर्जी, जिप अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, झामुमो नेता अभिषेक सिंकु एवं वृन्दावन गोप, महाप्रबंधक शंकर प्रसाद दास, उप प्रबंधक नरेंद्र कुमार झा, उप महाप्रबंधक डॉ आनंद कुमार, महाप्रबंधक सीबी कुमार, मानकी सुरेश चाम्पिया, नुईया गांव के मुंडा दुरुसू चाम्पिया, मंगल पूर्ति, चरण चाम्पिया, दामु चाम्पिया, मोटाय सिद्धू के अलावे पेचा, जोजोगुटू, बहदा, छोटानागरा, राईका, लिपुंगा, ठाकुरा एवं आसपास के 18 गांव के ग्रामीण प्रतिनिधि उपस्थित थे.

स्वतंत्रता दिवस खेल मिलन समारोह कमिटी का गठन

संवाददाता | किरीबुरु

गुवा के कल्याण नगर स्थित दुर्गा मंडप प्रांगण में रविवार देर शाम को किशोर संघ स्पोर्टिंग क्लब ने स्वतंत्रता दिवस खेल मिलन समारोह 2024 के आयोजन हेतु बैठक की. बैठक की अध्यक्षता किशोर संघ स्पोर्टिंग क्लब आयोजन समिति के उपाध्यक्ष सीरीप हांसदा ने की. सीरीप हांसदा ने बताया कि यह आयोजन पिछले 35 वर्षों से किया जा रहा है. स्वतंत्रता दिवस खेल मिलन समारोह के आयोजन को लेकर बैठक में प्रतिस्पर्धाओं पर चर्चा की एवं कमिटी के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया. नयी कमिटी के अध्यक्ष पंचम जॉर्ज सोय एवं पंकज गुप्ता, उपाध्यक्ष सीरीप हांसदा एवं समीर हलधर, सचिव दिनेश नाग व रामनाथ समद, सह सचिव विजय कुमार दास व जीवन हंसदा बनाए गए. कोषाध्यक्ष गणेश मिश्रा एवं लक्ष्मण तांती, सह कोषाध्यक्ष शेख जावेद एवं विजय डुंगडुंग को बनाया गया. कार्यकारिणी सदस्य में मुरली हेम्ब्रम, तुलसी सांडिल, अनूप तिर्की, अनिष पान, मनीष वर्मा, रजनीश केशरी, प्रवीण नाग, मो. सोनु, किशन दास, दिनेश झा, मो. मोनु, सनातन हो, प्रदीप नाग, अनुरेश बरुवा, मो. अनीश को शामिल किया गया है.

बेरोजगारी के खतरे

बेरोजगारी इस समय सबसे बड़ा मुद्दा है. इससे आंखें चुराना किसी भी देश के लिए कभी भी घातक साबित हो सकता है. बेरोजगारी के कई पहलू हैं. उन्हें भी गंभीरता से समझने की जरूरत है. भारत में जिस तरह अनुबंध के आधार पर रोजगार को बेरोजगारी दूर करने का हल बताया जा रहा है, उससे भी एक गंभीर सवाल बन कर खड़ा हो रहा है. गिग्स वर्कर्स की समस्या भी झारखंड सहित पूरे देश को परेशान कर रही है. बढ़ती आर्थिक और सामाजिक असमानता के कारण भी राज्य और देश में खास कर युवाओं के मन में असंतोष बढ़ा है. विधान सभा चुनाव के पहले झारखंड के डेढ़ लाख कर्मियों के आंदोलन को इसी संदर्भ में समझने की जरूरत है. जरूरत इस बात की भी है कि इन समस्याओं के स्थायी हल की दिशा में ठोस कदम उठाये जायें. संसद के बजट सत्र में देश के युवाओं को यह बताने की जरूरत है कि केंद्र सरकार के पास बेरोजगारी दूर करने का रोडमैप क्या है. इसी तरह झारखंड सरकार को भी कम समय के भीतर ही राज्य के युवाओं को वह राह दिखाने की जरूरत है, जिस पर चल कर वे अपने असंतोष को दूर कर सकें. एनएसएसओ सलाहकार समिति के सदस्य रह चुके एक अर्थशास्त्री का दावा है कि जिन आठ करोड़ रोजगार पैदा करने की बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले कुछ समय से कर रहे हैं, उसमे छह करोड़ तो कृषि क्षेत्र के वे लोग हैं, जो शहर में बेरोजगार होने के बाद अपने गांव लौटने को मजबूर हो गए. ये शहर से गांव लौटे कृषि में लगे अंडर इंप्लायड लोग हैं. उन्हें भी मोदी जी ने नए रोजगार सृजन में गिन लिया है. यानी वास्तविक रोजगार के आंकड़ों को छुपाने का प्रयास यह बताता है कि समस्या बेहद संगीन है. उसी अर्थशास्त्री के अनुसार पहले हर दो घंटे तीनं युवा आत्महत्या कर रहे थे, अब हर घंटे दो. इस तरह आत्महत्या की दर 33% बढ़ गई है. 2019 में चुनाव पूर्व सीएसडीएस सर्वे में 37% लोगों ने माना था कि उन्हें रोजगार पाना मुश्किल होता जा रहा है, जबकि 2024 में ऐसा मानने वालों की संख्या 62% हो गई. पड़ोसी देश बंगलादेश में हिंसा की लपटों ने जिस तरह पूरे देश को गिरफ्त में ले लिया है, उससे भारत को भी सबक लेने की जरूरत है. बांग्लादेश में हिंसा तो स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को 30 प्रतिशत आरक्षण के विरोध में शुरू हुई. भारत की तरह ही बांग्लादेश भी बेरोजगारी की विकट समस्या झेल रहा है. 17 करोड़ की आबादी में लगभग दो तिहाई लोग कामकाज की उम्र वाले हैं. हर साल एक करोड 90 लाख नए लोग रोजगार बाजार तक पहुंच पाते है. प्राइवेट नौकरियां अस्थायी किस्म की हैं, जिनमें सामाजिक सुरक्षाओं का अभाव है. इसलिए सरकारी नौकरी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है. ऐसे में छात्रों और नौजवानों के ताजा गुस्से को समझा जा सकता है. इस लिहाज से देखें, तो समस्या की जड़ ऐसी अर्थव्यवस्था का प्रसार है, जिसमें श्रमिक वर्ग के लिए सम्मानजनक परिस्थितियां निर्मित नहीं होतीं. दूसरी तरफ गैर-बराबरी बढ़ती है.

> इस तरह आत्महत्या की दर 33% बढ़ गई है. 2019 में चुनाव पूर्व सीएसडीएस सर्वे में 37% लोगों ने माना था कि उन्हें रोजगार पाना मुश्किल होता जा रहा है, जबकि 2024 में ऐसा मानने वालों की संख्या 62% हो गई.

सुभाषित

सर्वं परवशं दुःखं सर्वमात्मवशं सुखम्।
एतद्विद्यात् समासेन लक्षणं सुखदुःखयोः।।

दूसरों पर निर्भर रहना सर्वथा दुख का कारण होता है. आत्मनिर्भर होना सर्वथा सुख का कारण होता है. सारांश, सुख–दुःख के ये कारण ध्यान में रखें और तदनुकूल आचरण करें. यह प्रयास करें कि किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़े. हर मामले में आत्म निर्भर बनें और आनंद पूर्वक रहें.

यूरोप में अतिवाद के बढ़ते कदम रुकेंगे!

जनता की नाराजगी का दोहन करने के लिए, फासीवादी अक्सर बड़ी पूंजी के विरोध की मुद्रा अपनाने से शुरुआत करते हैं, जैसा कि मिसाल के तौर पर हिटलर ने किया था. ऐसा करते हुए भी उन्हें आम तौर पर, खुले आम नहीं तो चोरी छिपे ही सही, कुछ इजारेदारों की मदद मिल रही होती है. बहरहाल, एक बार जब वे सत्ता में आ जाते हैं, वे पूरी तरह से बड़ी पूंजी के साझीदारों के रूप में अपना असली चेहरा दिखा देते हैं और अपने ही उन समर्थकों के खिलाफ सफाए की मुहिम तक चलाने के लिए तैयार हो जाते हैं, जो अपने पुराने इजारेदार विरोधी नारों पर ही कायम रहते हैं.

• देश-काल

प्रभात पटनायक

जिदुनिया के बड़े हिस्से में फासीवादी सरकारें या तो आ चुकी हैं या उनके सत्ता में आने का खतरा सिर पर मंडरा रहा है. इस समय यूरोप में ही कई देश हैं, जहां फासीवादियों के नेतृत्व में सरकारें चल रही हैं. फ्रांस का नाम इस सूची में जुड़ना बचा है. अगर वह भी इस सूची में शामिल हो जाता तो इटली के बाद यह दूसरी बड़ी यूरोपीय शक्ति होती, जहां फासीवादी सरकार कायम होती. अगर ऐसा होता तो यह बहुत भारी ऐतिहासिक महत्व की घटना होती. यह मार्शल पेटेन के नेतृत्व में बनी विंची सरकार के बाद से, जिसने अजीब तरीके से हिटलर के साथ गठजोड़ किया था, फ्रांस की पहली ही फासीवादी सरकार होती. इस देश के लिए, जिसने कब्जावर नाजियों के खिलाफ एक बहादुरीपूर्ण सशस्त्र संघर्ष चलाया था और जहां हमेशा ही बहुत मजबूत वामपंथी तथा ट्रेड यूनियन आंदोलन रहा है, यह घटनाक्रम का बहुत ही त्रासद मोड़ होता. न सिर्फ इस खतरे को रोक दिया गया है, बल्कि फ्रांसीसी चुनाव के दूसरे तथा अंतिम चक्र में, न्यू पॉपूलर फ्रंट विजयी होकर निकला है.

वैसे फासीवाद का उदय अपने आपमें समझ में ही नहीं आने वाला हो, ऐसा भी नहीं है. फासीवाद, पूंजीवाद के संकट के दौर में तब मंच के केंद्र में आ जाता है, जब बड़ी पूंजी अपने वर्चस्व के लिए किसी भी खतरे को परे धकेलने के लिए, फासीवादी तत्वों के साथ गठजोड़ कर लेती है और इसके लिए किसी असहाय अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ ध्यान-बंटाऊ फासीवादी विमर्श को आगे बढ़ाया जाता है. ऐसा ही 1930 के दशक की महामंदी के दौरान हुआ था और ऐसा ही आज हो रहा है, जब नव-उदारवादी पूंजीवाद, गतिरोध तथा संकट के लंबे दौर में प्रवेश कर चुका है. एक आंकड़ा देना ही काफी होगा. 2023 में यूरोपीय क्षेत्र में, जिसमें 19 देश आते हैं, प्रतिव्यक्ति वास्तविक कुल खर्च-योग्य या डिस्पोजेबल आय (सरकार के करों तथा सब्सीडियों को हिसाब में लेने के बाद परिवारों की आय), 2008 की तुलना में सिर्फ 6.4 फीसद बढ़ी थी. यह अपने आप में नगण्य बढ़ोतरी है. लेकिन, यहां दो नुक्ते और भी दर्ज करने वाले हैं. पहला यह कि यहां परिवारों की संज्ञा में, गरीब और अमीर, सारे परिवार आ जाते हैं और इसीलिए, इसी दौर में आय की असमानता में जो बढ़ोतरी हुई है उसे देखते हुए, आबादी के अधिकांश हिस्से की डिस्पोजेबल आय में वास्तव में शायद ही कोई बढ़ोतरी हुई होगी. दूसरे, सकल पारिवारिक आय के इस आंकड़े में से, छोटे पूंजीपतियों तथा छोटे उत्पादकों के स्वामित्व वाले पूंजी स्टॉक के छीजने को घटाया नहीं जाता है. इस समूह की कुल पारिवारिक आय के अनुपात के रूप में पूंजी स्टॉक के इस तरह छीनने का हिस्सा आज, 2008 की तुलना में कहीं ज्यादा हो गया होगा, क्योंकि क्षमता उपयोग का अनुपात घटने के चलते आज, पूंजी-उत्पाद अनुपात कहीं ऊपर चढ़ गया है. इसलिए, इस कारण से भी आबादी के अधिकांश हिस्से की शुद्ध पारिवारिक प्रतिव्यक्ति डिस्पोजेबल आय बहुत ही थोड़ी बढ़ी होगी. जनता के बीच फैली जिस बुनियादी नाराजगी का फासीवाद दोहन करता है, उसके जीवन स्तर के उस निचोड़े जाने से पैदा होती, जिसे नव-उदारवादी पूंजीवाद के अंतर्गत आर्थिक गतिरोध द्वारा थोपा जाता है.

बहरहाल, बड़ी पूंजी और फासीवादी नौसिखियों के बीच गठजोड़, अलग-अलग तरीकों से होता है. जनता की नाराजगी का दोहन करने के लिए, फासीवादी अक्सर बड़ी पूंजी के विरोध की मुद्रा अपनाने से शुरुआत करते हैं, जैसा कि मिसाल के तौर पर हिटलर ने किया था. ऐसा करते हुए भी उन्हें आम तौर पर, खुले आम नहीं तो चोरी छिपे ही सही, कुछ इजारेदारों की मदद मिल रही होती है. बहरहाल, एक बार जब वे सत्ता में आ जाते हैं, वे पूरी तरह से बड़ी पूंजी के साझीदारों के रूप में अपना असली चेहरा दिखा देते हैं और अपने ही उन समर्थकों के खिलाफ सफाए की मुहिम तक चलाने के लिए तैयार हो जाते हैं, जो अपने पुराने इजारेदार विरोधी नारों पर ही कायम रहते हैं.

भारत इस मामले में अपवाद है. भारत में फासीवादी तत्वों ने, धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ घृणा फैलाते हुए भी, बड़ी पूंजी से तथा खासतौर पर कुछ नये इजारेदार पूंजीपतियों से अपनी नजदीकी को छुपाने की कोई कोशिश नहीं की है. बहरहाल, फ्रांसीसी फासीवादियों ने इजारेदार-विरोधी शोर करने से शुरुआत की थी. फ्रांसीसी फासीवादी नेता, मरीन लु पेन नव-उदारवाद के विरोध का इतना ज्यादा दिखावा करती थीं कि जब ग्रीस में सिरिजा ने, जो पहले की सरकारों से भिन्न रास्ता अपनाने का वादा कर के सत्ता में आयी थी, अंततः वित्तीय पूंजी के दबाव के सामने घुटने टेक दिए थे, मरीन लु पेन ने उसके ऐसा करने को 'विश्वासघात' करार दिया था. लेकिन, इस प्रकटतः विरोधी मुद्रा के बावजूद, उनकी पार्टी को फ्रांसीसी मीडिया सम्राट और अरबपति निवेशक, विन्सेंट बोलोर का पूरा-पूरा समर्थन मिल रहा था. और फ्रांसीसी चुनाव की पूर्व-संध्या में उनकी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी, जॉर्डन बार्डेला ने वित्तीय पूंजी के लिए ज्यादा स्वीकार्य बनने की कोशिश में, उसके खिलाफ जाने वाले अपने पहले के घोषित रुखों से पीछे हटना शुरू भी कर दिया था.

ऐसा ही इटली में भी हुआ था. फासीवादियों की नेता, ज्यार्जिया मेलोनी इसका दिखावा करती थी कि उसका कार्यक्रम, उसके पूर्ववर्ती मारियो द्राघी के, सीधे-सच्चे नव-उदारवादी एजेंडा पर आधारित कार्यक्रम से भिन्न था. लेकिन, सत्ता में आने के बाद मेलोनी अपने पहले के वादों से मुकर गयीं और वित्तीय पूंजी की वफादार सहयोगी बन गयीं. यूक्रेन यूद्ध के मुद्दे पर भी यूरोपीय फासीवादी ठीक ऐसी ही पल्टी मारते हैं. यूरोपीय मजदूर वर्ग साफ तौर पर युद्ध के खिलाफ है और युद्ध से पैदा हुई मुद्रास्फीति से आहत है, तो रूस के खिलाफ पाबंदियां लगाए जाने के चलते, ईंधन की कीमतें बढने से आयी हैं. यूरोपीय मजदूर वर्ग चाहता है कि शांति लौटे. मजदूरों का समर्थन हासिल करने के लिए फासीवादी शुरू-शुरू में तो युद्ध पर अपनी असहमतियां जताते हैं, लेकिन एक बार जब वे सत्ता में आ जाते हैं, वे भी उसी तरह से अमेरिकी साम्राज्यवाद की लाइन का अनुसरण करने लगते हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

बहादुरी का दंभ

बहादुरी का अतिशय दंभ व्यक्ति को मूढ़ बना देता है. उसे भला-बुरा का भान नहीं रह जाता और अनर्थ कर बैठता है. पुराने समय की बात है जब ठाकुरों में आन बान शान और उसका दंभ हमेशा सिर चढ़ा रहता था. गांव में एक ठाकुर और एक बनिए का घर आमने सामने था. प्रातः काल दोनों ही अपनी दातुन विधी, घर के बाहरी चौकी पर सम्पन्न किया करते थे. प्रायः ठाकुर दातुन के पश्चात भीगी मूंछों पर ताव दिया करते और सामने बैठा बनिया भी मुंह धोने के बाद सहज ही मूंछों पर दोनों हाथ फेरा करता था. ठाकुर को अपने सामने ही एक भीरू बनिए का यूं मूंछों पर ताव देना हमेशा नागवार गुजरता था. मन तो करता था उसी समय बनिए को सबक सिखा दें, लेकिन घर परिवार की उपस्थिति में ठीक न मानकर मन मसोस कर रह जाते. प्रतिदिन की यह क्रिया उनके रोष की ज्वाला को और भी तीव्र किए जाती थी. संयोगवश एक दिन गांव के बाहर मार्ग में दोनों का आमना सामना हो ही गया. ठाकुर ने बनिए को देखते ही गर्जना की- "क्यों बे बनिए, शूरवीरता बढ़ गई है जो हमेशा मेरे सामने ही अपनी मूंछों पर ताव देता है?" बनिया भांप गया, आज तो गए काम से. किन्तु फिर भी अपने आप को सम्हालते हुए बोला, "वीरता और बहादुरी किसी की बपौती थोडे ही है" ठाकुर फिर गरजा- " अच्छा!? तो निकाल अपनी तलवार, आज बहादुरी और बल का फैसला हो ही जाय." तत्काल बनिया नम्र होते हुए बोला- ₹देखिए ठाकुर साहब, अगर लड़ाई होगी तो हम में से किसी एक का वीरगति को प्राप्त होना निश्चित है. मरने के बाद निश्चित ही हमारा परिवार अनाथ हो जाएगा. उन्हें पीछे देखने वाला कौन? अतः क्यों न हम पहले इसके पीछे की झंझट का सफाया कर दें, फिर निश्चिंत होकर बलाबल की परीक्षा करें?₹ ठाकुर साहब मान गए. घर जाकर, सफाया करके पुनः निर्णय स्थल पर आ गए. थोडी ही देर में बनिया जी भी आ गए. ठाकुर ने कहा- "ले अब आ जा मैदान में."

बनिए ने कहा- "ठहरिए ठाकुर साहब! क्या है कि मैं जब सफाया करने घर गया तो सेठानी नें कहा कि यह सब करने की जरूरत नहीं. आप अपनी मूंछ नीचे कर देना और कभी ताव न देने का वादा कर देना, अनावश्यक लडाई का क्या फायदा? इसलिए लीजिए, मैं अपनी मूंछ नीचे करता हूं और आपके सामने कभी उन पर ताव नहीं दूंगा.₹ ₹चल फुट्ट बे डरपोक कहीं का!!₹ कहते हुए दूसरे ही क्षण ठाकुर साहब, दोनो हाथों से अपना सर पकडते हुए वहीं पस्त होकर बैठ गए.

जरूरी है आतंकवाद के विरुद्ध एकीकृत अभियान

• सुरक्षा

ले. जनरल डीएस हुड्डा

जम्मू संभाग से कैप्टन बृजेश थापा और तीन अन्य बहादुर सैनिकों के शहीद होने की दुखद खबर आई है. उन्होंने डोडा जिले के देसा वन में आतंक-रोधी अभियान में अपने फर्ज को अंजाम देते हुए जीवन की आहुति दी है. यह घटना पिछली वारदात के एक हफ्ते के अंदर घटी है, जिसमें सैनिकों पर घात लगाकर किए गए कातिलाना हमले में पांच सैनिक शहीद हुए थे. कठुआ जिले के बदनोता गांव के पास उनके वाहन को निशाना बनाया गया था.कभी अपेक्षाकृत शांत समझे जाने वाले जिले पुंछ और राजौरी में भी पिछले दो सालों से चिंतित करने वाली आतंकी घटनाओं में उछाल आया है. अब आतंकी गुट रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में हमले करने लगे हैं, जिन्हें पहले कमोबेश आतंक-मुक्त माना जाता था. ऐसा होने पर जम्मू संभाग के एक छोर से दूसरे तक टकराव के बिंदु उभर आए हैं, यह आतंकवादियों द्वारा सोच-समझकर इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाली नीति का संकेत है. आधुनिक हथियारों से लैस और अच्छी तरह प्रशिक्षण प्राप्त आतंकवादी जम्मू की अंतरराष्ट्रीय सीमा से होकर घुसपैठ करने में सफल रहे हैं. इस बात की पूरी संभावना है कि घुसपैठ पंजाब वाली सीमा से भी हुई होगी. जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आरआर सिवान ने भी इस कयास को कबूलते हुए कहा है 'कुछ घुसपैठ हो रही है, यह सबको मालूम है.'जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से निपटने में दो मुख्य पहलू हैं. प्रथम, पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध आतंकवाद को बतौर राजकीय नीति बरतने से रोकना. इस पर नियंत्रण प्राप्ति के लिए जरूरत है भारत की राष्ट्रीय शक्ति का निरंतर एवं भरोसेमंद प्रदर्शन किया जाना, ताकि पाकिस्तान को अहसास हो कि ऐसी नीतियां अंततः उसका अपना नुकसान करेंगी. यह वह दीर्घ-कालीन प्रयास है, जिसमें राजनयिक, आर्थिक और संभावित सैन्य उपाय शामिल हैं. दूसरा पहलू है, भारतीय भूमि से आतंकवाद को सख्ती से उखाड़ फेंकना. हालांकि सामान्य आतंक-रोधी अभियानों में कुछ झटके लगना स्वाभाविक होता है परंतु उनके सतत हमले, जिसमें आतंकवादियों को नुकसान की बनिस्बत सैनिकों और सिविलियनों की जानें ज्यादा जाएं, यह सुरक्षा बलों द्वारा अपनाई रणनीति और उपायों पर गंभीर सवाल है. सैन्य नेतृत्व के लिए यह जरूरी है वे अपने तौर-तरीकों की समीक्षा करें, अपने निजी अनुभवों के आधार पर मेरे कुछ सुझाव हैं.अंतरराष्ट्रीय सीमा और वास्तविक नियंत्रण सीमा रेखा पर लागू आतंकी घुसपैठ रोधी तंत्र को सुदृढ़ किया जाए. इसके लिए जहां जरूरी हो, वहां अतिरिक्त बल की तैनाती की जाए. तथापि, यहां पर इंसानी सहनशक्ति की सीमा की पहचान करना बहुत महत्वपूर्ण है. महीनों तक, लगातार काम में लगे रहने से थकान हावी होना स्वाभाविक है. जिससे ध्यान केंद्रित रखने में बाधा और गलतियां करने की संभावना बढ़ जाती है. विशेष सुरक्षा बलों को आतंक-रोधी अभियानों में अधिक जिम्मेवारी दी जाए. यह हमारे वह सबसे बढ़िया प्रशिक्षित सैनिक हैं, जो पहाड़ी और वनीय इलाके में अक्सर छिपने वाले आतंकियों को ढूंढ़कर मार गिराने के लिए छोटी टोली में बंटकर, अभियान चलाने के लिए आदर्श रूप में सटीक बैठते हैं. अतिरिक्त विशेष बलों को तैनात कर और चिह्नित इलाके में अपना काम करने का मुक्तहस्त देकर, हम अपने अभियानों की प्रभावशीलता बढ़ा सकते हैं. खुफिया सूचनाएं सफल अभियानों की रीढ़ की हड्डी होती हैं. अक्सर इंसान से मिली खुफिया जानकारी सबसे विश्वसनीय होती है. स्थानीय समुदायों को अपने साथ जोड़कर, हम अपने गुप्त सूचना तंत्र को विस्तार दे सकते हैं. बेशक कुछ ऐसे स्थानीय लोग भी होंगे, जो आतंकियों के पक्षधर हैं, लेकिन फिर भी जम्मू की कुल आबादी में अधिसंख्यक घोर राष्ट्रवादी हैं. इसलिए स्थानीय लोगों को शक की निगाह से देखने का परिणाम उलट हो सकता है. इसकी बजाय, हमें स्थानीय लोगों से अधिक संख्या में विशेष पुलिस अधिकारी और ग्राम सुरक्षा प्रहरी भर्ती करने चाहिए. ये लोग हमारे लिए आंख और कान का काम करेंगे, साथ ही आतंकियों के विरुद्ध सुरक्षा की प्रथम पंक्ति भी मुहैया करवाएंगे. अधिक खुफिया सूचना प्रवाह बनने पर, सुरक्षा बल अपना 'खोज एवं खात्मा' अभियान प्रभावी रूप से चला पाएंगे.फिलहाल उस इलाके में कई सुरक्षा संगठन काम में लगे हैं. सीमा सुरक्षा बल अंतरराष्ट्रीय सीमा का ख्याल रखती है, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल अंदरूनी क्षेत्र में सड़क सुरक्षा प्रदान करती है तो केंद्र शासित प्रदेश का पुलिस बल स्थानीय कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> प्रथम, पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध आतंकवाद को बतौर राजकीय नीति बरतने से रोकना. इस पर नियंत्रण प्राप्ति के लिए जरूरत है भारत की राष्ट्रीय शक्ति का निरंतर एवं भरोसेमंद प्रदर्शन किया जाना, ताकि पाकिस्तान को अहसास हो कि ऐसी नीतियां अंततः उसका अपना नुकसान करेंगी. यह वह दीर्घ–कालीन प्रयास है, जिसमें राजनयिक, आर्थिक और संभावित सैन्य उपाय शामिल हैं.

देश की सियासत की दिशा किस ओर

• सियासत

जितेंद्र कुमार

पिछले डेढ़ महीने में बिहार से दो चुनाव परिणाम आए हैं. पहला परिणाम 2024 का लोकसभा चुनाव का था, जो 4 जून को आया था, जिसमें एनडीए ने 30 सीटें जीती थी और इंडिया को नौ सीटें मिली थीं और पप्पू यादव निर्दलीय चुनाव जीतकर आए थे. दूसरा चुनाव परिणाम 13 जुलाई को आया है जहां रुपौली विधानसभा से जनता दल यू की विधायक रही बीमा भारती के दलबदल के चलते उपचुनाव हुआ था और जो राजद की उम्मीदवार के रूप में भारी मतों के अंतर से तीसरे नंबर पर रही हैं. बीमा भारती वहां से पांच बार विधायक रह चुकी हैं और पिछली चार टर्म से अपराजेय बनी हुई थीं. उत्तर बिहार राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का गढ़ हुआ करता था, जहां से राजद बहुतायत सीटें जीतकर विधानसभा या संसद में पहुंचती थी. लेकिन नीतीश व बीजेपी ने अपने सामाजिक समीकरण को इस रूप में साधा है कि राजद हर बार उसी क्षेत्र में अटक जाती है, जो उसका पारंपरागत रूप से गढ़ हुआ करता था. इसके लिए सिर्फ नीतीश-बीजेपी की रणनीति को ही इतना सफल नहीं कहा जा सकता है, बल्कि राजद का अहंकार और जनता के बीच नेताओं की पहुंच न होने को मुख्य कारण माना जाना चाहिए.लोकसभा चुनाव के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो बिहार में एनडीए को 174 विधान सभा सीटों पर बढ़त मिली है, जबकि इंडिया गठबंधन को महज 62 सीटों पर बढ़त मिली है, जबकि पांच विधान सभा सीटों पर निर्दलीय और दो सीटों पर एआईएमआईएम को बढ़त मिली है. इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को उत्तर बिहार में सिर्फ 19 विधानसभा सीटों पर बढ़त मिली है. लालू-राजद के गढ़ उत्तर बिहार में कटिहार एकमात्र सीट है, जो इंडिया गठबंधन के हिस्से में आयी है, क्योंकि किशनगंज लोकसभा से पिछली बार कांग्रेस पार्टी ही विजयी रही थी. हां, निर्दलीय पप्पू यादव ने जद यू से जरूर पूर्णिया सीट छीन ली है, जहां तेजस्वी यादव ने न सिर्फ पप्पू यादव के खिलाफ कैंप किया था बल्कि यहां तक कह दिया था कि अगर वोट बर्बाद ही करना हो तो भाजपा गठबंधन को दे दीजिए, लेकिन पप्पू यादव को मत दीजिए. जिन लोगों को तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार में इंडिया गठबंधन का भविष्य काफी सुखमय लग रहा है, उन्हें कई बातों पर गौर करने की जरूरत है. पहली बात तो यह कि जिस राजद को 2020 के चुनाव में आपने सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में देखा था. उसके पीछे सीधे राजद नहीं था, बल्कि चिराग पासवान की लोजपा और बीजेपी का मिलाजुला खेल था, जिसने नीतीश कुमार के सभी उम्मीदवारों के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतार दिया था. इसी के कारण जदयू बिहार विधानसभा में तीसरे नंबर की पार्टी बन गयी थी. काफी लड़ाई-झगड़े के बाद अब चिराग पासवान फिर से एनडीए का हिस्सा हैं, जिसके पास दुसाधों का कम से कम साढ़े पांच फीसदी वोट शेयर है. राजद और इंडिया गठबंधन नेतृत्व इतने बड़े वोट की खाई को किस रूप में भरता है, यह सवाल सबसे महत्वपूर्ण है.अति पिछड़ों का अधिकांश वोट या तो बीजेपी के साथ चला गया है या आज भी जदयू के साथ है. बिहार में इंडिया गठबंधन के नेता तेजस्वी यादव की बिल्कुल ही दिलचस्पी नहीं है कि उन वोटों को अपने पक्ष में कैसे किया जाय. राजद नारा या सोशल मीडिया पर जो भी समीकरण बनाए या गढ़े, हकीकत तो यह है कि वह पूरी तरह 'माय' (मुसलमान व यादव) पर ही आश्रित है और उसी से चुनाव जीत लेना चाहती है जिसकी संख्या लगभग 34 फीसदी है. राजद की अतिरिक्त परेशानी यह भी है कि उसे यादव उम्मीदवार तो दिख जाता है, लेकिन जिस 20 फीसदी मुसलमानों का वोट चाहिए, उन्हें टिकट देने में परेशानी होती है. राजद को इस बात का डर सता रहा होता है कि अधिक मुसलमानों को टिकट देने से कहीं हिन्दुओं में राजद के लिए गुस्सा न बढ़ जाए. जबकि हकीकत में इन दोनों के अलावा किसी भी जाति या समुदाय का सहज पसन्द राजद नहीं है. राजद की एक अलग परेशानी यह भी है कि उसके पास अपने वोटरों से संवाद करने के लिए कोई कैडर नहीं है. पूरी पार्टी 'वन मैन शो' बनकर रह गया है. जमीनी स्तर पर न उसके पास कोई कार्यक्रम है और न ही उन सीमित कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश देने वाला नेतृत्व है. राजद मूलतः किसानों, मजदूरों व कुछ हद तक द्वितीय-तृतीय श्रेणी के नौकरी पेशा वालों (खासकर सरकारी दफ्तरों के क्लर्क व सभी तरह के स्कूलों के शिक्षकगण) की पार्टी है. उन्हें अपनी पार्टी से जोड़े रखने के लिए राजद के पास न कोई कार्यक्रम है और न ही उनसे संवाद करने के लिए किसी तरह का मंच है. बिना किसी राजनीतिक कार्यक्रम के पार्टी अपने कैडर से संबंध ही नहीं बैठा पाती है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को उत्तर बिहार में सिर्फ 19 विधानसभा सीटों पर बढ़त मिली है. लालू–राजद के गढ़ उत्तर बिहार में कटिहार एकमात्र सीट है, जो इंडिया गठबंधन के हिस्से में आयी है, क्योंकि किशनगंज लोकसभा से पिछली बार कांग्रेस पार्टी ही विजयी रही थी.हां, निर्दलीय पप्पू यादव ने जद यू से जरूर पूर्णिया सीट छीन ली है.

मीडिया में अन्यत्र

मुद्रास्फीति प्रबंधन पर जोर देने की जरूरत

जून माह की हेडलाइन मुद्रास्फीति दर 5.08 फीसदी के साथ चार माह के उच्चतम स्तर पर है जबकि उससे पिछले माह यह 4.8 फीसदी के स्तर पर थी। यह दर रिजर्व बैंक के 4 फीसदी के मुद्रास्फीति लक्ष्य से काफी अधिक है। बहरहाल, बाजार में एक नजरिया यह भी है कि चूंकि कोर मुद्रास्फीति की दर, जिसमें खाद्य और ईंधन आदि पदार्थ शामिल नहीं होते हैं, वह करीब तीन फीसदी पर है इसलिए मौद्रिक नीति समिति नीतिगत रीपो दर में कमी करने पर विचार कर सकती है.हेडलाइन दर प्राथमिक तौर पर खाद्य कीमतों से संचालित होती है. मोटे तौर पर यह आपूर्ति क्षेत्र से प्रभावित होती है और मौद्रिक नीति का ऐसी परिस्थितियों पर बहुत सीमित असर होता है. जून में खाद्य मुद्रास्फीति की दर 9 फीसदी से अधिक थी. मौद्रिक नीति समिति के हड़बड़ी नहीं करने की ठोस वजह मौजूद हैं लेकिन नए शोध नीतिगत दर के मसले पर समिति के बहुमत के रुख को मजबूती देते हैं.रिजर्व बैंक के ताजा मासिक बुलेटिन में प्रकाशित एक शोध आलेख, हालांकि यह केंद्रीय बैंक की आधिकारिक स्थिति को नहीं दर्शाता है, दिखाता है कि 2023-24 में चौथी तिमाही के लिए ब्याज की स्वाभाविक दर 1.4-1.9 फीसदी के बीच रही. उल्लेखनीय है कि ताजा अनुमान 0.8 से एक फीसदी के पिछले अनुमान से काफी बेहतर है. उक्त अनुमान 2021-22 की तीसरी तिमाही के लिए लगाया गया था.स्वाभाविक दर से तात्पर्य ब्याज की ऐसी दर से होता है जहां बचत स्थिर कीमतों के अनुरूप निवेश के बराबर हो. मौद्रिक नीति के लिहाज से देखें तो वास्तविक नीतिगत दर और स्वाभाविक ब्याज दर के बीच का अंतर नीति का रुख दर्शाता है या फिर वह यह दिखाता है कि नीति का रुख प्रतिबंधात्मक है या समायोजन वाला.चूंकि एमपीसी का अनुमान है कि चालू वर्ष में हेडलाइन मुद्रास्फीति की औसत दर 4.5 फीसदी रहेगी इसलिए 6.5 फीसदी की नीतिगत रीपो दर को निरपेक्ष माना जा सकता है क्योंकि यह स्वाभाविक ब्याज दर के ऊपरी स्तर के करीब है. निचले स्तर पर भी नीतिगत दर को 50 आधार अंक तक ही कम किया जा सकता है. बहरहाल, यह बात उल्लेखनीय है कि मौजूदा ढांचागत बदलावों के कारण देश में स्वाभाविक ब्याज दर का अनुमान लगाना आसान नहीं है. ऐसे में मौद्रिक नीति समिति के लिए ऊपरी सिरे पर विचार करना बेहतर होगा. ऐसा इसलिए भी क्योंकि स्वाभाविक दर बढ़ रही है.देश की अर्थव्यवस्था की निवेश संबंधी जरूरतों को देखते हुए भारत को उच्च बचत की आवश्यकता है जो अधिक नीतिगत समायोजन से प्रभावित हो सकती है. यह बात भी रेखांकित करने लायक है कि बैंकों को जमा की तुलना में उच्च ऋण वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सत/ सत्य/सत्व

राजा हरिश्चंद्र सत्वगुणी के साथ ही सत्यवादी भी थे. इस वाक्य थोड़े से अंतर के बावजूद एक से लगनेवाले शब्द सत्व और सत्य से सामना होता है. सत्व और सत्य दोनों सार्थक, संस्कृत मूल के तत्सम और संज्ञा पुल्लिंग शब्द हैं, लेकिन स्थानों पर विशेषण भी. दोनों के मूल में सत् शब्द है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार सत शब्द का विशेषण के रूप में अर्थ है सच, सत्य, साधु, सज्जन, धार्मिक, पवित्र, वास्तविक, नित्य, शाश्वत, पंडित, विद्वान, उत्तम, श्रेष्ठ. इसके संयोग से बने असंख्य शब्द हैं, जिनका प्रयोग जाने अनजाने हर व्यक्ति को करना ही पड़ता है. सत्य और सत्व दोनों वैसे ही शब्द हैं. सत्य का मतलब विशेषण के रूप में सच, सत संबंधी, सत का, असल, वास्तविक, ईमान, खरा, विशुद्ध, यथार्थ है, लेकिन संज्ञा पुल्लिंग के रूप में इसका मतलब है यथार्थ और वास्तविक बात, न्यायसंगत बात, पुराणों के अनुसार सात लोकों में सबसे ऊपर का लोक, सतयुग, ईश्वर. सत्व शब्द अपने आप में अनेक अर्थ रखने में सक्षम होता है. जैसे अस्तित्व, सत्ता, सत्ता से युक्त होने का भाव, किसी पदार्थ से निकाला गया सार तत्व, सत्त, रस, अर्क, चित्त या मन की प्रवृत्ति, पदार्थ की खासियत, विशिष्टता या गुण, प्राणतत्व, चैतन्य, जीवनी शक्ति, स्फूर्ति, मन की धीरता, दृढ़ता. अब इनके बीच के सूक्ष्म अंतर पर विचार करते हैं. सत् शब्द सत्यता, अस्तित्व और स्थायित्व की प्रकृति का द्योतक है. इसका सीधा मतलब है अस्तित्व में होना. इसे विद्यमान, अस्तित्व में होने वाला, उपस्थित, अविक्षेप्य, अविक्षेप्य आदि के रूप में भी समझा जा सकता है. सत्त्व अच्छाई, पवित्रता, सकारात्मकता, सत्य, शांति, संतुलन और सदाचार का गुण है, जो जीवन, ज्ञान, ज्ञान-वृत्ति, धारण-शक्ति, प्राकृतिक गुण आदि में व्यक्त होती है. सत्य शब्द सत्यता, वास्तविकता, निष्पक्षता और अपरिवर्तनीयता को दर्शाता है. इसका रूढ़ अर्थ 'सच्चाई' या 'वास्तविकता' है। सत्य शब्द जीवन में ईमानदारी, अधिकारिता और धार्मिक मूल्यों को व्यक्त करने के लिए भी प्रयोग होता है.

मेरा जूता है जापानी, है पतलून इंग्लिशतानी

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

इस नश्वर संसार में शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा हो, जिसे जीवन में जूते-चप्पल चोरी होने का दुख नहीं हुआ हो. यह दुख सभी के जीवन में आता है, अतः शोक करने योग्य नहीं है. फिर भी शोक तो होता ही है. जब चप्पल दृष्टि से ओझल हो जाती है तब वह भगवान भरोसे हो जाती है. लौटने पर वापस मिल जाए तो भगवान की कृपा है और न मिले तो समझ लो कि चप्पल-चोर ने अपना काम कर दिया. चप्पल जब से महंगी हुई है, तब से उसके चोरी होने का दुख भी बढ़ने लगा है. पर्स चोरी हो जाए तो शायद उतना दुख नहीं होगा, जितना चप्पल चोरी होने का होता है . आजकल चप्पल पांच-पांच हजार रुपए तक की मिलती है. उनकी सुरक्षा प्राणों से बढ़कर की जाती है. ऐसे स्थान पर व्यक्ति को जाने से बचना चाहिए, जहां चप्पल उतार कर जाना पड़ता है. अगर जाना मजबूरी है और चप्पल उतारना ही है तब टूटी-फूटी पुरानी चप्पल पहनकर जाना चाहिए. ऐसी चप्पल कि जिसे चुराते हुए चोर भी शर्माए. आप चौराहे पर चप्पल छोड़ कर चले आओ और चौबीस घंटे बाद भी जो वहीं पर पड़ी मिले, ऐसी खराब चप्पल पहनकर उतारने के लिए जाना चाहिए. मेरी राय में तो एक जोड़ी चप्पल व्यक्ति को 'उतारने वाली' बना लेनी चाहिए. जहां कहीं ऐसी जगह जाना हुआ जहां चप्पल उतारती पड़ती है, तो वहां 'स्पेशल उतारने वाली चप्पल' पहन कर चले गए. बेफिक्री के साथ नंगे पैर घूमते रहे. चप्पल की सुरक्षा की कोई चिंता नहीं. एक जमाना था जब लोग किसी पर गुस्सा होते थे, तो पैर से चप्पल उतार कर दूर से ही फेंक कर मार देते थे. वह सस्ते का जमाना था. चप्पल रही तो कोई बात नहीं और चली गई तब भी कोई बात नहीं. चप्पल की उन दिनों कोई कीमत नहीं होती थी. तभी तो फेंक कर मार दी जाती थी. आज चप्पल सबसे ज्यादा संजोकर रखने योग्य वस्तु है. ब्याह-शादी में दूल्हे का जूता चुराने का रिवाज तब से ही शुरू हुआ होगा, जब से जूता महंगा हुआ होगा. सस्ता होता तो कोई क्यों चुराता और चुरा भी लेता तो उसके मुंह मांगे पैसे भला कौन देता? एक फिल्म का गाना बहुत मशहूर हुआ. जिसके बोल हैं 'मेरा जूता है जापानी, है पतलून इंग्लिशतानी'. इस फिल्मी बोल से भी जूते की महत्ता प्रकट हो रही है. जूते के बारे में गुणीजनों का अनुभव है कि आंख बंद करके भी अगर कोई जूता पहने तो एक सेकंड में पहचान लेगा कि वह अपना जूता पहन रहा है या किसी दूसरे का उसने पहन लिया है. इसके बाद भी जूते चोरी हो जाते हैं. कई बार चोर अपना जूता छोड़ जाता है और दूसरे व्यक्ति का जूता पहन कर चला जाता है. ऐसे में व्यक्ति को बेढ़ंगे, बेडौल और अटपटे साइज का जूता पहन कर घटनास्थल से लौटना पड़ता है. कई बार चतुर लोग नंगे पैर जाते हैं और जूते पहनकर अपने घर लौट आते हैं. ऐसे में जो व्यक्ति जूता पहन कर जाता है, उसे नंगे पैर लौटना पड़ता है.

लगातार बढ़ रहे पेट्रोल और डीजल के दामों के बीच कार कंपनियां हाइब्रिड टेक्नॉलोजी का इस्तेमाल कर रही हैं. ये गाड़ियां पेट्रोल और डीजल इंजन वाली कारों की तुलना में ज्यादा फ्यूल इफीशियंट मानी जाती हैं. आइए जाने कि क्या होती हैं हाइब्रिड कार और यह कितने प्रकार की होती हैं-

कारों का यह मामला हाइब्रिड है

हाल के वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के प्रति लोगों की रुचि बढ़ी है, यह तो अब सड़कों पर दौड़ती गाड़ियों को देखकर सहज अनुमान लगता है. लेकिन पेट्रोल-डीजल और इलेक्ट्रॉनिक कार के अलावा एक अन्य विकल्प भी कार मार्केट में तेजी से डिमांड में है और यह है हाइब्रिड कार. क्या होती है हाइब्रिड कार, बोलचाल की भाषा में यदि कहें तो ये वैसी कारें होती हैं जो बैटरी से भी चलती हैं और पेट्रोल से भी. यानि हाइब्रिड कारे वे होती हैं जो एक से अधिक ईंधन विकल्प के साथ चलती हैं. आमतौर पर हाइब्रिड कार में पेट्रोल इंजन के साथ इलेक्ट्रिक मोटर और बैटरी दी जाती है. वाहन पेट्रोल इंजन पर चलते समय बैटरी को चार्ज करता है और फिर बैटरी चार्ज होने पर मोटर की मदद से गाड़ी को आगे बढ़ाने में मदद करती है. इस कार से माइलेज बेहतर मिलता है. इन दिनों कार कंपनी के फोकस में यही कार हैं.

हाइब्रिड कार मुख्य तौर पर तीन तरह की होती हैं. एक माइल्ड और दूसरी स्ट्रांग हाइब्रिड और तीसरी प्लग इन हाइब्रिड . आइए, इन तीनों के बारे में जानकारी हासिल करें-

माइल्ड हाइब्रिड कार

हाइब्रिड कार में सबसे पहले माइल्ड का विकल्प आता है. माइल्ड हाइब्रिड कार में फ्यूल इंजन के साथ-साथ एक इलेक्ट्रिक मोटर होती है आमतौर पर इसमें छोटी बैटरी (आमतौर पर 48-वोल्ट) दी गई होती है, इसलिए इस इलेक्ट्रॉनिक मोटर की ताकत बहुत कम होती है. ऐसे में अगर आप चाहेंगे कि बिना पेट्रोल/डीजल के इसे फराटे से सड़कों पर दौड़ाते रहे तो यह संभव नहीं है. हां, अगर कभी फ्यूल इंजन में कोई खराबी आ जाए तो इलेक्ट्रिक मोटर की मदद से निकटतम स्थान तक इस कार से पहुंचा जा सकता है. जाहिर है कि माइल्ड हाइब्रिड कार में दी गई इलेक्ट्रिक मोटर का मुख्य काम फ्यूल इंजन की मदद करना होता है. इलेक्ट्रिक मोटर से कार की माइलेज में कोई इजाफा नहीं होता है लेकिन कार की पिकअप की क्षमता बढ़ जाती है.

प्लग इन हाइब्रिड

माइल्ड हाइब्रिड कार के उलट यह कार ईंधन कम उपयोग करती है और इलेक्ट्रिसिटी का अधिक उपयोग करती है. नाम के अनुरुप आप इस तरह के वाहन की बैटरी को प्लग-इन करके भी चार्ज सकते हैं. अपने देश में यह विकल्प सहजता से उपलब्ध नहीं है.

स्ट्रांग हाइब्रिड कार

स्ट्रांग हाइब्रिड कार में जो बैटरी लगी होती है, वह दमदार होती है. इलेक्ट्रॉनिक मोटर की क्षमता अच्छी होती है. इस कारण यह कार इलेक्ट्रिक कार के मुकाबले ज्यादा रेंज देने में सक्षम होती है. पर्यावरण के लिहाज से भी यह कार बेहतर है. दरअसल यह गाड़ियां फ्यूल की कम खपत करती हैं, जिस वजह से प्रदूषण भी कम होता है. हालांकि, स्ट्रांग हाइब्रिड कार में इस्तेमाल होने वाली बैटरी की कीमत काफी ज्यादा होती है, इस वजह से इन कारों की कीमत अधिक होती है.

मार्केट में ये विकल्प उपलब्ध

हाइब्रिड कारों में मारुति की बलेनो, ब्रेजा, अर्टिगा, टोयोटा की ग्लैंजा और महिंद्रा की टीयूवी 300 प्लस जैसे कई विकल्प मार्केट में उपलब्ध हैं. आइए, करें इनकी चर्चा-

मारुति सुजुकी अर्टिगा

हाइब्रिड कारों में मारुति अर्टिगा बेहद लोकप्रिय है. मारुति अर्टिगा में एक 1462 सीसी का के15 सी स्मार्ट हाइब्रिड इंजन का इस्तेमाल किया गया है. ये 75.8 किलोवॉट की पॉवर 136.8 न्यूटन मीटर का टॉर्क प्रोड्यूस करता है. कार में 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम सहित ढेर सारे फीचर्स मिलते हैं. यह एक 2 डब्ल्यूडी कार है, जिसमें 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प मिलता है. इस कार की शुरूआती कीमत करीब 8.69 लाख रुपये है और टॉप मॉडल की कीमत करीब 13 लाख रुपए है.

मारुति सुजुकी बलेनो

मारुति सुजुकी की इस कार में डुअलजेट टेक्नोलॉजी वाले डुअल वीवीटी इंजन का इस्तेमाल किया गया है. यह इंजन 90 एचपी की मैक्सिमम पॉवर आउटपुट और 113 न्यूटन मीटर का टॉर्क प्रोड्यूस करता है. इस इंजन का पिकअप बहुत शानदार है. साथ ही इसका माइलेज भी बहुत बेहतरीन है. इस कार में 16 इंच के अलॉय व्हील्स, 360-डिग्री कैमरा और हेड अप डिस्प्ले इस कार को बहुत एडवांस बनाते हैं. इस कार में 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड ऑटो-गियर-शिफ्ट ट्रांसमिशन का विकल्प मिलता है. इस कार की शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 7.76 लाख रुपये है.

टोयोटा ग्लैंजा

इसमें 1.2 लीटर का डुअलजेट पेट्रोल इंजन दिया गया है. यह इंजन 82 बीएचपी की पावर और 113 न्यूटन मीटर का टॉर्क प्रोड्यूस करता है. यह कार एक लीटर पेट्रोल 22.94 किलोमीटर तक चल सकती है. इस कार में रियर एसी वेंट्स, 360-डिग्री कैमरा, हेड-अप डिस्प्ले, कनेक्टेड कार टेक (टेलीमैटिक्स), वॉयस असिस्टेंस के साथ 9 इंच का टचस्क्रीन सिस्टम, क्रूज कंट्रोल, ऑटो क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं. शुरूआती कीमत 6.81 लाख रुपये है.

मारुति सुजुकी ब्रेजा

इस कार में एक 1462 सीसी का पेट्रोल इंजन मिलता है. यह इंजन 75.8 किलो वाट का पॉवर और 136.8 न्यूटन मीटर का टॉर्क प्रोड्यूस कर सकता है. इस कार में सुजुकी की कनेक्टेड सर्विस, हेडअप डिस्प्ले, इलेक्ट्रिक सनरूफ़ सहित कई फीचर्स हैं. 6 स्पीड मैनुअल के साथ 6-स्पीड ऑटोमैटिक टॉर्क कनवर्टर का विकल्प आपको इस कार में मिलता है. इस कार की एक्स शोरूम कीमत 8.34 लाख रुपये से शुरू होती है.

महिंद्रा टीयूवी 300 प्लस की इस कार में एक 2179 सीसी का इंजन मिलता है. जो 120 बीएचपी की पॉवर जेनरेट करता है. यह गाड़ी 18.49 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज मिलता. इस कार की शुरुआती कीमत 9.93 लाख रुपये है और टॉप वेरिएंट करीब 12 लाख रुपए में है.

आ रहा है आइक्यू जेड 9 एस

आईक्यू जेड 9 लाइट के बाद कंपनी एक बार फिर भारत में अपने नए स्मार्टफोन आइक्यू जेड 9 एस की लॉन्चिंग के लिए कमर कसी बैठी है. कंपनी के सीईओ निपु मार्या ने एक्स पर एक पोस्ट जारी करके इस बाबत सोशल ऐलान कर दिया है. टीजर पोस्ट में आईक्यू के अपकमिंग डिवाइस की जानकारी हासिल की जा सकती है. इसके मुताबिक फोन में दमदार परफॉर्मेंस मिलेगा. यह स्मार्टफोन बहुत कुछ आईक्यू जेड 9 टर्बो की फीचर्स वाला होगा जो चीन में हाल ही लॉन्च किया गया था.

लुक व डिजाइन

ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है बॉक्सी डिजाइन स्मार्टफोन आइक्यू जेड 9 एस में पेश किया जाएगा. टीजर पोस्टर में अपकमिंग डिवाइस के बैक पैनल के लुक को देखा जा सकता है. इसका रियर पैनल शाइनी बैक के साथ आएगा. फोन को ड्यूल रियर कैमरा सेटअप के साथ पेश किया जा सकता है.

आईक्यू जेड 9एस को आईक्यू जेड 9 टर्बो का री ब्रांड वर्जन माना जा रहा है, इसलिए अगर यही फीचर्स मिले तो अपकमिंग फोन में 4500 निट्स की पीक ब्राइटनेस मिल सकती है. इसका स्क्रीन साइज 6.78 इंच होगा. फोन फ्लैट स्क्रीन डिजाइन में होने की उम्मी है जिसमें 1.5 के ओएलईडी पैनल दिया जा सकता है. आईक्यू जेड 9 टर्बो के समान फोन में 144 हट्र्ज रिफ्रेश रेट सपोर्ट होगा.

कैमरा

फोन में स्क्वॉयर शेप वाला ड्यूल कैमरा सेटअप देखने को मिलेगा. इसका मेन कैमरा 50 एमपी ओआईएस सोनी एलवाइटी 600 होगा. इसके अलावा 8 मेगा पिक्सल अल्ट्रा वाइड कैमरा दिया जाएगा। सेल्फी के लिए 16 मेगापिक्सल सैमसंग एस5के3 पी 9 सेंसर दिया जाएगा.

प्रोसेसर

आईक्यू जेड 9 टर्बो स्मार्टफोन में ऑक्टाकोर क्वॉलकॉम स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 चिपसेट दी जाती है. फोन एंड्रॉइड 14 ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करेगा. फोन 6000 मेगाहट्र्ज बैटरी और 80 वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आएगा.

व्हाट्सएप का इस्तेमाल काफी सालों से इस्तेमाल कर रहे हैं. लेकिन कुछ फीचर्स ऐसे होते हैं, जिनके बारे में बेहद ही कम लोग जानते हैं. आइए, आज ऐसे ही एक फीचर की करें बात

खुल सकती है पोल! व्हाट्सएप पर किससे होती है सबसे ज्यादा चैट?

चैटिंग एप व्हाट्सअप आज हमारी जरुरत बन चुकी है. पर कभी सोचा है कि यह हमारे बातचीत का काला चिट्ठा भी खोल सकता है. जी हां, महज कुछ क्लिक कर आसानी से जाना जा सकता है कि स्मार्टफोन यूजर सबसे ज्यादा बातचीत आखिर करता तो किससे करता है. अगर आपको भी जानने की उत्सुकता है तो आइए, बस आसान सा प्रोसेस फॉलो करें, पूरी लिस्ट आपके सामने खुल जाएगी.

इन स्टेप्स को करें फॉलो

- सबसे पहले डिवाइस में व्हाट्सएप को खोलें.
- फिर स्क्रीन के ऊपर की ओर दाई तरफ दिए गए तीन डॉट्स पर क्लिक करें.
- इसके बाद सेटिंग के विकल्प पर जाएं.
- फिर आपको स्क्रीन पर स्टोरेज एंड डेटा सेक्शन मिलेगा, उस पर क्लिक करें.
- क्लिक करने के बाद मैनेज स्टोरेज का विकल्प मिलेगा.
- फिर मैनेज स्टोरेज ऑप्शन को खोलें.
- इसके बाद स्क्रीन पर चैट की एक पूरी लिस्ट नजर आ जाएगी.

- लिस्ट में जिस इंसान का नाम सबसे ऊपर होगा, व्हाट्सएप पर उसी व्यक्ति से सबसे ज्यादा चैट हुई है, मतलब उसी व्यक्ति के साथ सबसे अधिक फोटो और वीडियो शेयर की गई है.
- अगर खुद से फोन से आपने इस प्रोसेज को खोला है तो मैनेज स्टोर पर क्लिक कर अपने फोन में भरे पड़े मैसेज को डिलटी कर फोन के लिए अधिक स्पेस बना सकते. इससे उसका आईडी का नाम भी हट जाएगा जिससे आपकी सबसे ज्यादा चैट हुई है.

क्रिमिनल को पाताल से ढूंढ निकालेगा क्राइम जीपीटी

एआई का असर अब हमर सेक्टर में नजर आने लगा है. इसके फायदे से लोग अचंभित हैं. पुलिस सेवा में भी यह अपना रुतबा दिखा रही. जी हां, एआई का क्राइम जीपीटी मॉडल इन दिनों सुर्खियों में है. देश के कुछ राज्यों की पुलिस इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर अपराधियों के दांत खट्टे कर रही है. इसे अपराधियों के लिए काल बताया जा रहा है. आइए जाने कि क्या है क्राइम जीपीटी और यह कैसे काम करती है-

क्राइम जीपीटी त्रिनेत्र 2.0 को गुरुग्राम बेस्ड एआई स्टार्टअप स्टैक टेक्नोलॉजी ने यूपी पुलिस के साथ मिलकर बनाया है. यह एक बड़ा लैंग्वेज मॉडल है. ये एआई मॉडल अपराधियों पर नजर रखने और हिरासत में उन्हें सुरक्षित रखने में मदद करता है. ये अपराधियों के डेटाबेस से इंटीग्रेट करता है. इसकी मदद से लॉ इन्फोर्समेंट एजेंसी एक्सेस करके अपराधियों की पहचान करती है.

ऐसे करता है काम

प्रतीकात्मक तस्वीर

क्राइम जीपीटी लिखने और बोलने पर क्रिमिनल डेटाबस का इस्तेमाल करके रिजल्ट जारी करता है. मान लीजिए किसी संदिग्ध के बारे में जानकारी जुटानी है और जानना है कि इसने पिछले पांच साल में किन अपराधों को अंजाम दिया है, इसकी जानकारी जुटाने के लिए लिखकर और बोलकर सर्च किया जा सकता है. डेटाबेस से जुड़ने पर एआई प्रोग्राम को तुरंत रिजल्ट मिल जाते हैं. इसमें क्रिमिनल गैंग का एनालिसिस, स्पीकर आइडेंटिफिकेशन, वॉइस रिकॉग्निशन, फेशियल रिकॉग्निशन समेत कई चीजें शामिल हैं. अपराधियों की पहचान करने, निगरानी करने और जानकारी सेव करने के लिए फेशियल रिकॉग्निशन और सुनाई देने वाले सिग्नल का इस्तेमाल क्रिमिनल्स को ट्रैक करने और पकड़ने को आसान बनाता है. पुलिस फेशियल रिकॉग्निशन फीचर का इस्तेमाल कर पाएगी. इससे अपराधी का फोटो सर्च करके जानकारी हासिल की सकती है. ऑडियो सर्च सुविधा के साथ त्रिनेत्र 2.0 में अपराधी को उसकी आवाज के जरिए पहचाना जा सकता है. एडवांस गैंग एनॉलिसिस से कुछ ही सेकेंड में हर अपराधी और उससे संबंधित दूसरे अपराधियों की पुरी कुंडली निकल जाएगी. थाने में जो सामान सीज किया जाता है, उसकी डिटेल QR कोड में दर्ज की जा सकती है. ये क्यूआर कोड स्कैन करते ही जब्त सामान की सारी जानकारी मिल जाएगी. त्रिनेत्र 2.0 से लापता लोगों को खोजने में भी मदद मिलेगी. इसका फोटोग्राफ और फेशियल रिकॉग्निशन फीचर गुमशुदा लोगों की तलाश करने में मदद करेगा.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

दूसरे देश से भी भारतीय मूल के खिलाड़ी बिखेरेंगे चमक

नयी दिल्ली। ओलंपिक में भाग लेकर अपने देश के लिए पदक जीतना, यह हर खिलाड़ी का सपना होता है. ओलंपिक में पदक जीतने से खिलाड़ी पूरे विश्व में प्रसिद्धि पाता है. भारत के खिलाड़ी भी 20 जुलाई से पेरिस में शुरू हो रहे ओलंपिक समारोह में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं. पेरिस ओलंपिक में भारत सिर्फ भारतीय दल तक सीमित नहीं होगा, बल्कि भारतीय मूल के कई खिलाड़ी दूसरे देशों के लिए अपना जलवा बिखेरते नजर आएंगे. ये सभी भारतवंशी के माता-पिता या उनका संबंध भारत से रहा है. उनका दिल आज भी भारत के लिए धड़कता है. यह अलग बात है कि नागरिकता मिलने के बाद वे दूसरे देश में रहकर अपने देश के लिए खेल रहे हैं. ऐसे ही कुछ भारतवंशी खिलाड़ी हैं, जो पेरिस ओलंपिक में अपने देश पताका लहराने के लिए जी-जान लगाएंगे.

राजीव राम (टेनिस, अमेरिका) : अमेरिका के डेनवर में जन्मे 40 वर्ष के राजीव के माता-पिता बेंगलुरू के रहने वाले थे. राजीव के पिता बोटेनिस्ट थे, जिनका 2019 में कैंसर से निधन हो गया. वहीं उनकी मां सुषमा वैज्ञानिक तकनीशियन है. राम ने एक बार कहा था, मुझे अपनी भारतीय विरासत पर गर्व है. टेनिस में बहुत ज्यादा भारतीय नहीं हैं. हम एक समूह के रूप में जो भी कामयाबी अर्जित करेंगे, उससे आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी. अमेरिका के लिए खेलते हुए राजीव ने चार पुरुष युगल और एक मिश्रित युगल ग्रैंडस्लैम जीता है. उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में वीनस विलियम्स के साथ मिश्रित युगल खेला था. इस बार वह पुरुष युगल में भाग लेंगे.

प्रिथिका पावडे (टेबल टेनिस, फ्रांस) : प्रिथिका के पिता का जन्म पुडुच्चेरी में हुआ था. वह 2003 में शादी के बाद पेरिस जा बसे और एक साल बाद प्रिथिका का जन्म हुआ. खुद टेबल टेनिस खिलाड़ी रहे. उनके पिता ने उन्हें इस खेल से रूबरू कराया, जब वह छह साल की थीं. उन्होंने 16 वर्ष की उम्र में टोक्यो में पहला ओलंपिक खेला. रसायन और पर्यावरण विज्ञान की छात्रा 19 वर्ष की प्रिथिका महिला एकल, महिला युगल और मिश्रित युगल में खेलेंगी.

शांति परेरा (एथलेटिक्स, सिंगापुर) : सिंगापुर की फर्राटा क्वीन के नाम से मशहूर वेरोनिका शांति परेरा केरल मूल की हैं. उनके दादा दादी तिरूवनंतपुरम के वेट्टुकाड के थे. उनके दादा को सिंगापुर में नौकरी मिली और उन्होंने भारत छोड़कर वहां घर बसाया. पिछले साल परेरा ने एशियाई खेलों में महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता. सिंगापुर की वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुनी गई परेरा ओलंपिक उद्घाटन समारोह में सिंगापुर के दो ध्वजवाहकों में से होंगी.

कनक झा (टेबल टेनिस, अमेरिका) : भारतीय मूल के एक और खिलाड़ी कनक झा अमेरिका के लिए खेलेंगे. झा की मां करुणा मुंबई से और पिता अरुण कोलकाता और प्रयागराज से हैं. दोनों आईटी पेशेवर है. झा ने कैलिफोर्निया में भारतीय समुदाय केंद्र से टेबल टेनिस खेलना शुरू किया. झा की मां ने उन्हें हिन्दी और जैन धर्म सीखने के लिए जैनशाला और हिंदशाला में डाला. 24 वर्ष के झा चार बार अमेरिका के राष्ट्रीय चैंपियन रह चुके हैं और पिछले दो ओलंपिक खेल चुके हैं. उसने युवा ओलंपिक 2018 में पदक जीता था. वह पेरिस में पुरुष एकल में खेलेंगे.

अमर धेसी (कुश्ती , कनाडा): ब्रिटिश कोलंबिया के सर्रे में जन्मे अमरवीर के पिता बलबीर धेसी खुद ग्रीको रोमन पहलवान रह चुके हैं. पंजाब के जालंधर के संघवाल गांव से निकले बलबीर को पंजाब पुलिस में नौकरी भी मिल गई थी, लेकिन बेहतर जिंदगी की तलाश में वह 1979 में कनाडा चले गए. उन्होंने 1985 में सर्रे में युवाओं के लिए खालसा कुश्ती क्लब शुरू किया. अमर अपने पिता और बड़े भाई परमवीर के साथ कुश्ती खेलता था. उसने टोक्यो ओलंपिक में पदार्पण करके पुरुषों के 125 किलो वर्ग में 13वां स्थान हासिल किया. उसने एक साल बाद पेन अमेरिकी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता.

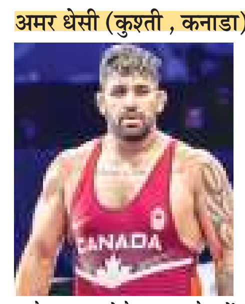

श्रीजेश ओलंपिक के बाद हॉकी को कहेंगे अलविदा

- 328 मैच खेलने वाले श्रीजेश का यह चौथा ओलंपिक होगा
- हॉकी इंडिया ने विन इट फॉर श्रीजेश का अभियान शुरू किया

भाषा। पेरिस

अनुभवी गोलकीपर और भारत के पूर्व हॉकी कप्तान पीआर श्रीजेश ने कहा कि पेरिस ओलंपिक उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा. भारत के लिए 328 मैच खेलने वाले श्रीजेश का यह चौथा ओलंपिक होगा. कई राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और विश्व कप में खेल चुके 36 साल के श्रीजेश ने 2021 में आयोजित हुए टोक्यो ओलंपिक में शानदार गोलकीपिंग से भारत को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी. भारत ने तब इस खेल में 41 साल के पदक के सूखे को खत्म किया था. हॉकी इंडिया ने सोमवार को श्रीजेश को उनके शानदार करियर के लिए बधाई दी. हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय टीम के लिए 'विन इट फॉर श्रीजेश (श्रीजेश के लिए जीतना है)' का अभियान शुरू किया है, जो खिलाड़ियों को फिर से पदक जीतने के लिए प्रेरित करेगा. श्रीजेश ने भारतीय टीम के लिए 2010 में पदार्पण किया था। वह 2014 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक और 2018 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं. वह 2018 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की संयुक्त विजेता टीम, भुवनेश्वर में 2019 एफआईएच पुरुष सीरीज फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता टीम और बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक विजेता टीम के सदस्य रह चुके हैं. उन्होंने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021-22 में भारत को तीसरे स्थान पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रीजेश को 2021 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और वह 'वर्ल्ड गेम्स एथलीट ऑफ द ईयर' 2021 का पुरस्कार जीतने वाले भारत के केवल दूसरे खिलाड़ी हैं. उन्होंने 2021 और 2022 में में लगातार दो बार एफआईएच साल के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार जीता.

उन्होंने पिछले साल एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारतीय टीम स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक 2024 का टिकट पक्का करने में सफल रही. श्रीजेश ने हॉकी इंडिया से जारी विज्ञप्ति में कहा, मैं पेरिस में अपने आखिरी टूर्नामेंट की तैयारी कर रहा हूं, मुझे अपने करियर पर बहुत गर्व है और उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहा हूं.

सुरक्षा के लिए जवानों के साथ एआई भी तैयार

पेरिस। खेलों का महाकुंभ ओलंपिक इस बार पेरिस में हो रहा है. इसकी शुरुआत 26 जुलाई से हो रही है. वहीं, टूर्नामेंट का समापन 11 अगस्त को होगा. इसमें दुनिया भर के तकरीबन 10,500 खिलाड़ियों के अलावा लाखों की संख्या में फैंस आएंगे. लिहाजा, इन सबके मद्देनजर सुरक्षाकर्मियों के लिए चुनौती आसान नहीं होगी. इसके अलावा इस टूर्नामेंट पर साइबर हमले का खतरा है. लेकिन फ्रांस की सरकार हर मुश्किल चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है. इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद बनाने के लिए पुलिस के साथ सेना और एआई काम को आसान बना रहा है. सोशल मीडिया पर कई फोटो और वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में देखा जा सकता है कि पेरिस में पुलिस दल सड़कों पर गश्त कर रहे हैं,

पेरिस में टोक्यो जैसी गलती नहीं करूंगी: मनिका बत्रा

भाषा। नयी दिल्ली

टोक्यो ओलंपिक में भाग लेकर महत्वपूर्ण अनुभव हासिल करने वाली भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने सोमवार को कहा कि वह पेरिस ओलंपिक खेलों में एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे और शुरुआती दौर में पदक जीतना उनके दिमाग में नहीं होगा. अपने साथियों के साथ पेरिस ओलंपिक की तैयारी में लगी बत्रा ने टोक्यो ओलंपिक के अनुभव से काफी कुछ सीखा है.

बत्रा ने अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) से कहा, पिछले ओलंपिक खेलों से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला और मैंने जो गलतियां वहां की थी उनको इस बार नहीं दोहराऊंगी. उसके बाद मेरी मानसिकता बदली है. मैं अधिक शांत हो गई हूं और मेरा खुद पर भरोसा बढ़ गया है. उन्होंने कहा, मैं अपने दमखम और फुर्ती पर ध्यान दे रही हूं और मेरा वास्तविक लक्ष्य पदक के लिए चुनौती पेश करना है, लेकिन मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ूंगी. मैं उस मुकाम पर पहुंचने की कोशिश कर रही हूं जहां मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकूं. बत्रा ने कहा, मैं मैच दर मैच आगे बढ़ूंगी और शुरू में ही पदक के बारे में नहीं सोचूंगी. मैं अपने देश के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहूंगी. भारतीय महिला टीम को पेरिस ओलंपिक में जगह दिलाने में बत्रा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. यह पहला अवसर है जबकि भारतीय टेबल टेनिस टीम ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया. बत्रा ने कहा, भारत ने पहली बार (ओलंपिक के लिए) क्वालीफाई किया, यह बड़ी उपलब्धि है. मैं इस बात से बहुत खुश हूं कि हम (शिविर में) एक साथ अभ्यास कर रहे हैं. मुझे लगता है कि हमारे पास पदक जीतने का मौका है और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए. भारत पेरिस में टेबल टेनिस की व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेगा.

बीसीसीआई ने आईओए को दिए 8.5 करोड़

नयी दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 का आगाज 26 जुलाई से होगा. इसके लिए भारतीय एथलीट्स पदक जीतने के लिए तैयार है. इस बीच बीसीसीआई ने भारतीय ओलंपिक संघ को 8 .5 करोड़ रुपये दिए हैं. इस बात की जानकारी बीसीसीआई सचिव शाह शाह ने दी है. जय शाह ने एक्स हैंडल में पोस्ट कर जानकारी दी. उन्होंने लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि बीसीसीआई पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले हमारे बेहतरीन एथलीटों का समर्थन करेगा. हम अभियान के लिए आईओए को 8 .5 करोड़ रुपये दे रहे हैं. पूरे दल को हमारी शुभकामनाएं. भारत को गौरवान्वित करें.

ब्रीफ खबरें

क्वार्टर फाइनल में हारी भारतीय टीमें

नयी दिल्ली। भारत के लड़कों और लड़कियों की टीम को ह्यूस्टन में चल रही विश्व जूनियर स्क्वाश टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा. भारतीय लड़कों की टीम दक्षिण कोरिया से 1-2 से जबकि लड़कियों की टीम तीसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया से समान अंतर से हार गईं.

रूट बेतवे एसए20 में पार्ल रॉयल्स से जुड़ेंगे

जोहानिसबर्ग। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट बेतवे एसए टी20 लीग के तीसरे सत्र में पार्ल रॉयल्स टीम से जुड़ेंगे. तीनों प्रारूपों में कुल 344 मैच खेलकर 19219 रन बना चुके रूट ने 2016 टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुंबई में 44 गेंद में 83 रन बना इंग्लैंड को जीत दिलाई थी.

वेस्टइंडीज के साथ तीन मैच की श्रृंखला में इंग्लैंड को 2-0 से अजेय बढ़त

रूट, ब्रूक और बशीर ने दिलाई बड़ी जीत

एजेंसी। नॉटिंघम

जो रूट (122) और हैरी ब्रूक (109) के शतकों के बाद स्पिनर शोएब बशीर के 5 विकेट की मदद से इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को 241 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल की. रूट ने अपने करियर का 32वां जबकि ब्रूक ने पांचवां शतक लगाया, जिससे इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में 425 रन बनाकर वेस्टइंडीज के सामने 385 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा. वेस्टइंडीज की टीम इसके जवाब में 148 रन बनाकर आउट हो गई. बशीर ने 41 रन देकर 5 विकेट लिए. इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 416 रन बनाए थे जिसके जवाब में वेस्टइंडीज ने 457 रन बनाकर 41 रन की बढ़त हासिल की थी. बशीर ने तीन ओवर के अंदर किर्क मैकेंजी, कावेम हॉज और एलिक अथानाज़ को आउट करके वेस्टइंडीज को करारे झटके दिए. इसके बाद उन्होंने जेसन होल्डर और आखिरी खिलाड़ी शमर जोसेफ को आउट किया. वेस्टइंडीज की तरफ से कप्तान क्रेग ब्रेथवेट ने सर्वाधिक 47 रन बनाए जबकि होल्डर ने 37 रन का योगदान दिया. इंग्लैंड की तरफ से बशीर के अलावा क्रिस वोक्स और गस एटकिंसन ने दो दो जबकि मार्क वुड ने एक विकेट लिया.

इससे पहले इंग्लैंड ने चौथे दिन सुबह तीन विकेट पर 248 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई. तब रूट 37 और ब्रूक 71 रन पर खेल रहे थे. इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 189 रन की साझेदारी की, जिससे इंग्लैंड निचले मध्य क्रम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के बावजूद मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रहा. वेस्टइंडीज के सबसे सफल गेंदबाज जॉडेन सील्स (97 देकर 4 विकेट) ने ब्रूक को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी. इसके बाद रूट ने एक छोर संभाले रखा लेकिन दूसरी तरफ से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला. ब्रूक ने अपनी पारी में 132 गेंद का सामना करते हुए 13 चौके लगाए. होल्डर ने रूट की पारी का अंत किया. इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज ने आठवें नंबर के विकेट के रूप में आउट होने से पहले 178 गेंद खेली और 10 चौके लगाए. निचले क्रम में एटकिंसन ने नाबाद 21 रन का योगदान दिया. इंग्लैंड पहला टेस्ट मैच पारी और 114 रन से जीता था.

नेपाल पर बड़ी जीत चाहेगी टीम इंडिया

एशिया कप : महिला क्रिकेट

भाषा। दाम्बुला

पहले दो मैच में आसान जीत से आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए के मंगलवार को यहां होने वाले अपने अंतिम मैच में नेपाल के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगी. भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से और दूसरे मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 78 रन से हराया था.

नेपाल अपने पहले मैच में अमीरात को हराने में सफल रहा था लेकिन दूसरे मैच में उसे पाकिस्तान से 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था. भारत का सेमीफाइनल में जगह बनाना तय लग रहा है जबकि पाकिस्तान ने पिछले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके अपने रन रेट में काफी सुधार किया है. भारतीय टीम हालांकि अन्य टीमों की स्थिति पर गौर करने के बजाय अपने विजय अभियान को जारी रखने पर ध्यान देगी. उसने अभी तक टूर्नामेंट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसे वह जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, रिचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, डी हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, तनुजा कंवर, सजना सजीवन.

नेपाल: इंदु बर्मा (कप्तान), काजोल श्रेष्ठ, रूबीना छेत्री, सबनम राय, सीता राणा मगर, राजमती ऐरी, पूजा महतो, बिंदू रावल, रोमा थापा, ममता चौधरी, कबिता जोशी, कबिता कुंवर, डॉली भट्टा, कृतिका मरासिनी, समझाना खड़का.

मैच का समय : शाम 7 बजे से.

प्रेस कांफ्रेंस टीम इंडिया के मुख्य कोच ने कहा - हमारी नजर 2027 के वनडे विश्व कप पर

विराट कोहली और रोहित शर्मा ज्यादा से ज्यादा मैच खेलें : गंभीर

भाषा। मुंबई

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सोमवार को कहा कि वह चाहते हैं कि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले चुके रोहित शर्मा और विराट कोहली अधिकांश वनडे और टेस्ट खेलें. उन्होंने उम्मीद जताई कि 2027 वनडे विश्व कप खेलने के लिए वे अपनी फिटनेस बनाये रखेंगे. रोहित और कोहली दोनों ने विश्व कप जीतने के बाद टी20 प्रारूप को अलविदा कह दिया. दोनों श्रीलंका दौरे पर टी20 श्रृंखला में नहीं होंगे, लेकिन वनडे श्रृंखला खेलेंगे. भारत का मुख्य कोच बनने के बाद पहली बार मीडिया से रूबरू हुए गंभीर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंधन की भी बात कही. उन्होंने कहा, मैं पहले भी कह चुका हूं कि जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी का कार्यभार प्रबंधन अहम है. लेकिन एक बल्लेबाज के लिए लगातार खेलते रहना जरूरी है, अगर वे अच्छे फॉर्म में हैं. गंभीर ने कहा, रोहित और विराट अब टी20 क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं. मुझे उम्मीद है कि बाकी दोनों प्रारूपों में वे अधिकांश मैचों में उपलब्ध रहेंगे. बुमराह के बारे में उन्होंने कहा, यह हमारी जिम्मेदारी है कि अधिकांश महत्वपूर्ण मैचों के लिए वह तरोताजा रहे. इसीलिये कार्यभार प्रबंधन पर है. सभी गेंदबाजों के लिए यह बहुत जरूरी है.

टीआरपी के लिए अच्छा लेकिन कोहली से मेरा रिश्ता निजी मामला है : गंभीर

मुंबई। भारत के नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सोमवार को घोषणा की कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के साथ उनका बहुचर्चित रिश्ता टीआरपी के लिए नहीं बल्कि उन दोनों के बीच है और आने वाले समय में दोनों एक लक्ष्य के लिए ही काम करने वाले हैं. विराट कोहली के साथ मेरा रिश्ता हम दोनों के बीच है और यह दो परिपक्व लोगों के बीच का रिश्ता है. हमने बहुत चर्चा की है और हर किसी के पास अपनी जर्सी के लिए लड़ने का अधिकार है. इस समय हम भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं.

सूर्यकुमार के बारे में फीडबैक ड्रेसिंग रूम से मिला : अगरकर

मुंबई। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने सोमवार को कहा कि जब हार्दिक पंड्या पर तरजीह देकर सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम की कप्तान बनाने का फैसला किया गया तो फिटनेस, ड्रेसिंग रूम से फीडबैक और लगातार उपलब्धता उनके पक्ष में रही. अगरकर भारत के श्रीलंका दौरे से पहले नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से बात कर रहे थे. श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम को तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलने हैं. संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अगरकर ने कहा, सूर्यकुमार को कप्तान क्यों बनाया गया, क्योंकि वह योग्य उम्मीदवार था, पिछले एक साल से अधिक समय से वह ड्रेसिंग रूम में है और उसके बारे में ड्रेसिंग रूम से फीडबैक मिला है. उसमें क्रिकेट की अच्छी समझ है और वह अभी भी टी20 क्रिकेट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से है. उन्होंने कहा, हमें ऐसा कप्तान चाहिए था तो सारे मैच खेले.

महिला हॉकी टीम ने नौसेना अकादमी में किया अभ्यास

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पहली बार भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए) में अभ्यास किया, जिसमें निशस्त्र लड़ाई का प्रशिक्षण, दौड़ और नाव खींचने जैसी गतिविधियां शामिल थीं, जिसका लक्ष्य खिलाड़ियों को मानसिक रूप से अधिक मजबूत और अधिक अनुशासित बनाना था. यह अनूठा शिविर केरल के कन्नूर में 15 से 21 जुलाई तक आईएनए पर आयोजित किया गया. महिला हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी और फिलहाल नये सिरे से खड़े होने की कोशिश में है. हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा गया, आईएनए के अनुशासित माहौल में लगाए गए इस शिविर का लक्ष्य टीम का कौशल विकास, एकजुटता और दृढ़ता का भाव भरना है. मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, मानसिक मजबूती और टीम के आपसी तालमेल को लेकर अकादमी में खिलाड़ियों को बहुत कुछ सीखने को मिला. बेहतरीन अधिकारियों के मार्गदर्शन में हमारे खिलाड़ियों ने कठिन अभ्यास किया. अकादमी की हॉकी टीम और भारतीय टीम के बीच दोस्ताना मैच भी खेला गया. भारतीय नौसेना अकादमी के उप कमांडेंट रीयर एडमिरल प्रकाश गोपालन ने कहा, इस अभ्यास शिविर का मकसद मानसिक दृढ़ता, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता पर फोकस करके खिलाड़ियों को एक इकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना था.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष — आय भाव मे शनि चंद्र है. कोई बड़ा कार्य हो सकता है. किसी बड़ी समस्या का हल होगा. भाग्य का साथ रहेगा विवाद से बचें. धन के लिए दिन अच्छा है. राजमान मिल सकता है. धर्म कर्म में मन लगेगा. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

वृषभ — पिता के व्यापार से अच्छा लाभ का योग है. स्वयम् का भी व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. आपके कार्य और प्रभाव से नया कार्य होगा. धन का व्यय गलत जगह होगा. यह आपके हित में नहीं होगा. शिवलिंग पर दूध से अभिषेक करें.

मिथुन — ससुराल का साथ मिलेगा. साथ ही व्यापार व आय में वृद्धि होगी. कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. प्रतिद्वंद्विता बढ़ सकती है. स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है. आपके कार्य और प्रभाव से कोई नया कार्य होगा.

कर्क — किसी अपरिचित महिला से विवाद हो सकता है. साथ ही कोई नया कार्य भी होगा. नई योजना बनेगी. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. घर-बाहर सभी ओर से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा, पर स्वास्थ्य पर ध्यान दें.

सिंह — न्याय संबंधित कार्य से लाभ का योग है. व्यापार के लिए समय उत्तम है. कार्यालयों में रुके कार्यों में गति आएगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जोखिम बिलकुल न लें. संतान की तरक्की के लिए कुछ नया आइडिया आएगा.

कन्या — गुप्त शत्रु परेशानी का कारण बनेगा. रोग भाव में विष दोष बना है. उदर रोग से बचें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें. यात्रा का योग है, पर यात्रा के दौरान सतर्क रहना होगा.

तुला — संतान के कार्य पर नज़र रखें. आपके कार्य और प्रभाव से व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. स्त्री पक्ष से लाभदायक सूचना मिल सकती है. प्रसन्नता रहेगी. किसी मित्र का कोई पुराण परिचित से मुलाकात होगी.

वृश्चिक — माता या माता समान किसी महिला का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. सुख की सामग्री एकत्र हो सकती है. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है. पार्टनरों का सहयोग मिलेगा. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

धनु — पराक्रम में वृद्धि होगी. समय उत्तम है. समय का लाभ लें. काम करते करते बोर होने के बाद कुछ नया कार्य करना चाहिए. संगीत व चित्रकारी आदि रचनात्मक कार्यों में रुचि रहेगी. आय में वृद्धि होगी. पारिवारिक सहयोग मिलेगा.

मकर — समय उत्तम है पर नेत्र विकार से बचना चाहिए. धन के आगमन से मन खुश होगा. पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा और आय में निश्चितता रहेगी, जिससे मन खुश होगा. काला वस्तु दान करें.

कुंभ — समय उत्तम है. मानसिक उलझन होगी. पर घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा. नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे. आपके कार्य और प्रभाव से कार्य में तेजी आएगी. शनि को खुश करें.

मीन — खर्च वृद्धि से मन खिन्न हो सकता है. किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. प्रसन्नता रहेगी. मन मे किसी बात को लेकर बार बार खुशी रहेगा. आलस का त्याग करें. मंदिर में जल दान करें.

संसद में फिर गूंजी सरना धर्म कोड की मांग, भगत ने प्रदर्शन किया

लोहरदगा। नयी दिल्ली में आज बजट सत्र के पहले दिन लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत संसद परिसर में केंद्र सरकार से जनगणना कॉलम में सरना धर्म कोड लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया. इस अवसर पर सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि झारखंड में लगभग 70 लाख सरना धर्म के मानने वाले लोग हैं, आदिवासी प्रकृति के पुजारी हैं. उन्होंने कहा कि आदिवासियों की प्राकृतिक आस्था, पूजा पद्धति, विशिष्ट रीति-रिवाज का संरक्षण और संस्कृति के रक्षा के लिए केंद्र सरकार अविलंब सरना धर्मकोड़ को जनगणना कॉलम में शामिल करें. श्री भगत ने कहा कि जंगल में बाघ और शेरों की गणना हो सकती है, तो आदिवासियों की धार्मिक पहचान के लिए जनगणना कॉलम में सरना धर्म कोड़ क्यों नहीं लागू करना चाहती है केंद्र सरकार. यह आदिवासियों की अस्मिता की लड़ाई है.

'उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम' में हुआ बेहतर कार्य, केंद्र सरकार के नगर विकास विभाग ने दिया पुरस्कार

राज्य का बढ़ा मान: मेदिनीनगर नगर निगम को मिला दूसरा स्थान

संवाददाता। मेदिनीनगर

केंद्र सरकार के नगर विकास विभाग द्वारा ''उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम'' के तहत पूरे भारत में मेदिनीनगर नगर निगम को दूसरा स्थान मिला है. इसे लेकर नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय नगर विकास मंत्री से मेदिनीनगर नगर निगम के सिटी मैनेजर सतीश कुमार ने पुरस्कार ग्रहण किया. उन्हें सम्मान में कप के साथ प्रशस्ति पत्र दिया गया. पुरस्कार मिलने के बाद सोमवार को मेदिनीनगर नगर निगम कार्यालय में स्वागत समारोह आयोजित किया गया जिसमें नगर आयुक्त जावेद हुसैन को निगम के पदाधिकारियों ने स्वागत कर सम्मानित किया. वहीं सिटी मैनेजर सतीश कुमार ने कप के साथ प्रशस्ति पत्र नगर आयुक्त को सौंपा. मौके पर नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने कहा कि हमारे लिए यह गर्व की बात है कि मेदिनीनगर को पूरे भारत में दूसरा स्थान मिला है. इसके लिए मुझे दिल्ली में दिया गया सम्मान पाकर मैं बेहद ही खुश हूं और आगे भी बेहतर कार्य करूंगा ताकि दोबारा भी मेदिनीनगर निगम को पुरस्कृत किया जाए. सिटी मैनेजर सतीश कुमार ने बताया कि मेदनी नगर निगम को प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना के तहत दूसरा स्थान मिला है. उन्होंने बताया कि पुरस्कार करने वाली टीम में नगर मिशन प्रबंधक सतीश कुमार, अभिषेक कुमार, सामुदायिक संगठन कर्ता - रिम्पी कुमारी व राजन सिंह, सामुदायिक संसाधन सेविका सावित्री, ज्योति, चांदनी, सुनीता, सोनम सुषमा आदि शामिल है. उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत फुटपाथी दुकानदारों को पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) किफायती ऋण प्रदान किया जाता है और इस शरीर से फुटपाथ की दुकानदार अपने व्यापार को आगे बढ़ा सकते हैं. नगर निगम कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम के सभी कर्मी मौजूद थे.

नयी दिल्ली में पुरस्कार लेते नगर निगम के सिटी मैनेजर.

राजमहल में ग्रिड-सबस्टेशन सहित 34 योजनाओं का किया उद्घाटन- शिलान्यास

हमारी योजनाओं से आनेवाली पीढ़ी बनेगी सशक्त : मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता। रांची/साहिबगंज

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन साहिबगंज जिले के बरहेट प्रखंड अंतर्गत सिंगा मैदान में आयोजित 132/33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन (बरहेट) एवं 132 केवी (पाकुड़-राजमहल) डबल सर्किट लिलो ट्रांसमिशन लाइन का उद्घाटन किया. इस मौके पर उन्होंने करीब 88 करोड़ 84 लाख की 34 विकास योजनाओं का उद्घाटन- शिलान्यास किया. करीब 86 करोड 80 लाख रुपये की 31 योजनाओं की आधारशिला एवं तीन योजनाओं का उद्घाटन शामिल है. राजमहल एवं बरहेट में आयोजित कार्यक्रमों में 10 हज़ार 141 लाभुकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से उनके बीच 38 करोड़ 80 लाख रुपये से ज्यादा की परिसंपत्तियां बांटी. कार्यक्रम में राजमहल सांसद विजय हांसदा, विधायक अनंत ओझा, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक समेत कई अधिकारी मौजूद थे.

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि काम सिर्फ दिखावे के लिए नहीं होना चाहिए बल्कि इसका लाभ लंबे समय तक लोगों को मिलना चाहिए. हमारी सरकार इसी सोच के साथ योजनाएं बना रही है. हमारी योजनाएं आपको और आपकी आने वाली पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए है. उन्होंने कहा कि जब राज्य की जनता सशक्त होगी, तभी हमारा समाज और राज्य आगे बढ़ेगा.

राजमहल में सोमवार को लाभुक को चेक देते सीएम हेमंत सोरेन.

कैंप लगाकर महिलाओं को देंगे सम्मान राशि

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 21 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को सम्मान राशि देने का निर्णय लिया है. इसके लिए लाभुकों का आवेदन लेने के लिए बहुत जल्द पूरे राज्य में विशेष कैंप लगाए जाएंगे. राज्य की महिलाओं के सशक्तीकरण के संकल्प के साथ हम काम कर रहे हैं.

समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर प्रयास करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भी हमारे राज्य में कई समस्याएं हैं. हम कई चुनौतियों के बीच से गुजर रहे हैं. लेकिन, इन तमाम समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द हो, इसके लिए लगातार कार्य कर रहे हैं. उन्होंने लोगों से कहा कि समस्याओं से निजात के लिए मिल-जुल कर प्रयास करें.

राजमहल में हवाई पट्टी और रोप-वे की योजना पर विचार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजमहल का क्षेत्र कई मायनों में अलग पहचान रखता है. ऐतिहासिक एवं धार्मिक क्षेत्र होने के साथ पर्यटन की भी यहां अपार संभावनाएं हैं. यह झारखंड का एकमात्र इलाका है, जहां से गंगा नदी गुजरती है. यहां विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन लंबे अर्से से होता आ रहा है. यहां के तमाम संसाधनों का उपयोग कोई और कर रहा है.

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड राज्य में विकास की असीम संभावनाएं हैं. इस दिशा में हमारी सरकार ने कई आयाम जोड़े हैं, तो कई नए आयाम जोड़ने का काम हो रहा है. सरकार की कल्याणकारी योजनाएं जन-जन तक पहुंच रही हैं. आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने की दिशा में पूरी मजबूती के साथ कदम बढ़ा रहे हैं. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को श्रावणी माह के शुभारंभ एवं पहली सोमवारी की बधाई और शुभकामनाएं भी दीं.

डंडा के गांवों में मंत्री ने किया जनता से संवाद

मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना जनप्रतिनिधि का कर्तव्य : मिथिलेश

संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने सोमवार को गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के डंडा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनता संवाद का आयोजन किया. इस दौरान मंत्री श्री ठाकुर ने भिखही पंचायत के पपरवा टोला में रामा चौधरी के घर के समीप, भिखही गांव में दुर्गा मंडप के समीप, ग्राम छपरदागा के महुरान टोला में जनता संवाद का आयोजन किया. इस दौरान लोगों की समस्या सुनते हुए कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट निदान किया. साथ ही शेष समस्याओं का यथाशीघ्र निदान करने की बात कही. कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने मंत्री का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया.

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि जब से आपने मुझे अपना आशीर्वाद देकर सेवक चुना है तब से मैं एक दिन भी चैन से नहीं बैठा हूं. लगातर आप के बीच रह कर आपकी सेवा में, आपकी समस्याओं को दूर करने के लिए लगातार प्रयासरत हूं. बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, खेल सभी क्षेत्रों में काफी बेहतर कार्य किया हूं. यहां तक कि गढ़वा के लोगों ने मुझे दो बार हार का भी स्वाद चखाया फिर भी मैं जनसेवा में लगा रहा. आपने जो सेवा का आशीर्वाद दिया इसके लिए मैं आजीवन आभारी रहूंगा. आज से साढ़े चार वर्ष पूर्व डंडा की क्या स्थिति थी और आज क्या है, यह सभी के सामने है. आप लोगों ने किसी को 10 साल, किसी को 17 साल मौका दिया. उन लोगों ने अपने कार्यकाल में क्या किया यह उन्हें बताना चाहिए. मंत्री ने कहा कि जनता को सारी मूलभुत सुविधा उपलब्ध कराना, सरकारी योजनाओं का लाभ घर-घर दिलाना जनप्रतिनिधि का परम कर्तव्य होता है. जनप्रतिनिधि को अपना कार्य इमानदारी पूर्वक करना चाहिए.

नक्सलियों ने लगाये बैनर-पोस्टर

संवाददाता। चक्रधरपुर

सोनुवा-गुदड़ी मुख्य सड़क के झुम्परा गांव के पास लगने वाले साप्ताहिक हाट में नक्सली संगठन भाकपा माओवादी ने पोस्टर साटे और बैनर लगाए दिये. बताया जाता है कि सोमवार को ग्रामीणों ने झुम्परा साप्ताहिक हाट परिसर में कई स्थानों पर नक्सली बैनर व पोस्टर सटे हुए पाया. इसके बाद यह खबर आसपास के क्षेत्र में फैल गई. पोस्टरबाजी के कारण झुम्परा में सोमवार को लगने वाली साप्ताहिक हाट देर से शुरू हुई. नक्सलियों द्वारा की गई पोस्टरबाजी का असर साप्ताहिक हाट पर पड़ा. हाट में काफी कम व्यापारी दुकान लगाने पहुंचे थे. हालांकि, सूचना मिलने पर सोनुवा पुलिस ने झुम्परा हाट पहुंच कर बैनर व पोस्टर जब्त कर लिया है. पोस्टर व बैनर में पोड़ाहाट-कोल्हान-सारंडा वन क्षेत्रों से पुलिस व युद्ध सैनिकों को मार भगाओ व शोषण मुक्त पोड़ाहाट-कोल्हान-सारंडा क्षेत्र का निर्माण करो आदि नारे लिखे हुए हैं.

सीएम आज करेंगे कुष्ठाश्रम का उदघाटन

रांची। राजधानी और आसपास के कुष्ठ प्रभावित लोगों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि उनका अपना भव्य, सुंदर और आकर्षक आशियना होगा. उनका यह सपना कल साकार होने जा रहा है. शहर से दूर शांत वातावरण में जुडको द्वारा धुर्वा के मुड़मा में निर्मित कुष्ठ कालोनी का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 23 जुलाई को समारोह पूर्वक उदघाटन करेंगे.रांची नगर निगम द्वारा 256 फ्लैट में से 250 का लाटरी के माध्यम से आवंटन किया जा चुका है. मुख्यमंत्री 10 लाभुकों को सांकेतिक रूप से चाबी भी सौंपेंगे.

पांच एकड़ में बना है कुष्ठाश्रम : कुष्ठाश्रम में जी प्लस वन के सात ब्लॉक साढे.पांच एकड़ में बना है. कुल लागत 35 करोड़ रुपये आई है . प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत इस कालोनी का निर्माण पूरी तरह से राज्य सरकार के खर्चे से हुआ है. राज्य के नगर विकास विभाग के सचिव अरवा राजकमल ने बताया है कि कुष्ठ प्रभावित लोगों को जीवन स्तर ऊंचा उठाने और रहन सहन आरामदायक बनाने के उद्देश्य से इस आश्रम का निर्माण कराया गया है.

पेज एक का शेष

जीडीपी 6.5-7% रहेगी

8. भारतीय बाजार का प्रदर्शन शानदार : भारत दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यस्थ है और आर्थिक सर्वे में इसकी ग्रोथ स्टोरी में कैपिटल मार्केट की अहम भूमिका रही है. स्टॉक मार्केट ग्लोबल टेंशन और तमाम आर्थिक झटकों के बीच शानदार परफॉर्मेंस दी है. रिपोर्ट के मुताबिक, शेयर मार्केट का निफ्टी-50 इंडेक्स वित्त वर्ष 24 के दौरान 26.8 फीसदी की बढ़त में रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 8.2 फीसदी की गिरावट में था.

9. एआई का दिख सकता है असर : आर्थिक सर्वे में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी (एआई) के कर्मचारियों पर पड़ने वाले असर को लेकर काफी अनश्चितता है. सर्वे रिपोर्ट में अनुमान जाहिर किया गया है कि एआई से प्रोडक्टिविटी में बढ़ोतरी तो होगी, लेकिन इसका कुछ सेक्टर्स में रोजगार पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है.

10. महंगाई में कमी की उम्मीद : इकोनॉमिक सर्वे की रिपोर्ट में मानसून के सामान्य रहने की उम्मीद जताई गई है. ऐसे में महंगाई दर में गिरावट आ सकती है. इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक ने भी चालू वित्त वर्ष में महंगाई दर के 4.5 फीसदी पर रहने का अनुमान जताया है.

हिंदू-मुस्लिम करते रहें, झंडा ढोने वाला भी नहीं मिलेगा : हेमंत सोरेन

सिपाही की भर्ती प्रकिया जल्द होगी शुरू : मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि गांव- गांव पंचायत पंचायत में हमारा कैंप लगेगा. फिर से सरकार आपके द्वार कार्यक्रम होने जा रहा है. महिलाओं के लिए एक विशेष योजना का लाभ दिया जाएगा. पहले हमलोग बुजुर्गों को पेंशन देते थे. लेकिन अब 21 साल से 49 साल की जितनी महिलाएं है, सबको राज्य सरकार सम्मान राशि देगी. रोजगार सृजन को लेकर भी बहुत जल्द हम पुलिस की बहाली की दौड़ शुरू होगी. उसकी पूरी तैयारी पूरी हो चुकी है. इस महीने के आखिर तक 18 लाख आवेदन मिले हैं, सिपाही भर्ती को लेकर उसकी भी बहाली प्रक्रिया शुरू की जाएगी. -हमारी योजनाएं सिर्फ दिखावे के लिए नहीं, आने पीढ़ी बनेगी सशक्त, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राजमहल में आयोजित कार्यक्रम में ग्रिड-सबस्टेशन समेत 34 योजनाओं का किया उद्घाटन- शिलान्यास, लाभुकों के बीच बांटी परिसंपत्ति.

दुकानदारों को नाम बताने की जरूरत नहीं, शाकाहारी या मांसाहारी बताएं

यूपी के मुजफ्फरनगर में हुई थी शुरुआत : यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा से पहले जरूरी निर्देश जारी किए थे. सरकार के मुताबिक, सड़क किनारे ठेले समेत हर खाद्य पदार्थ की दुकानों के मालिकों को अपने नाम का बोर्ड लगाना जरूरी कर दिया गया था. इस नियम की शुरुआत मुजफ्फरनगर से हुई थी. वहां स्थानीय प्रशासन ने कांवड़ यात्रियों के रास्ते में पड़ने वाली दुकानों पर उनके मालिक और संचालक के नाम लिखने के निर्देश दिए थे. इसे लेकर राज्य समेत देश की राजनीति गरमा गई. विपक्ष के विरोध के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे पूरे प्रदेश में लागू करने का आदेश दे दिया था. इसके अलावा, राज्य सरकार ने घोषणा की थी कि हलाल सर्टिफिकेशन वाले उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

नीट पेपरलीक पर लोकसभा में जोरदार हंगामा

सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं: शिक्षा मंत्री : धर्मेंद्र प्रधान ने कहा , मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट से जुड़े मामले पर सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है. उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुसार अखिल भारतीय स्तर पर परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है. उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए विपक्ष के आरोपों के संदर्भ में यह भी कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि पिछले सात वर्षों में 70 पेपर लीक हुए हैं. शिक्षा मंत्री सवाल किया कि क्या 2010 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने शिक्षा में सुधार से जुड़ा विधेयक निजी मेडिकल कॉलेजों के दबाव में वापस ले लिया था? उन्होंने यह भी कहा कि नेता प्रतिपक्ष का पूरी परीक्षा प्रणाली को बकवास कहना दुर्भाग्यपूर्ण है. इस पर प्रधान ने कहा, मुझे बौद्धिकता और संस्कार का प्रमाणपत्र किसी से नहीं चाहिए. देश के लोकतंत्र ने हमारे प्रधानमंत्री को चुना है मैं उनके निर्णय से यहां जवाब दे रहा हूं. शिक्षा मंत्री ने कहा, यह कहा गया कि देश की भारतीय परीक्षा प्रणाली बकवास है, इससे दुर्भाग्यपूर्ण बयान कुछ नहीं हो सकता. मैं इसकी निंदा करता हूं.

बिहार

ब्रीफ खबरें

दुष्कर्म के बाद युवती की हत्या से सनसनी

नवादा। नवादा में सोमवार को एक कमरे से लड़की का शव बरामद की की गई है. बलात्कार कर हत्या की संभावना व्यक्त की जा रही है. लाश को सुनसान रूम में छोड़ दिया गया है. शव को देखते ही इलाका में सनसनी फैल गई है. नवादा जिले के वारसलीगंज थाने के बाघी बरडीहा रेलवे स्टेशन के बगल में एक रूम में लड़की का शव बरामद किया गया है. जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी रुपेश कुमार सिन्हा घटना स्थल पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं.

महिला के खाते से उड़ाये एक लाख 72 हजार रु

पूर्वी चंपारण। साइबर फ्रॉडो ने एटीएम कार्ड बदल कर एक महिला के खाते से 1 लाख 72 हजार रुपया उड़ा लिया और वैशाली जिले के नाम व पता वाले खाता धारक के खाते में 1 लाख 25 हजार रुपया ट्रांसफर किया है. कोटवा पुलिस साइबर एक्सपर्ट की मदद से उक्त खाताधारक की कुंडली खंगालने में जुटी है. साथ ही इस संबंध में बैंक अधिकारी से लिखित जानकारी प्राप्त कर बैंक के हेडक्वाटर मुम्बई मेल किया गया है.

अवधेश नारायण सिंह बिहार विधान परिषद के सभापति बने

संवाददाता। पटना

अवधेश नारायण सिंह ने सोमवार को बिहार विधान परिषद के सभापति के लिए नामांकन किया. इसके साथ वे सभापति चुन लिए गए. वे एक महीने से सदन के कार्यकारी सभापति थे. सीएम नीतीश ने अवधेश नारायण सिंह को पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया. उनके नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी, ग्रामीण मंत्री अशोक चौधरी सहित कई नेता मौजूद रहे. बिहार विधान मंडल का मानसून सत्र सोमवार शुरू हो गया है. पांच दिवसीय इस सत्र में विधान परिषद के 207वें सत्र का भी आयोजन होगा. सत्र शुरू होने के पहले अवधेश नारायण सिंह को बड़ी जिम्मेदारी मिली है और वे सभापति के रूप में अब दायित्व संभालते नजर आएंगे.

अपराधियों ने दवा कारोबारी को मारी गोली

संवाददाता। मुज़फ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में बाइक सवार दो बेखौफ अपराधियों ने दवा कारोबारी को गोली मारकर घायल कर दिया. घटना मीनापुर थाना क्षेत्र के धरमपुर मलंग चौक के पास की है. घायल युवक की पहचान नंदू प्रसाद (25) के रूप में की गई है. घटना के संबंध में घायल के भाई ने बताया कि नंदू प्रसाद अपने खेत मे पटवन करवा रहे थे. तभी वहां अचानक अपाची बाइक पर सवार दो बेखौफ अपराधियों ने

नंदू प्रसाद पर गोलियां बरसाने लगे. अचानक हुए इस गोली-बारी में दवा कारोबारी घायल हो गये. उन्हें दो गोली लगी है, पहली गोली उनके सीने में लगी है, जबकि दूसरी गोली उनके बांह में लगी है. परिजनों ने बताया कि उन्होंने कमीज के उपरी पॉकेट में मोबाइल रखा था, जिसे गोली छेद करते हुए सीने में जा घुसी. गोली लगते ही नंदू जमीन पर गिर पड़े. गोली चलते ही वहां आसपास के लोग दौड़ पड़े, तब तक अपराधी वहां से फरार हो गये. अपराधियों के वहां से भागते ही आसपास के लोग वहां जुट गये और आनन-फानन में उन्हें अस्पताल पहुंचाया. फिलहाल अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है. घटना के क्या कारण हैं, फिलहाल स्पष्ट नहीं हुआ है. परिवार के लोग भी कुछ नहीं बता रहे हैं.

गंगा जहाज घाट पर 11 शिवभक्त डूबे, चार की मौत

संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर जिले में रविवार रात करीब दो बजे सावन के पहले सोमवार के लिए गंगा नदी से जल लेने गए 11 शिवभक्त डूब गए. इनमें से चार लोगों की मौत हो गई और शेष सात को बचा लिया गया. यह हादसा जिले के भवानीपुर थाना क्षेत्र के मधुरापुर गंगा जहाज घाट पर हुआ. घाट के आसपास के लोगों ने गोताखोरों की मदद से सभी 11 शिवभक्त किशोर और युवकों को बाहर निकाला. इनमें चार की मौत हो गई. मृतक नवगछिया थाना क्षेत्र के नया टोला के रहने वाले हैं. इनमें दो नाबालिग हैं.

ग्रामीणों के मुताबिक मृतकों में शिवम कुमार (18) पिता दिगंबर शर्मा, सोनू कुमार (16) पिता दिलीप गुप्ता, आलोक कुमार (18) पिता संतोष भगत और संजीव कुमार (17) पिता अरुण कुमार शाह शामिल हैं. चारों दोस्त हैं. बताया गया है कि सबसे पहले जल लेने के लिए गंगा में उतरे डूब रहे आलोक को बचाने के लिए एक-एक कर सभी ने छलांग दी और यह हादसा हो गया. हादसे की सूचना पर मिलते ही भवानीपुर थाना अध्यक्ष महेश कुमार, अंचलाधिकारी विशाल अग्रवाल, आरओ भरत कुमार झा मौके पर पहुंचे.

पटना में गंगा स्नान के दौरान डूबा अधेड़

पटना में गंगा स्नान के दौरान डूबा अधेड़ पटना : पटना में सावन के पहले सोमवार को गंगा स्नान करने आए एक अधेड़ व्यक्ति गंगा की तेज धार में बह गए. अधेड़ की पहचान हाथीदह थाना क्षेत्र निवासी सुनील सिंह के रूप में हुई है. घटना की सूचना परिजनों को मिलते ही परिवार वालों के बीच कोहराम मच गया. परिजन आनन-फानन में गंगा घाट पहुंच गए. इसके बाद स्थानीय प्रशासन को सूचना दी. इधर, सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद वर्मा और मोकामा अंचलाधिकारी मो. इंकेसाफ आलम तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गए. उसके बाद एसडीआरएफ और गोताखोर को सूचना दी गई. गौरतलब है कि एसडीआरएफ की स्थाई तैनाती न रहने के कारण बेगूसराय से बुलाना पड़ता है, जिसके कारण आने में काफी विलंब हो जाता है. एसडीआरएफ टीम के मौके पर पहुंचने में देर लगने के कारण गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया. ग्रामीणों ने एनएच-31 और SH-80 को जाम कर दिया. ग्रामीणों ने मांग की कि आपदा प्रबंधन और गोताखोर टीम की स्थाई तैनाती की जाए.

मॉनसून सत्र को लेकर एनडीए की हुई बैठक

पटना। एनडीए के विधायक दल की सोमवार को बैठक हुई. बैठक बिहार विधानसभा के एक्सटेंशन सेंट्रल हॉल में हुई. इसमें विधानमंडल में मॉनसून सत्र में विपक्ष को करारा जवाब देने की रणनीति पर चर्चा हुई. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता ने इस बैठक की अध्यक्षता की. बैठक में सीएम के अलावा उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मंचासीन थे. मंत्री प्रेम कुमार ने सदन में कैसे सुचारू रूप से कार्यवाही को आगे बढ़ाने में सत्ता पक्ष भूमिका अदा कर सकता है इस पर सदस्यों को बताया. साथ ही विपक्ष द्वारा सरकार को घेरने के लिए जिन मुद्दों को उठाया जा सकता है उससे निपटने पर चर्चा की गई.

ब्रीफ खबरें

राहत फतेह अली दुबई एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

दुबई। मशहूर गायक राहत फतेह अली खान को दुबई एयरपोर्ट पर विमान में चढ़ने से रोका गया है. विमान में चढ़ने से रोकने के बाद उन्हें दुबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार करने के बाद पुलिस उन्हें दुबई पुलिस स्टेशन ले गई. पाकिस्तान के जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, राहत फतेह अली खान के पूर्व मैनेजर और मशहूर शोबिज प्रमोटर सलमान अहमद ने दुबई में उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया है. इसके बाद ही यह कार्रवाई की गई. राहत विभिन्न संगीत कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने के लिए दुबई में आए थे.

लाल बिहारी होंगे उप्र विप में विपक्ष के नेता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के लाल बिहारी यादव उत्तर प्रदेश विधान परिषद में विपक्ष के नेता होंगे. विधान परिषद के प्रधान सचिव डॉ. राजेश सिंह ने सोमवार को एक बयान में बताया कि विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने संविधान में दिये गये अधिकार का इस्तेमाल करते हुए लाल बिहारी यादव को सदन में 'नेता विरोधी दल' बनाया है. विधान परिषद के 100 सदस्यीय सदन में नेता प्रतिपक्ष का पद हासिल करने के लिये सबसे बड़े विपक्षी दल को कम से कम 10 सदस्यों की जरूरत होती है.

ओडिशा में राज्यपाल के अभिभाषण का बहिष्कार

भुवनेश्वर। ओडिशा की 17वीं विधानसभा के पहले सत्र की शुरुआत सोमवार को हंगामे के साथ हुई और विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) तथा कांग्रेस दोनों ने राज्यपाल रघुबर दास के अभिभाषण का बहिष्कार किया. विपक्ष ने दास के बेटे पर पुरी में राजभवन के एक अधिकारी से मारपीट करने के आरोपों के बावजूद उस पर कथित तौर पर कार्रवाई न करने को लेकर राज्यपाल के अभिभाषण का बहिष्कार किया. विपक्षी बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक की अगुवाई में पार्टी के विधायकों ने सदन से बहिर्गमन किया.

मुंबई में हिट एंड रन का एक और मामला

मुंबई। मुंबई के मुलुंड इलाके में सोमवार को एक तेज रफ्तार ऑडी कार ने दो खड़े ऑटोरिक्शा को टक्कर मार दी जिससे चार लोग घायल हो गए. घायलों में एक की हालत गंभीर बनी हुई है. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि घटना सोमवार सुबह करीब आठ बजे डम्पिंग रोड पर हुई और हादसे के बाद चालक ऑडी कार वहीं पर छोड़कर फरार हो गया. उसने बताया कि वाहन को जब्त कर लिया गया है. पुलिस ने बताया कि घायलों में दो ऑटोरिक्शा चालक और उनमें सवार दो यात्री हैं जिनमें से एक यात्री की हालत गंभीर बताई जा रही है.

मुंबई में भारी बारिश ट्रेन सेवाएं प्रभावित

मुंबई। मुंबई में सोमवार को लगातार दूसरे दिन भारी बारिश जारी रही, जिससे मध्य रेलवे नेटवर्क के कल्याण और ठाकुर्ली स्टेशन के बीच व्यस्त समय के दौरान लोकल ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं. सुबह कुछ इलाकों में महज एक घंटे में 34 मिलीमीटर तक की बारिश दर्ज की गई. अधिकारियों ने बताया कि सुबह आठ बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में मुंबई में औसतन 135 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई. इस अवधि में पूर्वी मुंबई में 154 मिलीमीटर और पश्चिमी मुंबई में 137 मिलीमीटर बारिश हुई.

विवादित फैसला : गृह मंत्रालय ने नौ जुलाई को एक आदेश जारी करते हुए इंदिरा गांधी सरकार द्वारा 58 साल पहले लगाया गया प्रतिबंध हटाया

आरएसएस की गतिविधियों में अब शामिल हो सकेंगे सरकारी कर्मचारी

एजेंसी। नई दिल्ली

गृह मंत्रालय ने नौ जुलाई को एक आदेश जारी करते हुए सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों में शामिल होने पर लगा प्रतिबंध हटा लिया है. इस आदेश में केंद्र सरकारों के द्वारा 1966, 1970 और 1980 के उन आदेशों में संशोधन किया गया है, जिनमें कुछ अन्य संस्थाओं के साथ-साथ आरएसएस की शाखाओं और अन्य गतिविधियों में शामिल होने पर सरकारी कर्मचारियों पर कड़े दंडात्मक प्रावधान लागू किए गए थे. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस आदेश का स्वागत किया है, तो कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों ने इसकी आलोचना करते हुए इसे फौरन वापस लेने की मांग की है. सेवानिवृत होने के बाद पेंशन लाभ इत्यादि को ध्यान में रखते हुए भी अनेक सरकारी कर्मचारी आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने से बचते थे. हालांकि, इस बीच मध्यप्रदेश सहित कई राज्य सरकारों ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था. इससे पहले कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर रविवार को पोस्ट किया था कि सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को हटा लिया गया है. इसके बाद से इस फ़ैसले को लेकर काफ़ी चर्चाएं हो रही हैं. हालांकि केंद्र सरकार की ओर से अभी तक इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है.

> राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 99 वर्षों से लगातार राष्ट्र के पुनर्निर्माण एवं समाज की सेवा में लगा हुआ है. 'तत्कालीन सरकार ने निराधार ही शासकीय कर्मियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर रोक लगा दी थी. वर्तमान सरकार का फैसला समुचित है और लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुष्ट करने वाला है.' **-आरएसएस**

विपक्ष ने फौरन वापस लेने की मांग की

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है, मोदी जी सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर लगा प्रतिबंध हटाकर सरकारी दफ़्तरों के कर्मचारियों को विचारधारा के आधार पर विभाजित करना चाहते हैं. एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि सरकारी कर्मचारियों को संघ की गतिविधियों में भाग लेने देने का फ़ैसला ग़लत है. संघ का सदस्य भारत की विविधता को नहीं मानता है वो हिंदू राष्ट्र की कसम खाता है. कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम ने कहा है कि एक कार्यरत सरकारी कर्मचारी किसी भी राजनैतिक संगठन का भाग नहीं हो सकता है. तत्कालीन सरकार द्वारा किसी कारण से ही इस संस्था पर बैन लगाया गया था, सरकार को यह बताना चाहिए कि उन्होंने यह बैन क्यों हटाया है.

राजनीति से प्रेरित संघ का तुष्टिकरण

कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने कहा है कि 1966 का यह बैन जनसंघ और वाजपेयी की सरकार ने नहीं हटाया. दस साल मोदी सरकार रही उन्होंने भी नहीं हटाया, अचानक क्या हो गया, इसका जवाब सरकार को देना चाहिए. वहीं बीएसपी प्रमुख मायावती ने एक्स पर लिखा है, "सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस की शाखाओं में जाने पर 58 साल से जारी प्रतिबंध को हटाने का केंद्र का फ़ैसला देशहित से परे, राजनीति से प्रेरित संघ तुष्टिकरण का फ़ैसला है. सरकारी कर्मचारियों को संविधान और कानून के दायरे में रहकर निष्पक्षता के साथ जनहित और जनकल्याण में काम करना ज़रूरी होता है जबकि कई बार प्रतिबंधित रहे आरएसएस की गतिविधियां राजनीतिक ही नहीं बल्कि पार्टी विशेष के लिए चुनावी भी रही हैं. मायावती ने केंद्र के फ़ैसले को अनुचित बताया है और इसे फ़ौरन वापस लेने की मांग की है.

मोदी का वार, कांग्रेस का पलटवार

विपक्ष ने 'प्रधानमंत्री का गला घोंटने' का किया प्रयास : मोदी

- संसद सत्र की शुरुआत से पहले मोदी ने अपने चिरपरिचित अंदाज में विपक्ष पर साधा निशाना

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर 'नकारात्मक राजनीति' करने और अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए संसद का 'दुरुपयोग' करने का आरोप लगाया तथा कहा कि संसद किसी 'दल के लिए नहीं बल्कि देश के लिए है.' संसद सत्र की शुरुआत से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मंगलवार को पेश होने वाला केंद्रीय बजट अगले पांच वर्षों में सरकार की यात्रा की दिशा तय करेगा और 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को पूरा करने की नींव रखेगा.

उन्होंने आरोप लगाया कि संसद के पिछले सत्र के दौरान लोकसभा में विपक्ष ने ढाई घंटे तक देश के 'प्रधानमंत्री का गला घोंटने'' का प्रयास किया. मोदी ने कहा कि लोगों ने लोकसभा चुनाव में अपना फैसला दे दिया है और अब सभी राजनीतिक दलों को अगले पांच साल देश के लिए मिलकर लड़ना होगा. उन्होंने यह अपील सभी दलों के सांसदों से की. उन्होंने हाल में संपन्न आम चुनाव की ओर संकेत करते हुए कहा, 'गत जनवरी से लेकर (जून में आम चुनाव संपन्न होने तक) हम लोगों के पास जितना सामर्थ्य था, जितनी लड़ाई लड़नी थी... लड़ ली, जनता को जो बात बतानी थी- बता दी. किसी ने राह दिखाने का प्रयास किया, किसी ने गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन अब वो (चुनाव प्रचार का) दौर समाप्त हुआ है, देशवासियों ने अपना निर्णय दे दिया है.' उन्होंने कहा, 'अब चुने हुए सभी सांसदों का कर्तव्य है, सभी राजनीतिक दलों की विशेष जिम्मेदारी है कि...आने वाले पांच वर्ष के लिए हमें देश के लिए लड़ना है, देश के लिए जूझना है. एक और नेक बनकर जूझना है.' प्रधानमंत्री ने राजनीतिक दलों से पार्टी लाइन से ऊपर उठने और अगले चार से साढ़े चार वर्षों तक संसद के मंच का उपयोग करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा, 'जनवरी 2029 चुनाव का वर्ष होगा. आप उसके बाद जाइए मैदान में.

महत्वपूर्ण समय का दुरुपयोग

मोदी ने उन्होंने किसी पार्टी का नाम लिये बिना कहा, 'क्योंकि कुछ दलों की नकारात्मक राजनीति ने देश की संसद के महत्वपूर्ण समय को एक प्रकार से अपनी राजनीतिक विफलताओं को ढंकने के लिए दुरुपयोग किया है.' प्रधानमंत्री ने सभी दलों से आग्रह किया कि कम से कम पहली बार सदन में पहुंचने वाले सदस्यों को अवसर और चर्चा के दौरान अपने विचारों को प्रकट करने का मौका मिलना चाहिए. संसद के पिछले सत्र में हुए व्यवधान को रेखांकित करते हुए मोदी ने कहा कि उस दौरान 140 करोड़ देशवासियों की आवाज को कुचलने का 'अलोकतांत्रिक' प्रयास हुआ था.

प्रधानमंत्री ने 10 साल तक देश का गला घोंटा, जिसकी सजा उन्हें मिली

- कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने मोदी पर किया पलटवार, कहा-अब तो खुद को लोकतांत्रिक साबित करें

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि संसद के मानसून सत्र की शुरुआत के मौके पर विपक्ष को लेकर 'अशोभनीय टिप्पणी' की, जबकि उन्होंने 10 साल तक देश का गला घोंटा और आवाज दबाई, जिसकी सजा जनता ने हालिया लोकसभा चुनाव में उन्हें दी. पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को 'मोदी सरकार' शब्द के इस्तेमाल से भी बचना चाहिए और खुद को लोकतांत्रिक साबित करना चाहिए.

खेड़ा ने एक बयान में कहा, 'जिस व्यक्ति ने 10 साल तक देश का गला घोंटा और आवाज़ दबाई, वो आज प्रतिपक्ष के आवाज उठाने पर रुदन करता हुआ बेहद कमजोर दिख रहा था. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिपक्ष पर अशोभनीय टिप्पणी के साथ आज मानसून सत्र की शुरुआत की. प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री का ढाई घंटे तक गला घोंटा.' उन्होंने दावा किया, 'प्रधानमंत्री मोदी को ये याद दिलाना जरूरी है कि पिछले 10 साल के उनके अन्याय काल में पूरे देश का दम घोंटा गया, जिसकी सजा जनता ने उन्हें दी है. प्रधानमंत्री मोदी भूल गए हैं कि वो बहुमत की सरकार के प्रधानमंत्री नहीं, दो दलों के सहयोग से चलने वाली राजग सरकार के एक तिहाई प्रधानमंत्री हैं. उन्हें 'मोदी सरकार' शब्द के इस्तेमाल से भी बचना चाहिए और खुद को लोकतांत्रिक साबित करना चाहिए.' उनका कहना था, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्मरण कराना उचित होगा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ये भाषण दे रहे थे, उस वक्त देश के 32 लाख छात्रों की आवाज को दबाने और उनके साथ आपकी सरकार के अन्याय के खिलाफ देश का उच्चतम न्यायालय सुनवाई कर रहा है.' खेड़ा ने कहा, 'आप (मोदी) जब अपने अहंकार और झूठ से लबालब भाषण दे रहे थे तो आपको बताना जरूरी होगा कि देश के 15 से अधिक अग्निवीर देश के लिए प्राणों की आहुति का सपना अपने दिल में रख कर आत्महत्या के लिए मजबूर हो चुके है.'

अब गरिमा अपनाइए मोदीजी

कांग्रेस नेता ने कहा, 'आपने सही कहा प्रधानमंत्री जी, संसद देश के लिए है. वो किसी राजा का दरबार नहीं है. लिहाजा प्रतिपक्ष वहां देश के युवाओं, किसानों, जवानों, मजदूर, महिलाओं, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और गरीबों के दर्द को आवाज़ संसद में उठाने को मजबूर है.' खेड़ा ने दावा किया कि सच्चाई तो यह है कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में 'मोदी बनाम देश' बना दिया है. उन्होंने कहा, 'हमारा संसदीय दायित्व है कि देश की आवाज उठाने के लिए हम आपको बार-बार टोकें, बार-बार रोकें. अब गुरूर छोड़ गरिमा अपनाइए मोदीजी, आपने पिछले 10 साल सिर्फ अपनी बात कही है, आपको किसने क्या कहा और हरदम आपकी पीड़ा सुनाने का समय गया.

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में अब आज भी होगी सुनवाई

- सुप्रीम कोर्ट ने आईआईटी दिल्ली को भी जांच में शामिल किया
- शीर्ष अदालत की टिप्पणी, चार मई से पहले लीक हुए होंगे पेपर

एजेंसी। नयी दिल्ली

नीट-यूजी पेपर लीक मामले की जांच में अब सुप्रीम कोर्ट ने आईआईटी दिल्ली को भी शामिल कर लिया है. अदालत ने सोमवार को आदेश दिया कि आईआईटी दिल्ली के डायरेक्टर तीन एक्सपर्ट्स की एक कमेटी का गठन करें. यह कमेटी परीक्षा में आए एक सवाल के सही जवाब पर राय दे. दरअसल एक ऐसे सवाल का मसला भी उठा है, जिसके दो सही उत्तर माने जा रहे हैं.

ऐसे में अदालत ने एक्सपर्ट्स की एक कमेटी से ही इस पर जवाब मांग लिया है. सुप्रीम कोर्ट ने इस पर मंगलवार को दोपहर 12 बजे तक जवाब मांगा है. इसके साथ ही मंगलवार तक के लिए सुनवाई भी टाल दी. अब अदालत मंगलवार को सुनवाई करेगी. इस मामले पर कोर्ट ने कहा कि पेपर 4 मई से पहले लीक हुए होंगे. जिसके जवाब में सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि पेपर कब मिले, ये साफ नहीं है. दरअसल, एक सवाल के दो संभावित जवाब से उपजे भ्रम का कुछ उम्मीदवारों ने विरोध किया. इन लोगों ने कहा कि जिन बच्चों ने कोई एक जवाब दिया, उन्हें 4 अंक मिले. जिन्होंने भ्रम के चलते छोड़ दिया, उन्हें शून्य मिला. इसके चलते रैंकिंग बदल गई. डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अभी तक ऐसे कोई कोई सबूत नहीं मिले हैं, जिससे ये साबित हो सके कि नीट यूजी पेपर लीक इतना व्यापक था कि पूरे देश में फैल गया. ये देखना होगा कि क्या लीक लोकल लेवल पर है और ये भी देखना होगा कि पेपर लीक सुबह 9 बजे हुआ और साढ़े दस बजे तक सॉल्व हो गया. इस पर विश्वास कैसे किया जाए. हमें बताएं कि ये कितना व्यापक है.

दी गई दिलचस्प दलीलें

सोमवार को अदालत में दिलचस्प सुनवाई देखने को मिली. कोर्ट में याचियों के वकील नरेंद्र हुड्डा ने दलील दी कि एनसीईआरटी के एक सवाल के चलते 44 लोगों को टॉप रैंक मिल गई है. इस सवाल के दो जवाब सही माने जा रहे हैं. ऐसे में किसी एक जवाब को ही सही माना जाए और उस पर स्पष्टता होनी चाहिए. इसी तर्क पर अदालत ने दिल्ली आईआईटी को एक्सपर्ट्स की कमेटी बनाने को कहा. यह सवाल फिजिक्स से जुड़ा था. सुनवाई के दौरान वकील हुड्डा ने कहा कि पेपर लीक वॉट्सऐप के जरिए हुआ. इसलिए यह बिहार या झारखंड तक ही सीमित रहा, ऐसा नहीं माना जा सकता. उन्होंने कहा कि सॉल्वर्स को राजस्थान से ले जाया गया.

किसान मजदूर व संयुक्त किसान मोर्चा का 15 को ट्रैक्टर मार्च का ऐलान

तीन नए क्रिमिनल लॉ के खिलाफ दिल्ली कूच करेंगे किसान-मजदूर

एजेंसी। नयी दिल्ली

तीन नए क्रिमिनल लॉ के खिलाफ किसान अब दिल्ली की ओर कूच करने की तैयारी में हैं. किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से इसका ऐलान किया गया है. 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर किसानों की ओर से देशभर में ट्रैक्टर मार्च की घोषणा की गई है. किसानों से संघु और शंभु समेत दिल्ली के लगते बॉर्डर पर पहुंचने की अपील की गई है. फैसला लिया गया है कि ट्रैक्टर मार्च के साथ ही नए क्रिमिनल कानूनों की कॉपी को भी जलाया जाएगा.

1 अगस्त को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन: किसान संगठनों ने फैसला किया है कि 1 अगस्त को वह मोदी सरकार की अर्थी जलाएंगे. इस दौरान एमएसपी पर कानूनी गारंटी के लिए जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने का भी ऐलान किया गया है. किसानों ने रणनीति बनाई है कि 15 अगस्त को पूरे देश में ट्रैक्टर मार्च किया जाएगा. इस दौरान नए क्रिमिनल लॉ की कॉपी भी जलाई जाएगी. देशभर के किसानों से सरकार की नीतियों का विरोध करने की अपील की गई है. शंभू बॉर्डर पर किसान महीनों का राशन लेकर पहुंचने लगे हैं. किसान लंबे समय से शंभु बॉर्डर पर डटे हुए हैं.

सुप्रीम कोर्ट में है मामला

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने अपने फैसले में एक हफ्ते के भीतर शंभू बॉर्डर को खोलने का आदेश दिया था. इसकी मियाद 17 जुलाई को खत्म हो गई, लेकिन इससे पहले हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को उठा दिया. बता दें कि एमएसपी की लीगल गारंटी सहित करीब 12 मांगों को लेकर 13 फरवरी को पंजाब के किसान दिल्ली के लिए निकले थे. लेकिन हरियाणा सरकार ने पटियाला और अंबाला के बीच शंभू बॉर्डर पर उनका रास्ता बंद कर दिया. तब से किसान शंभू बॉर्डर पर डेरा डाले हुए हैं.

पेट्रापोल के जरिए होता है दोनों देशों के बीच भूमि आधारित व्यापार का एक तिहाई हिस्सा

हिंसा के कारण भारत-बांग्लादेश व्यापार ठप

एजेंसी। कोलकाता

बांग्लादेश में जारी हिंसा के कारण पश्चिम बंगाल के भू बंदरगाहों के माध्यम से भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापार सोमवार को लगातार दूसरे दिन भी ठप रहा. हालांकि यात्रियों की सीमित आवाजाही बनी रही. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. रविवार से मालवाहक ट्रकों की आवाजाही बंद है, क्योंकि सरकार द्वारा घोषित अवकाश के कारण आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर पेट्रापोल भू बंदरगाह का बांग्लादेशी हिस्सा बंद है. भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि आधारित व्यापार का लगभग एक तिहाई हिस्सा पेट्रापोल के जरिए होता है. पेट्रापोल, उत्तर 24 परगना जिले के बोनगांव में स्थित है. भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण

(पेट्रापोल) के प्रबंधक कमलेश सैनी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''व्यापार अभी बहाल होना बाकी है. हालांकि, लोगों, खासकर छात्रों की सीमा पार आवाजाही जारी है. अब तक बांग्लादेश से 700 से अधिक छात्र पेट्रापोल पहुंच चुके हैं.'

सैनी ने कहा कि आने वाले छात्रों की बुनियादी जरूरतों में सहायता के लिए पेट्रापोल में एक सहायता डेस्क स्थापित किया गया है. बीएसएफ दक्षिण बंगाल फ्रंटियर ने भी बांग्लादेश में अशांति के बीच छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए सीमा पर एकीकृत जांच चौकी पर विशेष सहायता डेस्क भी स्थापित किए हैं. बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं, जिनमें 100 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं. ढाका और अन्य शहरों में विश्वविद्यालय के छात्र 1971 में पाकिस्तान से देश की आजादी के लिए लड़ने वाले युद्ध नायकों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरियों में 30 फीसदी तक का आरक्षण देने की व्यवस्था के खिलाफ कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं.

यूएई : बांग्लादेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन पर बांग्लादेशियों को मिली कारावास की सजा

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात की एक अदालत ने दर्जनों बांग्लादेशियों को अपने देश की सरकार के खिलाफ यहां प्रदर्शन करने पर कारावास की सजा सुनाई है. इनमें से तीन को उम्रकैद की सजा दी गई है. सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम की खबर के मुताबिक अबू धाबी की संघीय अपीलीय अदालत ने रविवार को 53 बांग्लादेशियों को 10-10 साल कारावास, एक बांग्लादेशी को 11 साल कारावास और तीन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. अदालत ने इनको सजा पूरी होने के बाद देश से निष्कासित करने का भी आदेश दिया है.

अमेरिकी आम चुनाव भारतीय-अमेरिकी उद्यमी बोले- ट्रंप ने जलवायु प्रगति को एक दशक पीछे धकेला

ट्रंप की उम्मीदवारी को लेकर मस्क-खोसला में जुबानी जंग

एजेंसी। न्यूयॉर्क

अमेरिका में नवंबर में प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उम्मीदवारी को लेकर अरबपति टेक कारोबारी एलन मस्क और भारतीय-अमेरिकी उद्यम पूंजीपति विनोद खोसला के बीच जुबानी जंग छिड़ गई. सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में खोसला ने ट्रंप को एक ऐसा रिपब्लिकन नेता करार दिया, जिसमें कोई "कोई नैतिकता नहीं है, जो झूठ बोलता है, धोखा देता है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म, अपमान करता है" और उनके जैसे प्रवासियों से "नफरत करता है." खोसला ने कहा कि उनके लिए ट्रंप जैसे व्यक्ति का समर्थन करना बहुत मुश्किल है.

भारतीय-अमेरिकी उद्यम पूंजीपति ने सवाल किया, "वह मेरे करों में कटौती कर सकते हैं या कुछ विनियमन में राहत दे सकते हैं, लेकिन यह उनके व्यक्तिगत मूल्यों में व्याप्त भ्रष्टता को स्वीकार करने का कोई कारण नहीं हो सकता. क्या आप एक ऐसा राष्ट्रपति चाहते हैं, जो अपने पहले वर्ष में जलवायु प्रगति को एक दशक पीछे धकेल दे? क्या आप अपने बच्चों को अच्छे मूल्य सिखाते समय उदाहरण के रूप में उन्हें पेश करना चाहते हैं?"

ऐसा प्रशासन हो जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बढ़ावा दे : खोसला के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए मस्क ने कहा, "ट्रंप आपसे नफरत नहीं करते हैं. अलबत्ता, वह आपको पसंद करते हैं. उनसे मिलिए और अपने बारे में उनके विचार जानिए." टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ मस्क ने स्पष्ट किया कि वह यह नहीं कह रहे हैं कि ट्रंप में कोई कमी नहीं है, लेकिन एक ऐसा प्रशासन होना चाहिए, जिसके योग्य एवं गुणवत्तापूर्ण होने और अत्यधिक सरकारी नियंत्रण के मुकाबले व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बढ़ावा देने की संभावना ज्यादा हो.

क्या नाटो को त्याग दें, नैतिक अधिकार को त्याग दें?

जवाब में खोसला ने कहा, "लेकिन जलवायु परिवर्तन को भूल जाएं और "ड्रिल बेबी ड्रिल? (ईंधन का दोहन जारी रखें). एमएजीए (अमेरिका को फिर से महान बनाने) पर ध्यान दें और नाटो को त्याग दें, नैतिक अधिकार को त्याग दें? मैं सामाजिक रूप से उदारवादी रिपब्लिकन था, लेकिन जलवायु परिवर्तन ने मेरा रुझान बदल दिया." पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रति समर्थन जारी रखते हुए मस्क ने कहा कि सभ्यता को कुछ समय के लिए तेल और गैस की जरूरत होती है. मुझे नहीं लगता कि हमें उस उद्योग को बदनाम करना चाहिए, जो मानवता के लिए आवश्यक है. हालांकि, जैसा कि आप जानते हैं, स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन और खपत बहुत तेजी से बढ़ रही है और हाइड्रोकार्बन ईंधन के इस्तेमाल से ज्यादा होने की ओर अग्रसर है. ट्रंप चाहे कुछ भी करें, यह होगा." नाटो को लेकर मस्क ने सवाल किया, "अमेरिकी करदाता यूरोप की रक्षा के लिए भुगतान क्यों कर रहे हैं, जबकि यूरोप खुद ऐसा करने में से सक्षम है."

राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनने की दावेदारी में हैरिस आगे

एजेंसी। वाशिंगटन

राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा चुनाव मैदान से हटने की घोषणा करने के बाद राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने का दरवाजा कई दावेदारों के लिए खुल गया है. राष्ट्रपति बाइडन ने पार्टी उम्मीदवार के तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को अपना समर्थन दिया है तथा कई अन्य प्रमुख डेमोक्रेटिक नेता भी उनकी उम्मीदवारी के पक्ष में आगे आए हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि पार्टी में उनकी उम्मीदवारी का रास्ता कितना आसान होगा. डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने के प्रमुख दावेदारों में कमला हैरिस सबसे आगे है. कैलिफोर्निया के ऑकलैंड में जन्मी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस नागरिक अधिकार वकील एवं न्यायविद दिवंगत थरगुड मार्शल को प्रेरणास्रोत मानती हैं और अपने जीवन पर नागरिक अधिकार आंदोलन से जुड़े रहे अपने माता-पिता के प्रभाव का अकसर जिक्र करती हैं. लॉस एंजिलिस के वकील डगलस एमहॉफ कमला हैरिस के पति हैं. बाइडन ने 2020 में हैरिस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनते हुए उन्हें 'निडर योद्धा' कहा था.

ओबामा, पेलोसी हैरिस को तत्काल समर्थन देने से बचे

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और प्रतिनिधि सभा की पूर्व 'स्पीकर' नैंसी पेलोसी ने राष्ट्रपति पद की दौड़ से पीछे हटने के राष्ट्रपति जो बाइडन के फैसले की रविवार को प्रशंसा की. हालांकि, दोनों नेताओं ने पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनावों के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार के रूप में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का तत्काल समर्थन करने से परहेज किया. बाइडन ने रविवार को घोषणा की कि वह राष्ट्रपति पद का आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे. इसके साथ ही, उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के तौर पर उपराष्ट्रपति कमला के नाम का अनुमोदन किया. बाइडन की सिफारिश के बाद कमला का डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनना लगभग तय माना जा रहा है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)